मंगलवार
19 मार्च 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
आपकी आवाज

आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद जदयू में शामिल
2

खगड़िया में कार और ट्रैक्टर में भीषण टक्कर, नौ लोगों की मौत

काला सोमवार

केटी न्यूज/खगड़िया

सोमवार की सुबह करीब पांच बजे बारात लेकर लौट रही कार और ट्रैक्टर में भीषण टक्कर हो गई। हादसे के दौरान कार में दस लोग सवार थे, जिसमें से 7 लोगों की मौके पर मौत हो गई। वहीं दो लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बारातियों में शामिल एक बच्चे का इलाज जारी है। पुलिस ने 8 मृतकों की पहचान कर ली है। घटना खगड़िया जिले के पसराहा थाना क्षेत्र के विद्यानंद पेट्रोल पंप के पास की है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मरैया थाना क्षेत्र के बिठला गांव निवासी सौरव कुमार की 17 मार्च को शादी हुई थी। जिसके अगली ही सुबह बारात बिठला गांव लौट रही थी। इसी दौरान एनएच 31 पर बारातियों से भरी कार सीमेंट से लदी ट्रैक्टर से टकरा कर खाई में गिर गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आननफानन में घायलों को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया। एसडीपीओ रमेश कुमार ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि कार में चार बच्चे समेत 10 लोग शामिल थे, जिसमें से 9 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं एक बच्चे की हालत गंभीर है। घटना के बाद शादी के घर में मातम पसर गया है। जानकारी के अनुसार चौथम थाना क्षेत्र के ठुट्ठी मोहनपुर गांव से बारात में शामिल होने के बाद लोग लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एक ट्रैक्टर से टक्कर हो गई ट्रैक्टर पर सीमेंट लोड था। हादसे के बाद आसपास के लोगों की मौके पर भीड़ जुट गई।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खगड़िया जिला में हुए सड़क हादसे में हुई मृत्यु पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह घटना अत्यंत दुखद है और मैं इस घटना से मर्माहत हूं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

हादसे में मृतकों की सूची

- अमन (19) पिता दिनेश ठाकुर, मानसी
- मोनू (11) पिता उमेश ठाकुर, रोहियर
- अंशु कुमार (22) पिता विकास ठाकुर, विसोनी परवत्ता
- गौतम (10) पिता विनोद ठाकुर, बिठला
- प्रकाश सिंह (60) पिता रोहिन सिंह, बिठला
- बंटी (22) पिता अर्जुन ठाकुर, खजरैठा
- पलटू ठाकुर (65) पिता रामु ठाकुर, लोनिया चक भरतखंड
- दिलो कुमार (5) विकास ठाकुर, लोनिया चक भरतखण्ड

झारखंड के सरायकेला में सड़क हादसा, चार की मौत

सरायकेला। झारखंड के सरायकेला खरसावां जिले में सोमवार को सड़क हादसा हो गया। इसमें चार लोगों की मौत हो गयी है। घटना चांडिल थाना क्षेत्र के कांदरबेड़ा मोड़ के पास की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से शवों को कार से बाहर निकाला। स्थानीय लोगों के अनुसार कार की रफ्तार काफी तेज थी। यही वजह है कि कार ने सड़क किनारे खड़े ट्रक को टक्कर मार दी। इससे कार अनियंत्रित होकर पलट गयी और सभी चारों कार सवारों ने दम तोड़ दिया। चांडिल थाना प्रभारी वरुण कुमार यादव ने बताया कि चारों का शव एमजीएम अस्पताल भेजा गया है। मृतकों की पहचान अभय रंजन सिंह, सूरज आर्यन, संस्कार मिश्रा एवं नवनीत शर्मा के रूप में हुई है। ये आदित्यपुर बाबा आश्रम रोड नंबर एस/12 के रहनेवाले थे।

कोलकाता में निर्माणाधीन बिल्डिंग गिरी, आठ की मौत

एजेंसी/कोलकाता

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में रविवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। यहां एक 5 मंजिला अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग गिर गई। सुबह तक इसमें 2 लोगों के मौत की खबर थी अब यह आंकड़ा बढ़कर 8 हो गया है। घटना साउथ कोलकाता के मेटियाब्रुज की बताई जा रही है। अब तक 13 लोगों का रेस्क्यू किया जा चुका है। मलबे में कई और लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। उधर, सोमवार सुबह बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी हादसे वाली जगह पर पहुंचीं और हालात का जायजा लिया। पुलिस के अनुसार घटना के समय बिल्डिंग खाली थी वहां कोई नहीं था। इसके बगल में झुग्गियां हैं, जिन पर बिल्डिंग गिर गई। जिस समय यह हादसा हुआ उस समय वहां लोग सो रहे थे। लोगों की तलाश करने के लिए मलबे को गैस कटर से काटकर हटाया जा रहा था।

कोलकाता पुलिस, डिजास्टर मैनेजमेंट और फायर सर्विस की टीमें सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। कई एम्बुलेंस भी तैनात की गई हैं। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल का इलाका भीड़भाड़ वाला है। इसलिए सावधानी बरती जा रही है। पुलिस के मुताबिक जो बिल्डिंग गिरी, वहां छह महीने से निर्माण का काम चल रहा था। वहीं स्थानीय लोगों का आरोप है कि कोलकाता नगर निगम और पुलिस की अनुमति के बिना कंस्ट्रक्शन हो रहा था।

खबरें फटाफट

पीएम मोदी के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत

नयी दिल्ली। टीएमसी नेता एवं सांसद साकेत गोखले ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ सोमवार को शिकायत दर्ज कराकर आरोप लगाया कि उन्होंने आंध्र प्रदेश में एक चुनावी रैली में भाग लेने के लिए भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल कर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया है। गोखले ने आंध्र प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखे पत्र में रविवार को मोदी के पलनाडु जिले में चिलकलुरिपेट के दौरे का जिक्र किया जहां प्रधानमंत्री ने तेदेपा प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू के साथ रैली को संबोधित किया था। गोखले ने अपने पत्र में लिखा, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 17 मार्च 2024 को आंध्र के पालनाडु जिले के 96-चिलकलुरिपेट विधानसभा क्षेत्र में किए गए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को आपके संज्ञान में लाने और एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराने के लिए यह पत्र लिखा गया है। गोखले ने कहा कि मोदी रविवार शाम को भारतीय वायुसेना के जेडपी 5236 संख्या वाले हेलीकॉप्टर में सवार होकर उस रैली के स्थल पर पहुंचे, जो भाजपा के चुनाव प्रचार अभियान का एक हिस्सा थी। उन्होंने कहा, अगर भारतीय जनता पार्टी ने हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल के लिए भुगतान किया है, तो निर्वाचन आयोग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वायु सेना के हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किस आधार पर जरूरी है।

एनडीए में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय, पशुपति को निराशा

बिहार में भाजपा 17 तो जदयू 16 लोकसभा सीटों पर लड़ेगी चुनाव

♦ लोजपा (रामविलास) पांच, मांझी की पार्टी हम- एक और कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा एक सीट पर लड़ेगी चुनाव

केटी न्यूज/पटना

आखिरकार बिहार एनडीए में लोकसभा चुनाव को लेकर सीटों का बंटवारा हो गया। सीट शेयरिंग का जो फॉर्मूला तय हुआ है उसमें बीजेपी 17, जेडीयू 16, लोजपा (रामविलास) 5, मांझी की पार्टी हम- 1 और कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा लोकसभा की एक सीट पर चुनाव लड़ेगी। लोकसभा चुनाव में बीजेपी बिहार की 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बीजेपी जिन सीटों पर लोकसभा का चुनाव लड़ेंगी उनमें पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, औरंगाबाद, मधुबनी, अररिया, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, महाराजगंज, सारण, उजियारपुर, बेगूसराय, नवादा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर और सासाराम शामिल हैं। वहीं जेडीयू 16 सीटों पर लोकसभा का चुनाव लड़ेगी। जेडीयू के खाते में जो लोकसभा की सीटें आई हैं उसमें वाल्मिकीनगर, सीतामढ़ी, झंझारपुर, सुपौल, किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, मधेपुरा, गोपालगंज, सीवान, भागलपुर, बांका, मुंगेर, नालंदा, जहानाबाद और शिवहर शामिल हैं। वहीं चिराग की पार्टी जिन पांच सीटों पर चुनाव लड़ेगी उसमें वैशाली, हाजीपुर, समस्तीपुर, खगड़िया और जमुई शामिल हैं जबकि मांझी की पार्टी गया सीट से और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा काराकाट लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में उतरेगी।

साल 2019 के लोकसभा चुनाव में में एनडीए (भाजपा, जदयू और एलजेपी) ने शानदार जीत हासिल की थी। एनडीए ने 39 सीटों पर जीत दर्ज की थी। महागठबंधन के खाते में केवल एक किशनगंज सीट थी।

8 सांसदों का पत्ता कटा, लोकसभा में जाने का टूटा सपना

पटना। एनडीए में सीट बंटवारे के एलान के साथ ही बिहार के 8 सांसदों का पत्ता साफ हो गया है। वैसे, जब उम्मीदवारों के नाम का एलान होगा तो कई और सांसदों का टिकट कट सकता है। वैसे एनडीए में हुए सीट शेयरिंग में पहली नजर में दिख रहा है कि चिराग पासवान फायदे में रहे, भाजपा ने पुरानी स्थिति बरकरार रखी और जेडीयू को नुकसान हुआ। सीट बंटवारे के अनुसार भाजपा 17 सीटों पर, जेडीयू 16 सीटों पर, लोजपा (रामविलास) पांच सीटों पर, उपेंद्र कुशवाहा की रालोद एक सीट पर और जीतन राम मांझी की हम एक सीट पर चुनाव लडेगी। बता दें कि पिछली दफे बीजेपी और जेडीयू 17-17 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। लोजपा को 6 सीट मिली थी. लोजपा बाद में दो हिस्सों में विभाजित हुई। सिर्फ एक सांसद वाली चिराग के नेतृत्व वाले लोजपा (रामविलास) को पांच सीट दी गयी है।

सीट बंटवारे में तय फार्मूले के मुताबिक जेडीयू ने अपनी दो सीटिंग सीट छोड़ी है। जेडीयू के कब्जे वाली दो सीटों गया और काराकाट को उपेंद्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी को दे दिया गया है। गया से जेडीयू के विजय कुमार मांझी सांसद हैं। वहीं, काराकाट में जेडीयू के महाबली सिंह सांसद हैं। दोनों की सीट राष्ट्रीय लोक मोर्चा और हम पार्टी को दे दी गयी है। अब काराकाट से उपेंद्र कुशवाहा चुनाव लड़ेगे। वहीं, गया से हम पार्टी के जीतन राम मांझी चुनाव लड़ने जा रहे हैं। यानि विजय कुमार मांझी और महाबली सिंह उम्मीदवारों के नाम के एलान से पहले ही बेटिकट हो गये हैं।

रमा देवी का भी पत्ता साफः उधर बीजेपी ने भी अपने कब्जे वाली एक सीट छोड़ दी है। बीजेपी ने शिवहर सीट जेडीयू को सौंप दिया है। इस सीट से भाजपा की रमा देवी सांसद हैं। जेडीयू इस सीट से लवली आनंद को लड़ाने जा रही है। जाहिर है रमा देवी का पत्ता साफ हो गया है।

पारस कैंप के 5 सांसदों का पत्ता साफः सबसे बुरी स्थिति पशुपति कुमार पारस की पार्टी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी की हुई है। उन्हें एनडीए गठबंधन से बाहर कर दिया गया है। हाजीपुर से सांसद पशुपति कुमार पारस, समस्तीपुर से प्रिंस राज, खगड़िया से महबूब अली कैसर, नवादा से चंदन सिंह और वैशाली से वीणा देवी एनडीए के टिकट से बेदखल हो गये हैं। वैसे ये पांचों सांसद चुनाव लड़ने के लिए लगातार जुगत लगा रहे हैं। वीणा देवी और महबूब अली कैसर चिराग पासवान के दरबार में हाजिरी लगा रहे हैं। वहीं पशुपति पारस औ? प्रिंस राज राजद के संपर्क में हैं। चिराग पासवान ने अपनी पार्टी के नेताओं की बैठक में एलान कर दिया है कि उन्हें धोखा देने वाले पांचों सांसदों को किसी सूरत में टिकट नहीं दिया जायेगा। वहीं, राजद भी पशुपति पारस और प्रिंस राज में कोई अभिरूचि नहीं दिखा रहा है। पारस गुट के चंदन सिंह नवादा से सांसद हैं और बाहुबली सूरजभान के भाई हैं। नवादा सीट बीजेपी ने अपने पास रख ली है।

चर्चा ये भी है कि सूरजभान ने भी राजद से संपर्क साधा है, लेकिन नवादा सीट पर राजद परंपरागत तौर पर यादव उम्मीदवार को लड़ाती रही है। राजद नेता जानते हैं कि सूरजभान के भाई को टिकट देने के बाद भी उनकी जाति के लोग राजद को वोट देने वाले नहीं है। ऐसे में राजद में चंदन सिंह की गुंजाइश लगभग न के बराबर नजर आ रही है।

बिहार सहित छह राज्यों के गृह सचिव हटाए गए, विवेक सहाय बने बंगाल के नए डीजीपी

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लेते हुए बिहार सहित 6 राज्यों के गृह सचिव को हटा दिया है। बिहार में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ.एस सिद्धार्थ को पद से हटाया गया है। अब उनके पास केवल मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव का प्रभार रहेगा। राज्य सरकार ने गृह विभाग के सचिव प्रणव कुमार को कारा और सुधार सेवाएं विभाग का आईजी बनाया है। जबकि मिजोरम और हिमाचल प्रदेश में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव को भी हटाया गया है। वहीं पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार को भी हटाया गया है। उनकी जगह विवेक सहाय को पश्चिम बंगाल का नया डीजीपी बनाया गया है। गुजरात में चुनाव आयोग के आदेश के बाद कअर ए.के.राकेश गृह सचिव बनाये गये हैं।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव आयोग ने यह फैसला लिया है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश के गृह सचिव को हटा दिया गया है। राजीव कुमार को डीजीपी के पद से हटाए जाने के कुछ ही देर बाद विवेक सहाय को पुलिस महानिदेशक की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। बता दें कि विवेक सहाय 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। पिछले साल दिसंबर महीने में राजीव कुमार को पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया था। यह बात निकलकर सामने आ रही है राजीव कुमार को सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग में स्थानांतरित किया गया है। बता दें कि 2016 के विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी राजीव कुमार को इलेक्शन ड्यूटी से हटाया गया था। एक बार फिर उन्हें लोकसभा में चुनाव से अलग किया गया है।

गौरतलब है कि 16 मार्च को दिल्ली के विज्ञान भवन में चुनाव आयोग की प्रेस कॉफ्रेंस हुई थी। जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था। इस प्रेस वार्ता में इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार और डॉ. एस.एस संधू भी मौजूद थे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि सात चरण में लोकसभा चुनाव होगा। बिहार में सात चरण में चुनाव होगा। 19 अप्रैल, 26 अप्रैल, 7 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और 01 जून को मतदान होगा और 4 जून को चुनाव के नतीजे घोषित होंगे।

सावन व शिवरात्रि नहीं, रविवार जैसे सामान्य दिन में भी बनारस में उमड़ रही रिकॉर्ड भीड़

5 लाख से अधिक शिवभक्तों ने किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन

केटी न्यूज/वाराणसी

श्री काशी विश्वनाथ धाम अपने ही रिकॉर्ड ध्वस्त कर रहा है। सावन व शिवरात्रि समेत पर्व-त्योहारों पर तो यहां लाखों भक्त दर्शन के लिए उमड़ते ही हैं, पर रविवार (17 मार्च) जैसे सामान्य दिन में भी यहां पांच लाख से अधिक शिवभक्तों ने दर्शन किया। यह संख्या सामान्यतः विशिष्ट पर्वों पर आने वाले दर्शनार्थियों के बराबर है। 13 दिसंबर 2021 को प्रधानमंत्री जी के हाथों लोकार्पित होने के बाद श्री काशी विश्वनाथ धाम नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। काशी पुराधिपति देवाधिदेव महादेव के दर्शन के लिए निरंतर श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। योगी सरकार की तरफ से काशी में श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध की जा रही हैं।

नव्य व भव्य श्रीकाशी विश्वनाथ धाम मंदिर में सुविधा और सुरक्षा के चलते काशी में दर्शनार्थियों का आवागमन निरंतर बढ़ता जा रहा है। काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर के लगभग तीन हजार वर्ग फुट से, लगभग पांच लाख वर्ग फुट के विशाल क्षेत्र में परिवर्तित होने के बाद धाम में सनातनियों का दर्शन के लिए तांता लगा रह रहा है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि 17 मार्च 2024 को सामान्य दिवस (पर्व के अतिरिक्त) दर्शनार्थियों की सर्वाधिक दैनिक संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ। इस दिन कुल 5,03,024 दर्शनार्थियों ने महादेव के दर्शन प्राप्त किए। उन्होंने बताया कि कॉरिडोर लोकार्पण के पहले सामान्य दिनों में भक्तो की संख्या लगभग 20 से 30 हजार के आसपास रहती थी, जबकि लोकार्पण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या बढ़कर 1.5 लाख से 2 लाख हो गई थी।

काशी व अयोध्या में आ रहे सर्वाधिक श्रद्धालुः मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि सावन और शिवरात्रि में भक्तो की संख्या सर्वाधिक होती है, लेकिन सामान्य दिनों में ऐसा पहली बार देखने को मिला है, जब शिव भक्तों की संख्या एक दिन (रविवार 17 मार्च) को 5 लाख के पार हो गई है। ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएएआई) उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के सचिव प्रदीप राय ने बताया कि अयोध्या और काशी के टू वे सर्किट के लिए पर्यटकों का सबसे ज्यादा रुझान हो रहा है। दोनों धार्मिक शहरों में सबसे ज्यादा पर्यटक वीकेंड में आ रहे हैं।

अयोध्या के मठ-मंदिरों को संवारने में तेजी से जुटा पर्यटन विभाग

अयोध्या। श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद से प्रदेश सरकार द्वारा अयोध्या के 84 कोसी परिक्रमा को पर्यटन की नजर से सजाया जा रहा है। अब पर्यटन विभाग 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित करीब 6 धार्मिक स्थलों का पर्यटन स्थल के रूप में विस्तार करा रहा है। अयो?या परिक्षेत्र के उपनिदेशक पर्यटन आरपी यादव ने बताया कि इसके लिए भेजे गए इस्टीमेट को शासन ने स्वीकृत कर 20.64 करोड़ रुपए का बजट मंजूर किया है। इसी बजट से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत ऋषियों-मुनियों की तपस?थलियों और धार्मिक स्थलों श्रवण कुमार आश्रम, आस्तिक आश्रम, ऋषि च्यवन आश्रम, मेधा ऋषि आश्रम, श्री बन्धू बाबा आश्रम, महर्षि बामदेव आश्रम जैसे 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर बड़ी संख्या में धार्मिक स्थल का पुनरोद्धार किया जा रहा है।

जदयू के टिकट से लवली आनंद लड़ सकती हैं लोकसभा का चुनाव

आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद जदयू में शामिल, कहा- नीतीश को मजबूत बनाएंगे

केटी न्यूज/पटना

बेटे चेतन आनंद के पाला बदलने के बाद अब पूर्व सांसद लवली आनंद ने भी आरजेडी का साथ छोड़कर जेडीयू का दामन थाम लिया है। लोकसभा चुनाव से पहले पूर्व सांसद आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू में शामिल हो गयीं। सोमवार की शाम पांच बजे जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने लवली आनंद को जेडीयू की सदस्यता दिलायी। यह चर्चा हो रही है कि जेडीयू के टिकट से लवली आनंद लोकसभा का चुनाव लड़ सकती है।

जेडीयू के मिलन समारोह में पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद लवली आनंद ने मीडिया से बातचीत की। कहा कि समता पार्टी के फाउंडर मेंबर हम रहे हैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से प्रभावित होकर हम लोग तमाम लोग पार्टी को मजबूत करने आए है। लवली आनंद ने कहा कि लोकसभा की चालीसों सीटों पर एनडीए चुनाव जीतेगी। पार्टी का जो भी फैसला होगा उसे हम मानेंगे। ठाकुर का कुआं वाले सवाल पर लवली आनंद ने कहा कि चेतन का सवाल चेतन से कीजिए। लेकिन ठाकुर का कुआं कहके जिस तरह से समाज को गाली दिया गया है वो बर्दाश्त नहीं करेगा। जब ए टू जेड की बात करते हैं तो सबको दीजिये सम्मान किसी को आहत नहीं करिये। सीएम नीतीश सबकों साथ लेकर चलते हैं इसलिए उनके साथ आने का हमने फैसला लिया।

राजपूत वोटर्स को साधने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आरजेडी के साथ सरकार में रहते हुए बड़ा कार्ड खेला था। मुख्यमंत्री ने कानून में बदलाव कराते हुए जी. कृष्णैया हत्याकांड के दोषी पूर्व सांसद आनंद मोहन को जेल से रिहा करा दिया था। जेल से रिहा होने के बाद से ही आनंद मोहन के जेडीयू में बदलने से आरजेडी और तेजस्वी यादव को बड़ा झटका लगा था। आनंद मोहन के बाद अब उनकी पत्नी पूर्व सांसद लवली आनंद ने भी पाला बदलने की तैयारी कर ली और इसमें पूरी तरह से सफल भी हुई। आज लवली आनंद नें जेडीयू में शामिल हो गयी हैं।

पिछले दिनों पूर्व सांसद लवली आनंद अपने पति पूर्व सांसद आनंद मोहन के साथ मुख्यमंत्री आवास पहुंची थीं और सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की थी। मुलाकात की तस्वीरें सामने आने के बाद से ही यह कयास लगाए जा रहे थे कि बेटे चेतन आनंद के बाद अब वे भी तेजस्वी और आरजेडी को गच्चा देने जा रही हैं और आखिरकार वही हुआ।

लोकसभा चुनाव से पहले तेजस्वी को गच्चा देते हुए लवली आनंद ने जेडीयू में शामिल होने का फैसला ले लिया। सोमवार की शाम जेडीयू के प्रदेश कार्यालय में पूर्व जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। सियासी गलियारे में इस बात की चर्चा है कि लवली आनंद जेडीयू के टिकट पर औरंगाबाद या शिवहर सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ सकती हैं। इसे आनंद परिवार की तरफ से आरजेडी को दूसरा बड़ा झटका माना जा रहा है।

दरभंगा पुलिस ने दो कार से बरामद किए पांच-पांच लाख रुपए, चालकों से की पूछताछ

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव 2024 की डुगडुगी बजते ही दरभंगा पुलिस एक्शन में दिखने लगी है। सोमवार को वाहन जांच के दौरान मब्बी पुलिस ने एक कार से पांच लाख रुपये नकदी बरामद की है। वहीं, दूसरी तरफ रविवार की देर शाम बहादुरपुर थाना क्षेत्र के देकुली में भी पुलिस ने वाहन जांच के दौरान पांच लाख रुपये बरामद किए थे। दोनों ही जगहों से जब्त किए गए रुपये के संबंध में पुलिस कार चालकों से पूछताछ करने में लगी हुई गई।

जानकारी के अनुसार, मब्बी थाना पुलिस ने दिल्ली मोड़ के पास से वाहन जांच के दौरान मधुबनी जा रही कार से चेकिंग के दौरान पांच लाख रुपये नकदी बरामद की है। इसके साथ पकड़े गए व्यक्ति से थाने में पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि लाखों रुपये के साथ पकड़ा गया व्यक्ति ठेकेदारी व्यवसाय से जुड़ा हुआ है। वह अपने मजदूरों को भुगतान करने जा रहा था। इस दौरान दरभंगा में पकड़े गए है। वहीं, दूसरी तरफ बहादुरपुर थाना पुलिस ने देकुली स्थित चेकपोस्ट पर वाहन जांच के दौरान एक कार से पांच लाख रुपये नकदी बरामद की थी। इस मामले में कार सवार लोगों से पुलिस पूछताछ करने में लगी हुई है। फिलहाल पकड़े गए लोगों ने रुपये के संबंध में कोई ठोस जानकारी नहीं दी है कि किसके पैसे हैं और वे लोग इसे लेकर कहां जा रहे थे।

जानकारी के अनुसार, मब्बी ओपी क्षेत्र के दिल्ली मोड़ के पास वाहन चेकिंग के दौरान कार से पांच लाख रुपये नकदी बरामद हुई है। आदर्श आचार संहिता शुरू होते ही पहले बार इतनी बड़ी रकम बरामदगी को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। बताया जा रहा है कि दंडाधिकारी सह दरभंगा नगर निगम के जेई प्रभात कुमार की उपस्थिति में पुलिस वाहन चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान कार को पुलिस द्वारा चेकिंग के लिए रोका गया। चेकिंग के दौरान वाहन से प्लास्टिक के श्रृंगार बॉक्स में नोटों की गड्डी भरी मिली। इसे जब्त कर थाने लाया गया। दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी के समक्ष गिनती में पांच लाख नकदी पाई गई।

हालांकि यह पैसा मुजफ्फरपुर के संवेदक रंधीर कुमार का बताया जा रहा है। पैसा लेकर संवेदक का भांजा अंकित मुजफ्फरपुर से जयनगर जा रहा था। उसने बताया कि जयनगर में ग्रामीण कार्य विभाग योजना के तहत सड़क का निर्माण चल रहा है। वहां लेवर पेमेंट के लिए नकद पैसा लेकर जा रहे थे।

जंगलराज की दुहाई देने वाली बीजेपी आज चुप क्यों है: तेजस्वी

केटी न्यूज/पटना

राहुल गांधी की रैली में शामिल होने के बाद तेजस्वी आज वापस पटना लौटे तेजस्वी यादव ने अब बिहार में बढ़ती अपराध की घटनाओं को लेकर एनडीए की सरकार और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सवाल पूछे हैं। तेजस्वी ने कहा कि जंगलराज की दुहाई देने वाले आज चुप क्यों हैं?

नेता विपक्ष तेजस्वी यादव ने पटना पहुंचते ही अपराध को लेकर सरकार पर जोड़दार हमला बोला। तेजस्वी ने कहा कि पटना में एक बिल्डर पर गोली चल जाती है और हत्या हो जाती है। नीतीश कुमार के गृह जिला नालंदा में पत्रकार दीपक विश्वकर्मा को गोली मार दी जाती है। बिहार में लगातार अपराध की घटना में इजाफा हो रह है हैं। बीजेपी और जेडीयू के नेता आज लॉ एंड ऑर्डर पर सवाल क्यों नहीं उठा रहे हैं। जब हमारी सरकार थी तो रोज सवाल पूछते थे आज कहां है वे लोग। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आप लोगों के भाई पर ही हमला हुआ है। अगर यह हमारे शासनकाल में हुआ होता तो क्या हो गया होता अबतक? इखढ के लोग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आकर चिल्ला चिल्लाकर गला फाड़कर कहते कि जंगलराज है, बिहार में जंगल राज आ गया है। अब किसका राज है? सोमवार दे रात को नालंदा में अपराधियों ने पत्रकार दीपक विश्वकर्मी को गोली मारकर घायल कर दिया था, जिन्हें गंभीर हालत में इलाज के लिए पटना एम्स में भर्ती कराया गया है।

सिपाही भर्ती घोटला किसके समय हुआ : विजय सिन्हा

केटी न्यूज/पटना

बिहार लोक सेवा आयोग की शिक्षक भर्ती परीक्षा रद्द हो सकती है। दावा किया जा रहा है कि शुक्रवार, 15 मार्च को हुए इढरउ ळफए 3 एग्जाम का पेपर एग्जाम से पहले ही लीक हो गया था। आर्थिक अपराध ईकाई (एडव) की जांच में भी यह बात सामने आई है। हालांकि, आयोग का कहना है कि आर्थिक अपराध ईकाई की तरफ से जो साक्ष्य दिए गए हैं वो पूरे नहीं है। इसके बाद इस मामले में नेता विपक्ष तेजस्वी यादव के तरफ से सवाल उठाया जा रहा है तो अब सूबे के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि - उनके समय में कौन -कौन साड्रामा हुआ था ?

विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि -तेजस्वी यादव नेता प्रतिपक्ष का भूमिका निभाने का प्रयास कर रहे हैं। उनको याद भी है कि क्या-क्या उनके सरकार में हुआ था और कौन-कौन सा ड्रामा हुआ था? तेजस्वी बताएं कि सिपाही बहाली भर्ती घोटाला किनके रीजन में हुआ था। कई ऐसे मामले उठे थे और कई तरह के नियुक्ति घोटाला हुआ था।

इसके आगे विजय सिन्हा ने कहा कि तेजस्वी जी को नेता प्रतिपक्ष की सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। लेकिन थोड़ी प्रामाणिकता के साथ लोगों को बताना चाहिए और सिर्फ खानापूर्ति करने का खेल नहीं हो। हमारी सरकार जब एक्शन नहीं लेगी तो प्रश्न उठाइए। इसलिए पहले समझिये तब कुछ बोलिये। हमलोग काम करने में भरोसा रखते हैं। वहीं, विजय कुमार सिन्हा से जब सीट बंटवारा को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि- समय पर सब कुछ होगा और सक्षम नेतृत्व निर्णय लेने में हर तरह से सक्षम है और उचित समय पर यह निर्णय हो जाएगा। इस बात को लेकर हमारे अंदर कहीं कोई समस्या नहीं है, सबकुछ समय पर हो जाएगा।

जमुई में महिला की गोली मारकर हत्या

जमुई। जमुई के लक्ष्मीपुर प्रखंड में कुछ अज्ञात अपराधियों ने घात लगाकर एक महिला की गोली मारकर की हत्या कर दी है। मामला लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के मोहनपुर मोड़ के समीप का है। मृतक महिला की पहचान संजय यादव की पत्नी कारी देवी के रूप में हुई है। महिला अपने एक रिश्तेदार के साथ बाईक से घर वापस लौट रही थी। तभी मोहनपुर मोड़ के पास घात लगाए बैठे अपराधियों ने फायरिंग कर महिला की हत्या कर दी।

भागलपुर में चलती स्कूल वैन में अचानक लगी आग, बची जान

भागलपुर। बिहार के भागलपुर में पुलिस जिला नवगछिया के विक्रमशिला पहुंच पथ एनएच-31 पर चलती स्कूल वैन में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि स्कूल वैन देखते ही देखते जल गई। वहीं, चलती कार में आग लगने के कारण राहगीरों में भगदड़ मच गई। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि नवगछिया से भागलपुर की ओर आ रही कार में अचानक आग लग गई। वहीं, ड्राइवर ने किसी तरह कार को सड़क किनारे किया और वैन से कूदकर अपनी जान बचाई। घटना परबत्ता थाना क्षेत्र के गरेया गांव के पास की है। वहीं, घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने डायल 112 पुलिस टीम को दी। उसके बाद स्थानीय पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। फिर लगभग एक घंटे बाद आग पर काबू पा लिया गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिल रही है। घटना के बाद से पुलिस ने विक्रमशिला पहुंच पथ पर दोनों तरफ से वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी है।

जानकारी के मुताबिक, वैन स्कूल से बच्चों को लाने के लिए जा रही थी, तभी हादसे का शिकार हो गई। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आग कैसे लगी। वहीं, डायल 112 के ऑन ड्यूटी पदाधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोगों के द्वारा सूचना प्राप्त हुई। घटना की जानकारी मिलने के बाद फौरन 112 की टीम मौके पर पहुंची है। आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आग कैसे लगी है।

बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल में हुआ होली मिलन समारोह

- जिला के स्थापना दिवस पर आयोजित हुआ था अंतिम स्कॉलरशिप परीक्षा

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर की स्थापना दिवस के मौके पर बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल में अंतिम स्कॉलरशिप परीक्षा तथा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में स्कूल के नामांकित बच्चें तथा उनके अभिभावक शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर ई. अंकुर राय, स्कूल के प्रधानाचार्य एनएस पुनिया द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ स्टीम लैब में उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी देने के लिए एयर शो का आयोजन भी किया गया। सर्वप्रथम सभा को संबोधित करते हुए मैनेजिंग डायरेक्टर ई. अंकुर राय ने बताया कि स्कूल की स्थापना उनका एक सपना और एक शौक है। उन्होंने यह भी बताया कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर देंगे। यह स्कूल उनकी आत्मा से जुड़ा हुआ है। उनका उद्देश्य बिरला ग्रुप आफ एजुकेशन को इसलिए चुनना है कि यहां के बच्चे सर्वोत्तम शिक्षा प्राप्त करने के लिए अपने गृह जिला को छोड़कर बाहर न जाना पड़े। साथ ही बच्चों के योग्यता के आधार पर स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन

वैष्णवी एजुकेशन डेवलपमेंट ट्रस्ट के द्वारा किया गया था, जिससे बच्चों को आर्थिक कठिनाइयों को न झेलना पड़े। क्योंकि बक्सर में ही बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल बच्चों के भविष्य के लिए नए-नए आयामो की सौगात लेकर आया है। जिससे कि बच्चे किसी भी क्षेत्र में अपना परचम लहरा सकें। साथ ही उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि अब उच्च एवं गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए बक्सर जिले से बाहर जाने की कोई आवश्यकता नहीं है। क्योंकि बक्सर में ही वैष्णवी एजुकेशनल डेवलपमेंट ट्रस्ट के अंतर्गत बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, संगीत एवं कला के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान होगा। उन्होंने कहा कि प्रतिभा एवं ज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए ही वैष्णवी एजुकेशनल डेवलपमेंट ट्रस्ट सभी बच्चों के लिए समर्पित है। वही प्रधानाचार्य एनएस पुनिया ने भी अपने संबोधन में बच्चों एवं अभिभावकों को बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल के प्रमुख पहलुओं के साथ स्कूल एवं बिरला ग्रुप के विषय में जानकारी प्रदान किया और उन्होंने बताया कि हमारे यहां अभी एडमिशन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2024 तक है। उन्होंने बताया कि 2 अप्रैल 2024 से शैक्षणिक सत्र की शुरूआत हो रही है। वही, पिछले स्कॉलरशिप टेस्ट में जिन बच्चों ने स्कॉलरशिप प्राप्त किया था उन्हें सम्मानित भी किया गया एवं उनको जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी किया गया। होली मिलन समारोह का समापन बच्चे एवं उनके अभिभावकों के समक्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ स्टीम लैब में किस प्रकार से बच्चों को किन-किन चीजों के बारे में बताया जाएगा, इसके लिए एयर शो प्रोग्राम का आयोजन भी किया गया था। इस कार्यक्रम में वैष्णवी एजुकेशनल डेवलपमेंट ट्रस्ट के सभी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एक नजर

देशी शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के अरक गांव में छापेमारी अभियान चला 118 लीटर बंटी बबली ब्रांड देशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जबकि तीन अन्य भागने में सफल रहे। पुलिस को यह सफलता अरक बिंद टोली मुहल्ला से मिली है। इस मामले में पुलिस ने कुल चार लोगों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान स्थानीय गांव के धर्मेन्द्र सिंह के रूप में की गई है। जबकि फरार होने वाले तस्करों में विजय राम उर्फ लूटन राम, विटोरी राम, बिरिजेश राम शामिल है। जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गिरफ्तार तस्कर को जेल भेज दिया गया है, जबकि फरार तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

जीवंतता का प्रतीक है होली: सरोज सिंह

बक्सर। होली अनोखा त्योहार है, यह भारतीय पर्व परंपरा में जीवंतता का प्रतीक है। उक्त बातें बिहार सेंट्रल स्कूल के सचिव सरोज सिंह ने सोमवार को विद्यालय परिसर में आयोजित होली मिलन समारोह के दौरान कही। उन्होंने कहा कि यह पर्व हर्ष व उल्लास का सूचक है। यह एकमात्र ऐसा अनोखा त्योहार है जिसमें दुश्मन भी गले मिलते है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को होली की बधाई देने के साथ ही उनसे कृत्रिम व खतरनाक रंगो से दूर रहने की नसीहत दी और इको फ्रेंडली होली मनाने की अपील की। उन्होंने छात्रों से सावधानी बरतते हुए होली मनाने की अपील की और कहा कि यह त्योहार हमारे प्रकृति के नये कलेवर को हम सब के बीच बांटता है। इसके पहले छात्रों ने पहले शिक्षकों तथा बाद में एक दूसरे पर पहले पुष्प वर्षा की तथा बाद में अबीर गुलाल लगा होली की बधाई दी। इस दौरान छात्र-छात्राओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। अंत में सचिव ने कहा कि यह त्योहार यह त्योहार आपसी भाईचारे, प्रेम व मधुरता को बढ़ाने वाला होता है। उन्होंने छात्रों को इको फ्रेंडली होली मनाने का संदेश दिया। मौके पर स्कूल के शिक्षक विनय तिवारी, विनोद उपाध्याय, अरूण उपाध्याय, मो. चांद, मो. अतीक, ललित ओझा, वरूण कुमार, मधु सिन्हा समेत कई अन्य मौजूद थे।

दिनदहाड़े दूध व्यवसायी को मारी गोली

चौसा। जिले में बेखौफ हो चुके अपराधियों ने एक दूध व्यवसायी को दिनदहाड़े गोली मार जख्मी कर दिया है। घटना सोमवार सुबह मुफसिल थाना क्षेत्र के हुंकहा गांव के पास की है। जख्मी दूध व्यवसायी की पहचान इसी थाना क्षेत्र के ईजरी बुधन गांव निवासी स्व. वीर बहादूर सिंह के 45 वर्षीय पुत्र नंदजी सिंह के रूप में की गई है। घटना के तत्काल बाद स्थानीय पुलिस तथा आस पास में मौजूद लोगों के सहयोग से उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल बक्सर ले जाया गया। जहां, प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। उसके परिजन उसे लेकर आरा के एक निजी अस्पताल में गए है। जहां उसका इलाज जारी है। गोली उसके पीठ में दाहीने तरफ लगी तथा तथा दिल के पास आकर फंस गई है। जिस कारण हालात नाजूक बना हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार वह दूध बेचकर साइकिल से अपने गांव लौट रहा था, इसी दौरान हुकंहा गांव के पास एक बाइक पर सवार दो की संख्या में अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। घटना के बाद से क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई है। वहीं दिनदहाड़े हुई इस घटना के बाद लोग अपराधियों के दुस्साहस की चर्चा भी कर रहे थे। जख्मी नंदजी की मानें तो उसके पट्टीदार के एक लड़के का किसी से अफेयर चल रहा था। इसी के प्रतिशोध में लड़की पक्ष ने 25 जनवरी को मेरे पट्टीदार संतोष यादव की गोली मार हत्या कर दी थी। इस घटना में उन्होंने उसी पक्ष का हाथ बताया है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हो सका था। मुफस्सिल थाने के थानाध्यक्ष चंदन कुमार झा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि घटना में शामिल अपराधियों को जल्दी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वही, घटना के बाद से क्षेत्र में तनाव कायम है।

समाहरणालय परिसर में कड़ी सुरक्षा के बीच प्रशासन की देखरेख में हुआ चुनाव

सरोज देवी निर्विरोध चुनी गईं जिला परिषद की नई चेयरमैन

- कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुआ मतविभाजन
- पूर्व अध्यक्ष विद्या भारती पर अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद कराया गया था मतविभाजन

केटी न्यूज/बक्सर

चक्की की जिला पार्षद सरोज देवी बक्सर जिला परिषद की नई अध्यक्ष बन गई है। सोमवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतविभाजन कराया गया। निर्धारित समय सुबह 11 बजे मात्र 14 जिप सदस्य ही मौके पर उपस्थित थे। इसके बाद नियमों के मुताबिक एक घंटे तक इंतजार के बाद 12 बजे मत विभाजन कराया गया। जिसमें सरोज देवी को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। वही विद्या भारती का खेमा इस मतविभाजन में शामिल नहीं हुआ। बता दें कि सरोज देवी मूल रूप से चक्की प्रखंड के

स्थानीय विशेषर डेरा के पूर्व जिप सदस्य परमा यादव की पत्नी है तथा पूर्व जिप अध्यक्ष विद्या भारती के खिलाफ इन्हीं के नेतृत्व में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, जो ध्वनि मत से पारित हुआ था। निर्विरोध चुने जाने के बाद डीडीसी डॉ. महेन्द्र पाल ने उन्हें विजेता घोषित किया तथा प्रमाण पत्र सौंपा। इस दौरान उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। चुनाव को संपन्न कराने के लिए बतौर पर्यवेक्षक भोजपुर जिले के अपर समाहर्ता मनोज कुमार झा मौजूद रहे। इस दौरान समाहरणालय परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। मतविभाजन के दौरान सरोज देवी के समर्थक बाहर काफी उत्साह से लबरेज थे। चुनाव स्वच्छ व शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। मतविभाजन के दौरान आदर्श आचार संहिता का पालन करावाया गया था। गौरतलब है कि इसके पहले पूर्व अध्यक्ष विद्या भारती के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव में सदस्यों ने मनमानी करने, विकास योजनाओं के चयन में भेदभाव तथा सदस्यों से दुर्व्यवहार समेत कई आरोप लगाए थे।

जिप चेयरमैन को भाजपा नेता ने दी बधाई: वही दूसरी तरफ जिला परिषद का चेयरमैन बनने पर भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक ओम प्रकाश भुवन ने सरोज देवी व उनके पति सह सामाजिक कार्यकर्ता परमा यादव को बधाई दी है। उन्होंने अपने बधाई संदेश में उम्मीद जताया है कि सरोज देवी और उनकी टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा भेजे जा रहे पैसे और योजनाओं को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में गांव, गरीब, किसान और मजदूरों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचाने में समर्पित भाव से कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि सरोज देवी की पृष्ठभूमि सामाजिक रही है तथा उनका चयन निर्विरोध हुआ है। इस कारण उनसे उम्मीद बढ़ गई है।

नई जिप अध्यक्ष पर एफआईआर दर्ज

बक्सर। जिला परिषद चेयरमैन पद पर निर्विरोध निर्वाचित होने वाली सरोज देवी तथा उनके प्रतिनिधि परमा यादव ने खुलेआम आदर्श आचार संहिता की धज्जियां उड़ाई। इसकी जानकारी मिलते ही प्रशासन तुरंत हकरत में आया तथा डीएम अंशुल अग्रवाल ने एसडीओ धीरेन्द्र कुमार मिश्र को जांच का जिम्मा सौंपा। जांच में जिप चेयरमैन व उनके प्रतिनिधि ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किये जाने की पुष्टि होने के बाद सदर अंचल के सीओ प्रशांत शांडिल्य ने दोनों के खिलाफ आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज कराया। बता दें कि मतविभाजन के दौरान जिप चेयरमैन प्रतिनिधि के नेतृत्व में समाहरणालय के मुख्य गेट के पास भीड़ उमड़ गई थी। जिससे विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो गई थी। वही उनके समर्थक आदर्श आचार संहिता की परवाह किए बिना जमकर अबीर गुलाल उड़ाए।

मेरा पहला वोट देश के लिए, कार्यक्रम में लोगों ने लिया भाग

बक्सर/डुमरांव। जिला स्थापना दिवस के मौके पर कैंडल मार्च निकाल मतदाताओ को जागरूक किया गया। इस दौरान मेरा पहला वोट-देश के लिए नारों के साथ कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। आला अधिकारियों और समाजसेवियों के साथ कैंडल मार्च समाहरणालय परिसर से मॉडल थाना तक निकाला गय। जिसमें मतदाताओं को मतदान प्रतिशत बढ़ाने की अपील की गयी। यह कैंडल मार्च अंबेडकर चौक, ज्योति प्रकाश चौक से गुजरते हुए मॉडल थाना पहुंचा, जहां विभिन्न कार्यक्रमों में समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान स्थापना दिवस के उल्लास को लेकर केक काटा गया। इस मौके पर जिला प्रशासन के बैनर तले मैराथन दौड़ प्रतियोगिता (बालक व बालिका) का आयोजन किया गया जो किला मैदान से आरंभ होकर जेल घाट तक सम्पन्न हुआ। इस दौरान जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल, उप विकास आयुक्त डॉ महेंद्र पाल, अपर समाहर्ता कुमारी अनुपमा सिंह एवं अनुमंडल पदाधिकारी धीरेंद्र मिश्रा द्वारा हरी झंडी दिखाकर बालक एवं बालिका मैराथन दौड़ को प्रारंभ किया गया। बालिका वर्ग में रूपा यादव को प्रथम स्थान, चांदनी कुमारी को द्वितीय स्थान, दीपा कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ जबकि बालक वर्ग में अनिकेत कुमार ने प्रथम स्थान, रितिक कुमार ने द्वितीय स्थान, चंदन साहनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दुकान के सामने से पिकअप की चोरी

बक्सर। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कलेक्ट्रेट रोड आचार्य नरेंद्रदेव मध्य विद्यालय के समीप बक्सर न्यू फर्नीचर दुकान के सामने से रविवार की रात अज्ञात चोरों पिकअप चोरी कर ली गयी है। इस सम्बन्ध में व्यवसायी ब्रजेश कुमार सिंह उर्फ संजय सिंह द्वारा नगर थाना को सूचित कर दिया गया है। पुलिस को दिये आवेदन में कहा है कि उनके दुकान में सामने पिकअप लगा रहता था। पिकअप फर्नीचर ले जाने के काम में आता था। रविवार की रात में खाना खाने के बाद जब सोने गये। तब पिकअप लगा हुआ था। सुबह में पिकअप नहीं था। सीसीटीवी कैमरा में चोर वाहन ले जाते हुए दिखाई दे रहा है। वहीं दूसरी ओर थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। जल्द ही चोर को पकड़ लिया जाएगा।

बोलेरो में तहखाना बना हो रही थी शराब की तस्करी, एक गिरफ्तार

- जब्त बोलेरो से विभिन्न ब्रांडो के 325.44 लीटर शराब बरामद

केटी न्यूज/सिमरी

तिलक राय के हाता ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना पर वाहन चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्र के नियाजीपुर बाजार पुल के पास से शराब से लदी एक बोलेरो को पकड़ा है। पुलिस ने उसके चालक सह तस्कर को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को यह सफलता सोमवार की सुबह करीब पांच बजे मिली है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान सिमरी दुधीपट्टी निवासी चुनमुन तुरहा पिता श्रीभगवान प्रसाद उर्फ छोटक तुरहा के रूप में हुई है। डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी नेबताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि होली में शराब की डिमांड पूरी करने की नियत से तस्कर गंगा पुल के रास्ते एक बड़ी खेप लेकर आने वाले है। इस सूचना पर तत्काल तिलक राय के हाता ओपी पुलिस को वाहन जांच अभियान शुरू करने का निर्देश दिया गया। इस सूचना पर स्थानीय पुलिस ने नियाजीपुर बाजार में पुल के पास वाहन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया। इसी दौरान जब उक्त बोलेरो आती दिखाई दी तो पुलिस ने उसे रोक जब पूछताछ शुरू की तो ड्राइवर बहाने बनाने लगा। पुलिस ने जब सूक्ष्मता से पड़ताल की तो बोलेरे के अंदर बने तहखाना से विभिन्न ब्रांडो की शराब की पेटिया निकलने लगी। जिसका कुल वजन 325.44 लीटर था। डीएसपी ने बताया कि इसके बाद चालक सह तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया।

चौसा में बेनतीजा रही किसानों के साथ तीसरी बैठक, 11 सूत्री मांगों के साथ धरना जारी

केटी न्यूज/चौसा

चौसा में निमार्णाधीन 1320 मेगावॉट थर्मल पॉवर प्लांट के निर्माण के साथ ही उचिव मुआवजे की मांग पर किसानों का आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। किसान पिछले 17 महीने से लगातार धरना प्रदर्शन कर कंपनी द्वारा एक्वायर की गई जमीन का व्यवसायिक मुआवजा की मांग कर रहे है। इधर हाल के दिनों में कंपनी प्रशासन और जिला प्रशासन ने किसानों के धरने को समाप्त कराने के लिए कई सार्थक पहले किए है। इसी कड़ी में सोमवार को एसटीपीएल कंपनी के नये मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी संजय कुमार, बक्सर एसडीओ धीरेन्द्र कुमार मिश्र तथा

सदर डीएसपी धीरज कुमार ने निमार्णाधीन कंपनी के सभागार में किसानों के साथ तीसरे दौर की वार्ता की। लेकिन यह वार्ता भी बेनतीजा समाप्त हुई। किसान अपनी 11 सूत्री मांगों के समर्थन में अड़े रहे तथा कंपनी के मुख्य गेट के पास पूरे दिन धरना प्रदर्शन करते रहे। हालांकि, किसानों में कंपनी के नये मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी के साकारात्मक रवैये से यह उम्मीद जगी है कि जल्दी ही उनकी मांगे पूरी की जाएगी तथा धरना समाप्त होगा। किसानों का कहना था कि अबतक उन्हें प्रशासन तथा कंपनी द्वारा कई बार आश्वासन मिला है। लेकिन, उसे अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका है। जिस कारण किसानों की हकमारी हो रही है। किसानों ने कहा कि जब तक किसानों की मांग का समाधान नहीं हो जाता धरनास्थल यही रहेगा और कंपनी का सारा कार्य बंद रहेगा। किसानों का कहना है कि कंपनी प्रशासन के साथ ही जिला प्रशासन तथा स्थानीय सांसद ने भी उन्हें ढगने का प्रयास किया है। लेकिन किसान अपनी मांगों को पूरा होने बिना धरना समाप्त करने वाले नहीं है।

फुटपाथ तथा जगह-जगह सज गयी है अस्थायी दुकानें, देर रात तक हो रही है खरीददारी

होली के रंग में रंगने लगा बाजार, खरीददारों की उमड़ रही भीड़

- नये परिधान से लेकर रंग-गुलाल और किराना दुकानों पर बढ़ी खरीदारों की भीड़
- बाजारों में बढ़ी त्योहारी भीड़ के चलते मुख्य बाजारों में जाम की समस्या भी बढ़ी

केटी न्यूज/डुमरांव

बाजारों में होली को लेकर रौनक बढ़ गयी है। रंग और गुलाल के पर्व होली को महज कुछ ही दिन शेष हैं। आगामी 26 मार्च को होली के रंग फिजां में घुलेंगे। पर्व नजदीक आने से शहर के बाजारों में होली की रंगत नजर आने लगी है। कपड़े, पिचकारी, जूता-चप्पल, पापड़, चिप्स आदि की दुकानें सज गयी है और जमकर खरीदारी भी हो रही है। त्योहार के कारण बाजार देर रात गुलजार रहने लगा है। सबसे अधिक खरीदारी खाद्य वस्तुओं की हो रही है। इनमें तेल, घी के अलावा वे वस्तुएं भी शामिल हैं, जिनकी होली पर्व के दौरान घरों पर आने वाले मेहमानों की खिदमत में जुहारी कराने में होती है। मसलन पापड़, चिप्स, कचरी, दालमोंठ, नमकीन, बिस्किट आदि शामिल हैं। शहर के लगभग सभी बाजारों में खरीदारों की भीड़ सुबह से शाम तक रहने लगा है। इनमें मुख्य बाजार गोला रोड, चूड़ी बाजार, शहीद गेट, स्टेशन रोड, चौक रोड, राजगढ़, जंगल बाजार आदि के अलावा शहर के

अन्य सड़क पर भी रौनक देखते ही बन रही है। किसी को रंग पिचकारी खरीदने हैं तो किसी को कपड़े और खाद्य वस्तुएं। ग्राहक को आकर्षित करने के लिए दुकानदारों ने होली के त्योहार पर जरूरत वाली वस्तुएं व सामग्री सजा रखी हैं। दुकानदार अविनाश सिंह, अमरेंद्र सिंह, राजकुमार गुप्ता, गोल्डन जायसवाल आदि ने बताया कि होली पर्व को लेकर बाजार में ग्राहकों की संख्या बढ़ी हैं। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए तरह-तरह के वैराइटी मंगायी गयी है। बाजारों में बढ़ी त्योहारी भीड़ के चलते मुख्य बाजारों में जाम की समस्या भी बढ़ गयी है। उधर होली के समीप आते ही फुटपाथ तथा जगह-जगह अस्थायी दुकानें सज गयी है। अभिभावकों के साथ बच्चे रंग पिचकारी खरीदने में मशगूल है। घरों में भी गुजिया तथा अन्य पकवान बनना शुरू हो गये है। गृहणी शोभा देवी, पिंकी कुमारी, पूनम देवी आदि कहती है कि रंगों का त्योहार होली को लेकर बाजारों में नये परिधान और लजीज व्यंजनों को बनाने के लिए खरीदारी करनी शुरू कर दी है। जिससे लगातार बाजार में भीड़ है।

सड़क पार कर रही महिला को वाहन ने रौंदा, विरोध में लोगों ने किया प्रदर्शन

♦ औरंगाबाद जिला के कामा बिगहा मोड़ के पास हुआ हादसा घटना के बाद चालक फरार

केटी न्यूज/औरंगाबाद

एनएच - 19 पर शहर से सटे कामा बिगहा मोड़ के समीप तेज रफ्तार अनियंत्रित पिकअप ने पैदल सड़क पार कर रही एक 50 वर्षीय महिला को रौंद दिया जिसमें घटनास्थल पर ही महिला की दर्दनाक मौत हो गई। घटना सोमवार के सुबह की है। मृतका की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के हरिहर बिगहा गांव निवासी सुरेंद्र यादव की पत्नी लालती देवी के रूप में हुई है। घटना के बाद आक्रोशितों ने मुआवजा की मांग को लेकर सड़क जाम कर घंटों प्रदर्शन किया। इस दौरान सड़क के दोनों तरफ वाहनों की भीषण जाम लग गई। इस दौरान पूरी तरह आवागमन बाधित रहा। जानकारी के अनुसार लालती देवी किसी काम से बाजार गई थी और वापस घर वापस लौट रही थी। इसी क्रम में कामा बिगहा मोड़ पर हादसा हो गई। घटना के बाद चालक पिकअप लेकर मौके से फरार हो गया। मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना नगर थाना की पुलिस व मृतका के परिजनों को दी गई। सूचना के बाद मृतिका के परिजन

घटनास्थल पर पहुंचे और शव से लिपटकर चीत्कार उठे। वहीं आक्रोशितों ने सड़क जाम कर मुआवजे की मांग को लेकर एनएच -19 जाम कर दिया। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस ने अपने स्तर से काफी समझाने-बुझाने का प्रयास किया। इसके बाद जाम सामान्य हुआ। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई और शव परिजनों को सौंप दिया। पता चला कि मृतका के एक बेटा व दो बेटी है। मृतका के पति सुरेंद्र यादव मानसिक रूप से बीमार रहते हैं। घर की पूरी जिम्मेवारी मृतका के ऊपर ही थी। एक बेटी की शादी हो चुकी है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है तो वहीं गांव में मातम पसर हुआ हैं। थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि महिला के शव का पोस्टमार्टम करवाया कर परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही हैं।

एक नजर

11 मई को अयोजित होगी लोक अदालत, पैनल अधिवक्ताओं को मिला नया टास्क

औरंगाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकार अंतर्गत सूचीबद्ध सभी पैनल अधिवक्ताओं के साथ प्राधिकार के सचिव सुकुल राम द्वारा आज अपने प्रकोष्ठ में बैठक आयोजित की गयी जिसमें सचिव के द्वारा पैनल अधिवक्ताओं को राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने स्तर से पहल करते हुए अधिक से अधिक सुलहनीय वादों के निस्तारण के लिए सक्रिय सहभागिता हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही उन्हें आगामी 11 मई 2024 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक सुलहनीय आपराधिक वादों को अपने स्तर से चिन्हित कर निष्पादन करवाने का निर्देष दिया गया। सचिव के द्वारा बैठक के पूर्व पैनल अधिवक्ताओं द्वारा माह मार्च में आयोजित लोक अदालत में अब-तक के सबसे ज्यादा न्यायालय में लंबित सुलहनीय वादों के निस्तारण में सहयोग के लिए प्रशंसा किया गया तथा आगामी लोक अदालत में जिले को सभी मामले में सर्वश्रेष्ठ बनाने हेतु पूर्ण सहयोग की अपील किया गया जिसपर सभी पैनल अधिवक्ताओं ने अपने स्तर से पहल करते हुए सुलहनीय वादों को लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक निस्तारण करने में अपनी पुरी क्षमता के साथ सहयोग करने में अपनी सक्रिया भूमिका निभाने के लिए सहमति प्रदान करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया गया। सचिव द्वारा बताया गया कि 11 मई 2024 को आयोजित होने वाले लोक अदालत के लिए तैयारियां प्रारम्भ कर दी गयी है और सभी न्यायालय से सुलहनीय वादों की सूची मांगी गयी है। सचिव द्वारा इस बात का भी भरोसा दिया गया कि लोक अदालत भी पूर्ण सफल तथा सर्वाधिक निस्तारण वाला रहेगा। सचिव द्वारा भारत सरकार द्वारा पारित तीन नये कानूनों पर भी पैनल अधिवक्ताओं से विस्तृत चर्चा किया गया ताकि पैनल अधिवक्ता पूर्व से ही उस कानूनों के तहत न्यायालय पहलू से अवगत रहें।

विभिन्न अपराधों में फरार सात वारंटी गए जेल

औरंगाबाद। विभिन्न अपराधों में फरार अपराध कर्मियो की धर पकड़ को लेकर चलाएं जा रहे विषेश अभियान के फलस्वरुप पांच वारंटियो को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई माली एवं रिसियप थाना की पुलिस द्वारा की गई जिसमें माली थाना की पुलिस द्वारा गम्हरिया गांव निवासी विशेश्वर पासवान, विजय पासवान एवं भिखारी पासवान को गिरफ़्तार किया गया है। इसके अलावा रिसियप थाना की पुलिस द्वारा विष्णुपुर गांव निवासी मनीष कुमार, सत्यनारायण, राजकुमार सिंह एवं सुंदरगंज निवासी रिंकू कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी पकड़े गए वारंटियों के विरुद्ध कोर्ट से वारंट निर्गत किया गया था जिसमें आवश्यक कार्रवाई के उपरांत सभी को जेल भेज दिया गया।

360 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

आरा। नगर थाना क्षेत्र के बघउतपुर बिंद टोली में छापामारी कर पुलिस ने अंग्रेजी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। वह उसी मोहल्ले का रहने वाला रंजीत कुमार साह है। उसके घर से विभिन्न ब्रांड की 360 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गयी है। एसपी प्रमोद कुमार यादव की ओर से प्रेस बयान जारी कर यह जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि रविवार की शाम मिली कि बघउतपुर बिंद टोली निवासी रंजीत कुमार साह अपने घर में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब रखा है। सूचना के सत्यापन, शराब बरामदगी और तस्कर की गिरफ्तारी को लेकर प्रभारी थानाध्यक्ष अरविंद कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। टीम की ओर से तत्काल बघ?उतपुर बिंद टोली में में छापामारी की गयी। तब पुलिस टीम को देख कर एक शख्स भागने लगा। उसे खदेड़ कर पुलिस ने पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके घर में पलंग के नीचे से विभिन्न ब्रांड की 542 बोतल (360.225 लीटर) अंग्रेजी शराब बरामद की गयी। उस मामले को लेकर रंजीत कुमार साह के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

खबरें फटाफट

विद्युत चोरी मामले में पांच लोग धराएं, लगाया गया जुमार्ना

औरंगाबाद। विद्युत चोरी के मामले पांच लोगों को पकड़ा गया है जिनके विरूद्ध 57708 रुपया जुमार्ना लगाया गया है। यह कार्रवाई मदनपुर थाना क्षेत्र के अलग-अलग जगहों पर की गई जिसमें जुड़ाही गांव निवासी वकील पासवान अवैध रूप से विद्युत चोरी करते पकड़े गए जिनके विरूद्ध 15185 रुपए जुमार्ना लगाया गया है। इसके अलावा अपील पासवान पर 9064 रुपए, राकेश महतो पर 13411 रुपए, प्रेमनगर गांव निवासी मृत्युंजय राम पर 10024 रुपए एवं विनोद पर 10024 रुपए जुमार्ना लगाया गया है। यह कार्रवाई विधुत सहायक अभियंता देव शिवरतन लाल एवं कनीय अभियंता राकेश कुमार राम के नेतृत्व में की गई जिसमें उन्होंने बताया कि पांच लोगों को अवैध रूप से विद्युत चोरी मामले में पकड़े गए जिनके विरूद्ध जुमार्ना लगाया गया है। विद्युत चोरी के खिलाफ यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगा ताकि विद्युत चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। इस छापेमारी दल में कनीय सारणी पुरुष सुबोध कुमार सिंह एवं कनीय सारणी रंजीत कुमार शामिल थे।

शराब के साथ स्कूटी सवार धराया

औरंगाबाद। मुफ्फसिल थाना की पुलिस द्वारा कार्रवाई के फलस्वरूप 110.160 लीटर शराब बरामद किया गया है। साथ ही एक स्कूटी के साथ धंधेबाज को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई थाना क्षेत्र के रामाबांध के समीप की गई। थानाध्यक्ष बबन बैठा ने बताया कि चुनाव के मद्देनजर विधि-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए निरंतर छापेमारी अभियान जारी है। इसी क्रम में आज उक्त जगह वाहन जांच के दौरान शराब के साथ स्कूटी सवार पकड़ा गया जिसके विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई के उपरांत जेल भेज दिया गया।

आरा-बक्सर फोरलेन पर बिहिया के समीप सोमवार की अहले सुबह की घटना

सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई कार किशोर की मौत, सात की हालत गंभीर

♦ चाचा की शादी के बाद वाराणसी से भगवान शंकर का दर्शन कर लौटने के दौरान हुआ हादसा

केटी न्यूज/ आरा

आरा-बक्सर फोरलेन पर बिहिया के समीप सोमवार की अहले सुबह एक कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। उसमें वैशाली के एक किशोर की मौत हो गई। उसके माता-पिता और चाचा-चाची समेत सात लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। किशोर के पिता की हालत गंभीर बनी है। आरा सदर अस्पताल में इलाज के बाद उन्हें पटना रेफर कर दिया गया है। अन्य घायलों का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। मृत किशोर वैशाली जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव निवासी राजेश राय का 12 वर्षीय पुत्र सन्नी कुमार था। घायलों में उसके पिता राजेश राय, मां सीमा देवी, चाचा ऋतु राज, चाची संध्या कुमारी, उसी जिले के विदुपुर थाना क्षेत्र खलौत गांव निवासी उसके फुफा विकास कुमार, बुआ दीप शिखा कुमारी और ममेरे भाई शिवांक कुमार शामिल हैं। हादसे का कारण कार चला रहे बच्चे के एक रिश्तेदार की झपकी आना बताया जा रहा है। हालांकि किशोर के चाचा ऋतु राज का

कहना है कि झपकी के साथ बीच सड़क पर ट्रक खड़े होने के कारण हादसा हुआ है। ऋतु राज ने बताया कि 12 मार्च को उसकी शादी हुई थी। उसके वह अपनी पत्नी संध्या कुमारी, बड़े भाई राजेश राय, भाभी सीमा देवी, भतीजा सन्नी, बहन दीपशिखा जीजा विकास कुमार और भांजे शिवांक के साथ शनिवार सुबह काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान शंकर का दर्शन करने वाराणसी गये थे। रविवार की देर रात सभी अपनी वैगनआर कार से वापस अपने गांव भगवानपुर लौट रहे थे। उस दौरान उसके जीजा विकास कुमार कार चला रहे थे। बिहिया चौरस्ता के पास पहुंचे। तभी उनकी आंख झपक गई और सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। उससे कार पर सवार उनके भतीजे सन्नी कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे में अन्य सभी लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उसके बाद पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से सभी को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहां प्राथमिक उपचार करने के बाद उसके बड़े भाई राजेश राय की हालत देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया।

बेटे की मौत से राजेश के घर कोहराम, गम में बदली शादी की खुशियां

वैशाली के एक परिवार को भगवान शंकर का दर्शन करना भारी पड़ गया। लौटते समय उनका परिवार सड़क हादसे का शिकार हो गया है। उनके घर के एक किशोर की मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता और नवदंपति समेत सात लोग जख्मी हो गये। हादसे और उसमें घर एक बच्चे की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। सबसे बुरा हाल सीमा देवी का था। हादसे में अपने इकलौते बेटे को तो खो ही दिया। पति भी गंभीर हालत में अस्पताल में हैं। वह खुद भी जख्मी है। उसे समझ नहीं आ रहा था कि पति का इलाज कराये या बेटे के शव का अंतिम संस्कार। बताया जा रहा है कि सन्नी अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उसके परिवार में पिता, मां और बहन श्रेया है।

12 दिनों में छह लोगों की मौत

भोजपुर में गाड़ियां यमराज बनकर सड़कों पर दौड़ रही है। आये दिन लोग हादसे के शिकार हो रहे हैं। खासकर आरा-बक्सर हाइवे व बिहिया बिहटा स्टेट पर बिहिया थाना क्षेत्र में बारह दिनों में छह लोगों की मौत हो चुकी है। बता दें कि छह मार्च को आरा-बक्सर फोरलेन पर बेलौना खरौनी के समीप बरात से लौटने के दौरान बोलेरो बाराती सवार दो लोगों की मौत हुई थी। 7 मार्च को बिहिया चौरास्ता पर होटल के समीप बाइक सवार बक्सर के दो लोगों का मौत हो गया तथा 15 मार्च को बिहिया ओवरब्रिज पर बाईक सवार दो दोस्तों की मौत हो चुकी है।

विधि व्यवस्था को लेकर बैठक, हुड़दंग मचाने वालों पर होगी कार्रवाई

केटी न्यूज/औरंगाबाद

होली त्योहार को शांति व सौहार्द पूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो जिसको लेकर अनुमंडल स्तर पर सदर एसडीओ एवं एसडीपीओ मुख्यालय - 2 की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित किया गया। इस बैठक में होली त्योहार को भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण एवं सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाने का निदेश दिया गया। एसडीओ के द्वारा सभी अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी एवं थानाध्यक्षों को निदेश दिया गया कि होली पर्व के अवसर पर सभी संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षक करने तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि इस पर्व के अवसर पर कोई भी व्यक्ति मस्जिद, कब्रिस्तान, कर्बल्लाह अदि के समीप पटाखा एवं विस्फोटक पदार्थों का प्रयोग नही करें। होली के दिन सभी अंचल अधिकारी एवं थानाध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्र में विधि व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु

सघन गश्ती कार्य करना सुनिश्चित करेंगे ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना नही हो एवं परिवहन व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होते रहे। एसडीओ द्वारा यह भी बताया गया कि होलिका दहन के समय लोगों के द्वारा लोक संगीत (फगुआ) गाया जाता है। कभी-कभी इस गायकी में अश्लील शब्दों प्रयोग भी किए जाने से विवाद उत्पन्न होता है। होली दहन के क्रम में मशाल (लुकवारी) भांजते हुए शरारती तत्वों द्वारा जान-बूझ कर पूर्व विवाद को लेकर दूसरों के फूस की झोपडियों व फसल एवं जलावन आदि में आग भी लगा दी जाती है तथा दूसरे की सीवाना में लुकवारी फेक देते हैं जिससे विवाद उत्पन्न होती है। होली के दिन सामान्यतः लोग रंग-अबीर से होली खेलते है। प्रायः ऐसा भी देखा जाता है कि होली के नाम पर लोग एक दूसरे पर कीचड़ गोबर या पेन्ट फेकते हैं तथा एक-दूसरे के कपड़े फाड़ देते हैं जो विवाद का कारण होता है जिससे विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन हो सकती है।

डीएम ने जहानाबाद सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण, ड्यूटी से गायब मिले 8 डॉक्टर

केटी न्यूज/जहानाबाद

जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडे ने सोमवार को जहानाबाद सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण कर सिविल सर्जन को अस्पताल के सुदृढ़ीकरण एवं संचालन हेतु निर्देशित किया। इस दौरान जिला पदाधिकारी ने ओ.पी.डी./इमरेंजी वार्ड इत्यादि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रोस्टर के अनुसार कुल 22 चिकित्सकों में से 08 चिकित्सक क्रमशः डा0 अभिरूची प्रिया, डॉ आफताब आलम, डॉ अंशु आनंद, डॉ0 असफी अहमद जहेदी, डॉ विरेन्द्र कुमार शाही, डॉ0 कुंदन कुमार, डॉ मोहम्मद अम्बर, डॉ श्याम नारायण महासेठ अनुपस्थित थे। जिसके लिए जिला पदाधिकारी द्वारा सिविल सर्जन को चिकित्सकों से स्पष्टीकरण करने तथा दिनांक 18 मार्च, 2024 के वेतन/मानदेय भुगतान पर रोक लगाने का निदेश दिया गया है। जिला पदाधिकारी द्वारा वार्ड का भी निरीक्षण किया गया, जिसमें

मरीजों के बेड पर बिछा हुआ चादर गंदा पाया गया तथा चादर देखने से ऐसा प्रतित होता है कि चादर की सफाई नहीं की जा रही है, जिसके लिए अस्पताल प्रबंधक, सदर अस्पताल से स्पष्टीकरण करते हुए मानदेय भुगतान की रोक लगाने का निदेश दिया गया। निरीक्षण में अस्पताल परिसर एवं वार्ड में साफ-सफाई की स्थिति काफी खराब पायी गयी तथा यत्र-तत्र मे मेडिकल वेस्ट सामग्री फेका हुआ पाया गया।

भांजे को पहुंचाने के बाद लौट रहे बाइक सवार युवक की सड़क हादसे में मौत

♦ इलाज के लिए पीरो पीएचसी ले जाने के दौरान उसने रास्ते में तोड़ा दम

केटी न्यूज/आरा

पीरो थाना क्षेत्र के बरौली पुल के पास सोमवार की दोपहर हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। इलाज के लिए पीरो पीएचसी ले जाने के दौरान उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। मृत युवक पीरो थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव निवासी देव लाल पंडित का 24 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार था। स्नातक पास करने के बाद वह नौकरी की तैयारी कर रहा था। उसके चचेरे भाई हरिशंकर कुमार ने बताया कि सोमवार की सुबह वह अपने भांजा आलेख कुमार को पहुंचाने बक्सर के बगेन गोला थाना क्षेत्र के राजपुर गांव गया था। उसे पहुंचाने के बाद सोमवार की दोपहर वह बाइक से वापस अपने गांव लौट रहा था। उसी दौरान बरौली पुल के समीप किसी वाहन ने उसकी बाइक में ठोकर मार दी। उससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसके बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से उसे पीरो पीएचसी ले जाया गया। वहां डाक्टरों की ओर से उसे मृत घोषित कर दिया गया। उसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा मोबाइल से परिजनों को दी गयी। तब वो लोग पहुंचे। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची अस्पताल और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बताया जा रहा है कि विक्की कुमार अपने पांच बहन और दो भाइयों में छठे स्थान पर था। उसकी शादी इसी साल 12 फरवरी बक्सर के बड़का ढकाइच गांव की रीमा के साथ को हुई थी। अभी रीमा के हाथों की मेहंदी भी नहीं छुट्टी थी कि उसका सुहाग उजड़ गया। उससे उसका रो-रोकर बुरा हाल था।

खबरें फटाफट

शैक्षणिक भ्रमण के लिए छात्र वाराणसी रवाना

चंदौली। राष्ट्रीय योग्यता आधारित परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को जिला बेसिक कार्यालय से सोमवार को शैक्षणिक भ्रमण हेतु वाराणसी के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसे उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष आनंद कुमार सिंह तथा खंड शिक्षा अधिकारी अजीत पाल ने संयुक्त रूप किया और बच्चों के हौसलों को नई दिशा प्रदान की।
इस दौरान आनंद सिंह ने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूल में प्रतिवर्ष विज्ञान विषय में आविष्कार की योग्यता चिन्हीकरण हेतु एक परीक्षा आयोजित की जाती है। उनमें से श्रेष्ठ 100 बच्चों को शैक्षिक भ्रमण हेतु ले जाया जाता है। सदर खण्ड शिक्षा अधिकारी अजीत पाल ने कहा कि विभाग शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठ देने वाले बच्चों का उत्तरोत्तर विकास करता रहेगा और यह भ्रमण बाल विकास हेतु मील का पत्थर साबित होगा। सदर ब्लॉक संयोजक मोहम्मद अकरम के साथ उनकी पूरी टीम भ्रमण हेतु सक्रिय रही तथा अपने होने का एहसास कराती रही। इस दौरान प्रीति शर्मा, रक्षा सिंह, भानु प्रताप सिंह,राजेश बहादुर सिंह, राजेश सिंह, प्रमोद यादव, सुनील गुप्ता, प्रशांत सिंह, काशीनाथ, रंजीत उपस्थित रही।

शांतिपूर्ण व नीडर होकर करें मतदान

गाजीपुर। लोकसभा चुनाव- 2024 के तिथि की घोषणा होते ही प्रशासन चुनाव की तैयारियों में रात-दिन एक कर दिया है। सोमवार को डीएम आर्यका अखौरी एवं एसपी ओमवीर सिंह ने मुहम्मदाबाद नगर में पैदल रूट मार्च कर लोगों से शांतिपूर्ण ढंग से निडर होकर मतदान करने की अपील की।यह रुट मार्च तहसील तिराहा से शुरू होकर युसूफपुर बाजार स्थित युसुफपुर सहकारी क्रय- विक्रय समिति के पास पहुंचा, वहां पोलिंग बूथ का डीएम ने निरीक्षण किया। वहां पुराने लेखपाल का नाम लिखा था, जिसे तत्काल सुधार कर वर्तमान लेखपाल का नाम और मोबाइल नंबर लिखने का निर्देश दिया।

25 लाख मतदाता करेंगे बलिया, सलेमपुर व घोसी लोस सीटों पर मतदान

- 108 थर्ड जेंडर मतदाता भी डालेंगे वोट
- जिले में इस बार सबसे आखिरी यानी सातवें चरण में एक जून को होगा मतदान

केटी न्यूज/बलिया

आदर्श आचार संहिता लागू होने के साथ ही लोक सभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। जिले में इस बार सबसे आखिरी यानी सातवें चरण में एक जून को मतदान होगा। जिले के कुल 25 लाख 11 हजार 65 मतदाता 2606 मतदेय स्थलों पर मतदान में हिस्सेदारी करेंगे और बलिया, सलेमपुर व घोसी लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों का फैसला करेंगे। गौरतलब हो कि मतदाताओं में 13 लाख 51 हजार 816 पुरुष व 11 लाख 59 हजार 141 महिला व 108 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। बलिया के सात विधानसभा क्षेत्रों में से तीन बैरिया, बलिया नगर व फेफना के मतदाता बलिया लोकसभा, बांसडीह, बिल्थरारोड व सिकंदरपुर के मतदाता सलेमपुर लोकसभा सीट के लिए जबकि रसड़ा विधानसभा क्षेत्र के मतदाता घोसी लोकसभा सीट के लिए वोट डालेंगे।

मोहम्मदाबाद में सर्वाधिक मतदाता

बलिया। बलिया लोकसभा सीट में कुल पांच विधानसभा क्षेत्र हैं। इनमें बलिया जिले की तीन व गाजीपुर की दो विधान सभाएं हैं। सबसे अधिक मतदाता गाजीपुर के हिस्से की मुहम्मदाबाद विस क्षेत्र में हैं। जबकि सबसे कम मतदाता फेफना विधानसभा में हैं। बलिया लोकसभा सीट के कुल 1057 मतदान केंद्रों पर 19 लाख 12 हजार 864 मतदाता वोट डालेंगे। इनमें 10 लाख 26 हजार 474 पुरुष तथा 8 लाख 86 हजार 316 महिला और 74 थर्ड जेंडर मतदाता हैं।बलिया जिले के लिहाज से बांसडीह विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 409424 मतदाता हैं। जबकि बलिया लोकसभा क्षेत्र के लिहाज से सबसे अधिक वोटरों की संख्या मुहम्मदाबाद विधानसभा क्षेत्र में 4 लाख 33 हजार 301 मतदाता हैं। जिले की सात विधानसभा सीटों में से एकमात्र रसड़ा के मतदाता घोसी लोकसभा सीट के लिए अपना वोट डालेंगे। इस विधानसभा क्षेत्र में कुल 211 मतदान केन्द्र और 363 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। यहां कुल 3 लाख 63 हजार 229 मतदाताओं में से एक लाख 95 हजार 404 पुरूष व एक लाख 67 हजार 875 महिला और 18 थर्ड जेंडर वोटर हैं।

1872 मतदेय स्थलों पर पड़ेंगे वोट

बलिया। सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र में जिले की तीन विधान सभाएं बांसडीह, बिल्थरारोड (सुरक्षित) व सिकंदरपुर के अलावा देवरिया जिले की दो भाटपाररानी व सलेमपुर विधानसभा क्षेत्रों में 17 लाख 61 हजार 721 मतदाता 1101 मतदान केंद्रों के 1872 मतदेय स्थलों पर वोट डालेंगे। इनमें 9 लाख 37 हजार 162 पुरुष व 8 लाख 24 हजार 490 महिला और 69 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। ये सभी नये लोकसभा उम्मीदवारों का फैसला करेंगे।

मुजफ्फरपुर की घटना से नाराज रहे शिक्षक, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

साथी की हत्या से नाराज शिक्षकों ने मूल्यांकन का किया बहिष्कार

- शिक्षकों ने मृत शिक्षक के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की मांग की
- अध्यापकों ने चेताया कि यदि दोषी की गिरफ्तारी नहीं की जाती है और ना ही उसे सजा दी जाती है तो आगे भी बहिष्कार जारी रहेगा

केटी न्यूज/ चंदौली

मुजफ्फरपुर की घटना से चंदौली के माध्यमिक शिक्षकों में सोमवार को गहरा आक्रोश देखने को मिला। बैराठ निवासी शिक्षक की हत्या से गुस्साए शिक्षकों ने चंदौली के तीन मूल्यांकन केंद्रों पर यूपी बोर्ड के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के कापियों के मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार किया। इसके बाद मूल्यांकन केंद्र महेंद्र टेक्निकल इंटर कालेज में शोक सभा आयोजित कर मृत शिक्षक धर्मेन्द्र कुमार सिंह की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा और श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही पीड़ित परिवार के लिए आर्थिक मुआवजे की मांग को लेकर अड़े है और दोषी को कड़ी सजा देने की मांग भी रखी गई है। विदित हो कि चंदौली जिले के तीन कॉपी मूल्यांकन केंद्रो पर मूल्यांकन के लिए एकत्रित शिक्षकों को जैसे ही पता चला कि जनपद के बैराठ निवासी उनके साथी धर्मेंद्र कुमार को मुजफ्फरपुर में सुरक्षा कर्मी द्वारा गोली मार दी गई है तो नाराज शिक्षकों ने मूल्यांकन कार्य ठप कर दिया। इसके बाद शोकसभा आयोजित कर मृतक को श्रद्धांजलि दी और फिर उसे पीड़ित परिवार को आर्थिक मुआवजा एवं दोषी को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग को लेकर मूल्यांकन के कार्यों का बहिष्कार कर दिया। अध्यापकों ने चेताया कि यदि दोषी की गिरफ्तारी नहीं की जाती है और ना ही उसे सजा दी जाती है तो आगे प्रदेश नेतृत्व के द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार आगे भी बहिष्कार जारी रहेगा। इस दौरान शोक सभा में बृजेश सिंह, वीरेंद्र सिंह, रजनीश, अरुण मौर्य, अमरेंद्र, इमामुद्दीन, रजत कुमार, अजय कुमार पांडेय, सुनील कुमार, अशोक कुमार, आनंद प्रकाश सिंह, रजनीश, दशरथ प्रसाद सहित अन्य शिक्षक मौजूद थे।

सिपाही की गोली से मृत शिक्षक के लिए शोकसभा

गाजीपुर। जमानियां क्षेत्र के मलसा स्थित श्रीशिवपूजन इंटर कालेज में सोमवार को एक शोकसभा का आयोजन डीआई ओएस कौस्तुक कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया गया। जिसमें सिपाही की गोली से मृत शिक्षक धर्मेन्द्र कुमार के सम्मान में दो मिनट का मौन रखते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान सभी शिक्षकों ने एक स्वर से सिपाही के खिलाफ कड़ी कार्रवाई एवं मृतक शिक्षक के परिजन को सरकारी नौकरी एवं त्वारित आर्थिक सहायता की मांग की। शिक्षा महकमें के अनुसार कुछ दिन पहले चंदौली से मुजफ्फरनगर उत्तर पुस्तिकाएं लेकर आए शिक्षक शिक्षक धर्मेंद्र कुमार की एक सिपाही ने तम्बाकू न देने पर गोलियों से छलनी कर दिया था। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डाक्टर अरविन्द, सतीश राय, रत्नेश राय, परमानंद गुप्ता, राजेश राय, सुमित, संतोष कुमार राय, शिवजी सिह, संजय राम, आकांक्षा वत्सल, आलोक रंजन श्रीवास्तव शामिल थे।

जयपुर, चेन्नई और मुंबई से आने वाले यात्रियों की परेशानी यथावत

चंदौली। होली पर दिल्ली के लिए दस जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शुरू किया गया है। इससे यात्रियों को कुछ आसानी हुई है लेकिन जयपुर, चेन्नई और मुंबई से आना मुश्किल दिख रहा है। इससे यात्रियों को परेशानी हो रही है। यात्री टिकट के लिए इधर उधर का जुगाड़ में जुटे हैं। बिहार के साथ ही पूर्वांचल से बड़ी संख्या में युवा दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, गुजरात सहित विभिन्न औद्योगिक शहरों में रहकर काम करते हैं। वे होली, दीपावली जैसे त्योहारों पर घर वापस लौटते हैं। इस वर्ष 25 मार्च को होली है। ऐसे में महानगरों से घर लौटने का सिलसिला शुरू होने लगा है। एक माह पहले से ही लोग डाउन की ट्रेनों में टिकट लेने के लिए लाइन में लगने लगे हैं। ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने दिल्ली और मुंबई इलाके से तीस मार्च तक 15 जोड़ी ट्रेनों का परिचालन शुरू किया गया है। हालांकि ट्रेन घोषित होते ही इन ट्रेनों में भी सीट फुल हो गई है। दूसरी तरफ अभी चेन्नई, अहमदाबाद, सिकंदराबाद सहित अन्य इलाकों से स्पेशल ट्रेनों की शुरुआत नहीं हुई है। यही कारण है कि इन इलाकों की ट्रेनों में सौ से अधिक वेटिंग चल रही है। इसको लेकर यात्री परेशान हैं। वे टिकट दलालों का भी चक्कर लगा रहे हैं। वहीं महानगरों में फंसे मजदूरों की वापसी को लेकर इलाके में रह रहे परिवारी जन चिंतित हैं। इस संबंध में पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि यात्रियों की संख्या पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसी को देखते हुए कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। आवश्यकता होगी तो स्पेशल ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

एक नजर

न्यूज एसोसिएशन के पत्रकारों का हुआ सम्मान

गाजीपुर। नेशनल यूथ जर्नलिस्ट एसोसिएशन गाजीपुर के तत्वावधान में फिजा मेरी सिटी कान्वेंट स्कूल में संगठन से जुड़े पत्रकारों का सम्मान एवं परिचय पत्र का वितरण प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे ने किया। इस अवसर पर उपस्थित संगठन के पत्रकारों को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे ने कहा कि वर्तमान में मीडिया के स्वतंत्रता पर देश में बहुत तेजी से बहस छिड़ गई है। ऐसी स्थिति में हमारी निष्पक्षता पर सवाल खड़ा हो रहा है। आज जरूरत है मजबूती के साथ ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करने की। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी को कंधे से कंधे मिलाकर चलने का आह्वान किया। कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि हम एक दूसरे के समय पर काम आएं। कहा कि पत्रकारिता एक मिशन है। संगठन के जिलाध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि नेशनल यूथ एसोसिएशन आप सभी के सहयोग से निरंतर रूप से संगठित एवं मजबूत हो रहा है। इसे गतिशील बनाने और ईमानदारी से काम करने की जरूरत है। कार्यक्रम में संगठन से जुड़े सदस्यों को सम्मान पत्र एवं परिचय पत्र प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार अजय कुमार सेठ, तहसील अध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता, महामंत्री विनय ठाकुर, यशवंत सिंह, अशोक राय पप्पू, विमलेश तिवारी, जफर अंसारी, उमेश जायसवाल, राजू खान, रिजवान, चंदन गुप्ता, गोपाल पांडेय, अभिषेक कुमार, आसिफ अली खान आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पुलिस के बीच बचाव से हुई शादी संपन्न

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के एक लान में रविवार की देर रात शादी के दौरान घराती व बराती पक्ष में मारपीट हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले को संभालते हुए अपनी देखरेख में शादी करा कर बरात को विदा कराया। अलीनगर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर तीन निवासी बहादुर राम की पुत्री शालू की शादी अलीनगर स्थित जीटी रोड किनारे एक लान में संपन्न होनी थी। इसी दौरान मिजार्पुर जनपद के चुनार के बकियावाद गांव निवासी रामदुलार के पुत्र सचिन कुमार राही बरात लेकर यहां आया था। इसी दौरान अचानक किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में तू तू मैं मैं होने लगी। देखते ही देखते यह मामला मारपीट में बदल गया। घराती बराती दोनों पक्षों में अफरा तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले को संभालते हुए अपनी देखरेख में देर रात तक दोनों पक्षों के राजामंदी से शादी समारोह संपन्न करा कर विदा कराया।

जिला कांग्रेस के नए संगठन को प्रदेश ने दी स्वीकृति

गाजीपुर। जिला कांग्रेस कमेटी की जिला संगठन के नव नियुक्त पदाधिकारियों की सूची उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार अजय राय ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके बाद प्रदेश संगठन के महासचिव अनिल यादव ने इसे जारी किया है। इस सूची के जारी होने बाद जिलाध्यक्ष सुनील राम ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। कहा कि नई कांग्रेस कमेटी, कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान करेगी और आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की नीतियों को जनता के समक्ष मजबूती से प्रस्तुत करने का कार्य करेगी। संगठन में कोषाध्यक्ष पर विद्याधर पांडेय, उपाध्यक्ष चंद्रिका सिंह जनार्दन राय, राजीव सिंह, मंसूर जैदी, कुसुम तिवारी, लाल मोहम्मद, राजेश गुप्ता, हामिद अली का बनाये गये है। वहीं प्रवक्ता अजय श्रीवास्तव, महासचिव राम नगीना पांडे, सतीश उपाध्याय, हरिओम यादव, जफरुल्लाह अंसारी, मोहम्मद राशिद, करुणा निधि राय, विनोद कुमार सिंह, कमलेश्वर शर्मा, बृजेश कुमार गौतम, सीताराम राय, सचिव- गुलबास यादव, आशुतोष श्रीवास्तव, हामिद अंसारी, मोहन चौहान, पप्पू निषाद, ओम प्रकाश पासवान, महेश राम, नसीम अख्तर, अशोक राय, अक्षय वीर बिंद, श्री राम राजभर, ओम प्रकाश पांडे, राजेंद्र यादव, संजय साहू, शिवाकांत कुशवाहा, मोहम्मद जलालुद्दीन, दिव्यांशु पांडे, श्याम सुंदर राजभर, पुष्पा यादव एवं रंभा राजभर को स्थान मिला है।

गांव में घुसा तेंदुआ , बछड़े का किया शिकार, ग्रामीणों में फैली दहशत

- दो दिन पहले गांव के एक व्यक्ति ने तेंदुए को टहलते देखा था
- सूचना पर वन विभाग की टीम पहुंच कर तेंदुए की तलाश में जुट गई

केटी न्यूज/ चंदौली

मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के कुंडा कला गांव में एक तेंदुआ कहीं से भटक कर आ पहुंचा। तेंदुए ने गाय के बछड़े को अपना शिकार बना लिया, जिससे ग्रामीणों में दहशत व्याप्त हो गया है। आसपास के ग्रामीणों ने इसकी सूचना मुगलसराय कोतवाली पुलिस को दी। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच कर छानबीन में जुट गई। साथ ही इसकी सूचना वन विभाग को दे दिया। कुंडा कला गांव में सोमवार की सुबह एक व्यक्ति का एक वर्ष का गाय के बछड़े पर तेंदुए ने हमला बोल दिया। परिवार वालों की सुबह नींद खुलने पर देखा कि बछड़ा मरा हुआ है और उसे कई जगह से नोचा गया है। ग्रामीणों ने मृतक गाय के बच्चे के शरीर पर और वहीं आस पास जमीन पर तेंदुए के पैरो के निशान देखा तो दहशत का माहौल व्याप्त हो गया। देखते ही देखते लोगों की काफी भीड़ इकट्ठा हो गया। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना मुगलसराय पुलिस को दी। ग्रामीणों ने बताया कि दो दिन पहले गांव के एक व्यक्ति ने तेंदुए को टहलते देखा था। जब इस बारे में उसने ग्रामीणों को बताया तो उसकी बातों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।इस संबंध में मुगलसराय कोतवाल विजय बहादुर ने बताया कि कुंडा कला गांव से एक व्यक्ति द्वारा गांव में तेंदुए की मौजूदगी की सूचना मिली थी। जिसमें बताया गया कि एक एक वर्ष का गाय के बच्चे को तेंदुए ने मार दिया है। मौके पर जाकर जांच की जा रही है। वहीं मौके पर पशु डॉक्टर से पी एम करवाया गया है। सूचना पर वन विभाग की टीम पहुंच कर तेंदुए की तलाश में जुट गई।

कैदी के पास नमकीन के पैकेट में मिला मोबाइल, सिम कार्ड, दर्ज हुआ मुकदमा

- पेशी पर मोनू के परिजनों ने झोले में कुछ सामानों के साथ कार्बन कंपनी का मोबाइल, सिम कार्ड व चार्जर को लपेटकर एक नमकीन के पैकेट में डालकर उमेश को दिया था

केटी न्यूज/ बलिया

न्यायालय में पेशी से लौटे एक बंदी के पास से मोबाइल बरामद हुआ है। चेकिंग के दौरान जेलकर्मियों ने गेट पर ही पकड़ लिया। पुलिस ने उक्त बंदी के खिलाफ थाने में केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बांसडीह कोतवाली के राजपुर गांव का रहने वाला उमेश बिंद जेल में निरुद्ध है। 15 मार्च को वह न्यायालय में पेशी पर गया था। वहां से अन्य बंदियों के साथ शाम को वापस लौटा तो नियमानुसार सभी की गेट पर तलाशी ली गयी। जेल प्रशासन की मानें तो जेल के अंदर दाखिल होने से पहले मुख्य चीफ संतोष उपाध्याय, जेल गेटकीपर अमरनाथ यादव, जेल वार्डर प्रसून मिश्र व पंकज सरोज ने चेकिंग के दौरान उमेश के पास से मोबाइल बरामद किया। पूछताछ में आरोपी बंदी ने बताया कि उक्त सामान सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के दुगौली निवासी मोनू उर्फ मनू बिंद का है, जो जेल में बंद है। बताया जाता है कि पेशी पर मोनू के परिजनों ने झोले में कुछ सामानों के साथ कार्बन में मोबाइल, सिम कार्ड व चार्जर को लपेटकर एक नमकीन के पैकेट में डालकर उमेश को दे दिया था। इस मामले में जेलर राजेंद्र सिंह ने सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। कोतवाल संजय सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर जेल अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। इस संबंध में जेलर ने बताया कि जो भी कैदी बाहर से आता है उसकी पूरी जांच की जाती है। ताकि कोई भी आपतिजनक सामग्री नहीं ले जा सके।

डॉ. राम मनोहर लोहिया पीजी कॉलेज परिसर में शुरू हुआ वैदिक मंत्र के साथ पूजा-अर्चना

काशी दास बाबा की पूजा में उमड़ा आस्था के साथ भक्तों का जन सैलाब

केटी न्यूज/ गाजीपुर

झोटारी (दुल्लहपुर) स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया पीजी कॉलेज परिसर में वैदिक मंत्र के बाद सुरेंद्र पंथी ने पूजन अर्चना शुरू किया। इस दौरान काफी संख्या में भक्त दर्शन करने के लिए उमड़े हुए थे। वैदिक मंत्र पढ़ने के बाद पूजन अर्चन किया गया। इसके बाद मंडप की परिक्रमा भी की गई। मंडप में लोक कल्याण के लिए महायज्ञ के साथ लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। सुरेंद्र पंथी के दैविक कारनामे से लोग आश्चर्यचकित हो गए। सुरेंद्र पंथी के कारनामा से हर लोग उस समय आश्चर्यचकित हो गए, जब खौलते हुए दूध और खीर से पूरे शरीर पर डाल कर वह स्नान करने लगे। उससे भी आश्चर्यचकित तब हो गए, जब आसमान से आग मंगाकर उपली में आग लगा दी। आग के बाद उन्होंने भविष्यवाणी भी कर दी की आने वाले समय में सभी माता बहन गांव में काली जी और डीह बाबा का पूजन- अर्चन करें और जलाभिषेक करें। इससे महामारी दूर होगी। उधर देवरिया के फरुआयी डांस टीम ने एक से बढ़कर एक स्टंट किया। जिससे हर लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। टीम के अध्यक्ष रामबड़ाई गोड़ ने कहा कि बेहतर प्रशिक्षण के बाद ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते

हैं। टीम के लाल बच्चन, विकास, निरहू, राज, लक्ष्मी, विपुल, सोनी आदि ने ऊंची कूद के साथ कई कार्यक्रम आयोजित किए। एक साथ दर्जनों लोगों को लेकर चक्कर लगाते हुए दिखाई दिए।अपने सीने और हाथों पर ईंट को रखकर फवड़ा से तोड़ते हुए दिखाई दिए। इस मौके पर बिरह, पहलवानी, फरूआयी ऊंची कूद सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। डॉक्टर राम मनोहर लोहिया पीजी कॉलेज झोटारी दुल्लहपुर के प्रबंधक लालजी यादव के नेतृत्व में आयोजित काशी दास पूजा पाठ कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक हस्ती ने भाग लिया। इस मौके पर सदर विधायक जय किशुन साहू, जंगीपुर विधायक वीरेंद्र यादव, मऊ चिरैयाकोट चेयरमैन राम प्रताप यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष रामधारी यादव, विधायक अखिलेश यादव मुबारकपुर, रामजन्म कवि, आमिर अली, डा. रामवृक्ष यादव, जवाहीर यादव आदि शामिल रहे।

अत्याधुनिक हथियारों से लैस होगा उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल

- यूपी एसएसएफ के लिए हथियार और आवश्यक साजो सामान की खरीदारी के लिए शासन से मिली 23 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति
- स्वीकृत राशि से सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल, सब मशीन गन, असॉल्ट राइफल आदि की होगी खरीद

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल यानी यूपी एसएसएफ को योगी सरकार अत्याधुनिक हथियारों से लैस करने जा रही है। इसके लिए सरकार की ओर से 23 करोड़ से ज्यादा की धनराशि की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस राशि से यूपी एसएसएफ के लिए सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल, सब मशीन गन, असॉल्ट राइफल समेत अन्य हथियार एवं साजो सामान की खरीद की जाएगी।

31 मार्च तक खरीदने होंगे हथियार: उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 14 मार्च को जारी शासनादेश के अनुसार यूपी एसएसएफ के लिए इन हथियारों और साजो सामान की खरीद के लिए 23,049,975 करोड़ (रुपए तेईस करोड चार लाख निन्यानवे हजार सात सौ पचास) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत की गई है। इसके साथ ही निर्देश दिए गए हैं कि स्वीकृत धनराशि से उपकरण/सेवाओं की खरीदारी 31 मार्च, 2024 तक सुनिश्चित कर ली जाए। यदि कोई धनराशि बचती है तो उसे राजकोष में समर्पित किया जाए। बची धनराशि से कोई अन्य उपकरण/सेवाएं क्रय नहीं की जा सकेंगी।

इन उपकरणों की होगी खरीद: निर्गत धनराशि से जिन हथियारों और साजो सामान की खरीदारी की जानी है उनमें 465 ऑटोमैटिक पिस्टल, 1113 सब मशीन गन, 330 असॉल्ट राइफल, 500 बी आर जैकेट, 500 बी आर हेलमेट, 1714 पाली काबोर्नेट शील्ड और 2025 पाली काबोर्नेट लाठी शामिल हैं। निर्देशित किया गया है कि सभी हथियारों और साजो सामान गुणवत्तापूर्ण और उपयोगी होना चाहिए। उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय द्वारा कार्यात्मक आवश्यकता के दृष्टिगत प्रस्तावित उपकरणों के मेक / मॉडल / स्पेसिफिकेशन एवं संख्या के संबंध में विभागीय व्यवस्थाओं के अन्तर्गत संतुष्ट होने के उपरांत ही खरीदारी सुनिश्चित की जाए।

सितंबर 2020 में हुआ था यूपीएसएसएफ का गठन: हाल ही में योगी सरकार द्वारा अयोध्या में उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल की छठी बटालियन स्थापित किए जाने का निर्णय लिया गया था। यूपीएसएसएफ का गठन सितंबर 2020 में प्रदेश के कोर्ट, प्रमुख धार्मिक स्थलों एवं प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए किया गया था। परिणामस्वरूप जून 2021 में यूपीएसएसएफ की पांच बटालियन गठित की गई थीं, जिनमें लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज, मथुरा व सहारनपुर की बटालियन शामिल हैं।

एक नजर

मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरूद्ध चलाये गये विशेष अभियान, मचा हड़कंप

मऊ। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ०प्र०, लखनऊ तथा जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार आगामी होली पर्व के अवसर पर मिठाईयां एवं अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में नायब तहसीलदार सदर अभिषेक वर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा आज मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेन्द्र सिंह यादव के नेतृत्व में तहसील क्षेत्र सदर के विभिन्न स्थानों पर मिलावट के संदेह में औचक छापेमारी करते हुये विभिन्न मिठाईयों के कुल 07 नमूनें खाद्य विश्लेषक की प्रयोगशाला से जांच कराने हेतु संग्रहित किये गये। संग्रहित किये गये नमूने जिसमें रामपुर चकिया स्थित राजकुमार राजभर के प्रतिष्ठान से छेना मिठाई का नमूना। भातकोल मोड़ कोपागंज स्थित प्रतिष्ठान गुप्ता किराना स्टोर, प्रो० हरी लाल गुप्ता के प्रतिष्ठान से रंगीन चिप्स का नमूना। भातकोल मोड़ कोपागंज स्थित प्रतिष्ठान अशोक स्वीट हाउस प्रो० विजय मोदनवाल प्रतिष्ठान से खोया का नमूना।भातकोल मोड़ कोपागंज स्थित प्रतिष्ठान अशोक स्वीट हाउस प्रो० विजय मोदनवाल के प्रतिष्ठान से बर्फी का नमूना। भातकोल मोड़ कोपागंज स्थित अर्जुन पुत्र गोपाल के प्रतिष्ठान से डोडा बर्फी का नमूना। भातकोल मोड़ कोपागंज स्थित प्रतिष्ठान कृष्णा स्वीट हाउस से छेना मिठाई का नमूना संग्रहित किये गये उक्त नमूनों को वास्ते जांच राजकीय जन विश्लेषक प्रयोगशाला, उ०प्र०, लखनऊ को प्रेषित कर दिया गया है। जांच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित कुमार राना, दिनेश कुमार राय, अजीत त्रिपाठी, श्रीमती बिन्दु पाण्डेय तथा विजय प्रकाश उपस्थित रहे।

69 -आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव 21 मार्च को जिले में आएंगे

आजमगढ़। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर जनपद के दोनों लोकसभा क्षेत्र 68 लालगंज व 69 आजमगढ़ के चुनाव कार्यक्रमों के संबंध में पार्टी के सभी विधायकों पूर्व विधायकों एवं पूर्व सांसदों तथा पार्टी के संगठन की बैठक कर रणनीति बनाई गई। निवर्तमान जिला अध्यक्ष हवलदार यादव ने अपने संबोधन ने कहा कि 69 आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव का आगमन 21 मार्च को जनपद में होगा। जिसमें वह 21 मार्च को ही विधानसभा क्षेत्र गोपालपुर एवं विधानसभा क्षेत्र सगड़ी में, 22 मार्च को को विधानसभा क्षेत्र सदर एवं मेंहनगर तथा 23 मार्च को विधानसभा क्षेत्र मुबारकपुर एवं विधानसभा क्षेत्र सदर में संपर्क करेंगे। बैठक में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा समाजवादी पार्टी के नेता शाह आलम गुड्डू जमाली एवं अन्य के खिलाफ एक तरफा कार्रवाई किए जाने की घोर निन्दा की गई। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर डराने करने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में जिला प्रशासन से मिलकर के वार्ता की जाएगी।

मिजार्पुर में ढाई करोड़ की शराब बरामद

मिजार्पुर। उत्तर प्रदेश पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। लोकसभा चुनाव के अधिसूचना जारी होने के बाद जनपद पुलिस ने संयुक्त अभियान में करीब 2.5 करोड़ की अंग्रेजी शराब बरामद की। जिसे कन्टेनर ट्रक में लादकर हिमाचल प्रदेश से झारखंड ले जाया जा रहा था। ट्रक में लदे 930 पेटी अवैध शराब के साथ 1 अंतर्राज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया हैं। पकड़ा गया आरोपी पवन कुमार पुत्र शिवराम थाना साहा अंबाला हरियाणा का निवासी है। जिसका खुलासा एसपी अभिनंदन ने किया। थाना अहरौरा पुलिस, एसओजी सर्विलांस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने मुखबिर से मिली सूचना पर क्षेत्र के सुकृत बार्डर के हिनौता छातो के पास सघन चेकिंग अभियान चलाया। कन्टेनर ट्रक को पकड़ा। इसमें 2.5 करोड़ की शराब लदी थी। पुलिस ने पवन कुमार अम्बाला को गिरफ्तार किया है।

खबरें फटाफट

लोकपाल का बढ़ा कार्यकाल

मऊ। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत भारत सरकार द्वारा निर्गत दिशा निर्देश के

क्रम में 2021 में चयनित लोकपाल मनरेगा श्रीमती विनीता पांडेय जी का कार्य प्रगति के आधार पर शासन स्तर से दिनांक 15 मार्च 2024 को अग्रिम आदेश तक कार्यकाल बढ़ाया गया है। मनरेगा योजना अंतर्गत हो रहे कार्यों में अनियमितता से संबंधित शिकायत लोकपाल कार्यालय विकास भवन एवं 7275554037 पर कर सकते हैं ।

बिना अनुमति के अवकाश मुख्यालय छोड़ने पर रोक

मऊ। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की अवधि के दौरान बिना अनुमति के अवकाश लेने तथा मुख्यालय छोड़ने पर रोक लगाई गई है। इस संबंध में रिटर्निंग ऑफिसर /जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने समस्त विभागाध्यक्ष //कार्यालयाध्यक्षों को लिखित में भी सूचना दे दी है। निर्वाचन संबंधी कार्यों को सुचार रूप से संपन्न कराने तथा समयबद्ध सूचनाओं //रिपोर्टो के प्रेषण में कोई विलंब ना हो, इसके दृष्टिगत निर्देश जारी किए गए हैं। जिलाधिकारी ने उक्त निर्देश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा तथा बिना अनुमति के किसी भी अधिकारी को मुख्यालय ना छोड़ने के निर्देश दिए।

शिक्षक धर्मेंद्र की हत्या के विरोध में धरना-प्रदर्शन

वाराणसी। वाराणसी से बोर्ड परीक्षा की कापियां लेकर मुजफ्फरनगर गए शिक्षक धर्मेंद्र कुमार की हत्या उनकी सुरक्षा में लगे पुलिस कर्मी द्वारा किए जाने का विरोध वाराणसी में शुरू हो गया है। यूपी बोर्ड की कापियां लेकर गए शिक्षक की हत्या की जानकारी मिलने के बाद पूर्व शिक्षक विधायक चेतनारायण सिंह के निदेर्शानुसार वाराणसी के सभी मूल्यांकन केंद्र पर मूल्यांकन नही होगा। सभी शिक्षकों से अनुरोध कर मूल्यांकन का विरोध करने को कहा गया है। शिक्षकों की मांग है कि हत्यारोपित पर रासुका लगे , पीड़ित परिवार को 10 करोड़ रुपये और परिवार के सदस्य को पीसीएस रैंक की नौकरी दी जाए।

लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

प्रत्याशियों के साथ पार्टियों को भी संबंधित प्रत्याशी के अपराधों का देना होगा ब्योरा

- पार्टियों को प्रत्याशियों के चयन के कारणों का करना होगा उल्लेख
- रोड शो एवं जुलूस में बच्चों के प्रतिभाग करने पर होगी रोक

केटी न्यूज/मऊ

जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आदर्श आचार अचार संहिता के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी नोटिफिकेशन और आदर्श आचार संहिता के अनुपालन के संबंध में जानकारी दी और सभी दलों के प्रतिनिधियों से आयोग के निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन करने को कहा। इस दौरान उन्होंने आदर्श आचार संहिता से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित करते हुए उपस्थित जनप्रतिनिधियों को उससे अवगत कराया।

उन्होंने कोई भी भ्रामक या फर्जी सामग्री सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से बचने का अनुरोध किया। उन्होंने इलेक्शन कैंपेन के लिए प्रयोग होने वाले प्रिंटिंग मैटेरियल पर प्रकाशक और मुद्रक का नाम स्पष्ट लिखने और इसकी सूचना उप जिला निर्वाचन अधिकारी को अवश्य देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि नॉमिनेशन से लेकर रिजल्ट डिक्लेयर होने तक के खर्चो का पूरा ब्यौरा उम्मीदवार के खाते से जोड़ा जाएगा। नॉमिनेशन से पहले जो भी उम्मीदवार हैं, वे अपना नया खाता खुलवा लेंगे, वर्तमान खाते का डिटेल देना होगा, पुराना खाता मान्य नहीं होगा। चुनाव में उपयोग होने वाले वाहनों की अनुमति लेनी होगी,उसका खर्चा जोड़ा जाएगा, इसलिए उसे इलेक्शन एक्सपेंडिचर रजिस्टर में जरूर दर्ज करें। उन्होंने सभी पार्टियों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि कहीं कोई भी चुनाव संबंधी मामला संज्ञान में आता है, तो उसे जिला प्रशासन के संज्ञान में अवश्य लाएं, उस मामले का निस्तारण अवश्य कराया जाएगा। जनपद में स्थापित कंट्रोल रूम का फोन नंबर 1950 है और सी विजिल एप पर दर्ज किसी भी शिकायत का निस्तारण किया जाएगा।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि माननीय भारत निर्वाचन आयोग के जारी दिशा निदेर्शों के क्रम में प्रत्याशियों के साथ ही पार्टियों को भी संबंधित प्रत्याशी के अपराधों का पूरा विवरण देना होगा। साथ ही पार्टी के होम पेज पर भी इसे दशार्ना होगा।इसके अलावा प्रत्याशियों के चयन के कारणों का भी उल्लेख करना पार्टियों के लिए अनिवार्य होगा।अन्य बातों की चर्चा के अलावा जिलाधिकारी ने जुलूस एवं रोड शो में बच्चों का प्रयोग नहीं करने, लाउडस्पीकर पर निर्धारित ध्वनि सीमा का ही प्रयोग करने को कहा। जिलाधिकारी ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से 85 वर्ष से ऊपर आयु के मतदाता, दिव्यांग मतदाता तथा महिला मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया में अधिक से अधिक भाग लेने में सहयोग करने की भी अपील की, जिससे लोकसभा क्षेत्र में मतदान प्रतिशत में वृद्धि हो सके। इसके अलावा लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को सुचारू, सकुशल एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने में सहयोग करने की भी अपील जिलाधिकारी द्वारा की गई।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री इलामारन जी ने भी प्रतिनिधियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निदेर्शों का कड़ाई से पालन करने को कहा जिससे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन न होने पाए। इसके अलावा उन्होंने रोड शो, सभा या जुलूस आदि के लिए पूर्व में ही समय से अनुमति लेने को कहा, जिससे किसी तरह का कोई व्यवधान उत्पन्न ना हो एवं चुनाव शांतिपूर्वक सकुशल संपन्न हो सके। बैठक के दौरान अपर जिला अधिकारी सत्यप्रिय सिंह, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अशोक कुमार, समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त क्षेत्राधिकारी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज, एडीएम डीपी सिंह,सीआर?ओ त्रिभुवन, सिटी मजिस्ट्रेट इंद्रकांत द्विवेदी, प्रभारी निर्वाचन अधिकारी अखिलेश यादव सहित अन्य अधिकारी एवं पार्टियों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

आदर्श आचार संहिता से कुछ मुख्य बिन्दु/निर्देश

- आदर्श आचार संहिता के लागू होते ही समस्त शासकीय सम्पतियों से 24 घण्टे के अंदर समस्त प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर, पैम्पलेट इत्यादि हटाये जाने हैं। समस्त सरकारी कार्यालयों, सभागारों, अधिकारियों के कक्षों इत्यादि में लगी सभी जीवित राजनैतिक महानुभावों की फोटो तत्काल हटायी जानी है। जीवित राजनैतिक महानुभावों में से केवल राष्ट्रपति तथा राज्यपाल की फोटो लगी रह सकती है। पूर्व में दिवंगत राजनैतिक महानुभावों की फोटो भी लगी रह सकती है।
- समस्त लोक सम्पत्तियों जैसे :- बस स्टैंड, सड़क, सार्वजनिक चौराहों, बिजली के खम्बे, अंडरपास इत्यादि से 48 घण्टे के अंदर समस्त प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर, पैम्पलेट इत्यादि हटाये जाने हैं।
- निजी सम्पत्ति का विरूपण 72 घण्टे के अंदर हटाया जाना है।
- वाहनों का काफिला पूरी निर्वाचन अवधि में प्रचार के सम्बन्ध में 10 से अधिक वाहनों (सुरक्षा वाहनों को छोड़ते हुए) का काफिला होना वर्जित है। प्रत्येक दसवें वाहन के बाद 100 मीटर का फासला रखा जाना अनिवार्य है।

क्रेशर प्लांट में युवक की हुई मौत, परिजनों ने किया हंगामा

केटी न्यूज/सोनभद्र

ओबरा बिल्ली मारकुंडी क्षेत्र के बिल्ली चढ़ाई पर स्थित एक क्रशर के सामने सोमवार की दोपहर करीब दो बजे एक लोडर की चपेट में आकर लोडर आपरेटर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोग मृतक के शव को ओबरा तापीय परियोजना अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डाक्टर के मृत घोषित कर देने के बाद शव को अस्पताल ले जाने वाले लोग शव को ही छोड़कर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे परिजन शव को देखते ही आक्रोशित हो गए और पुलिस को शव ले जाने से मना कर दिया। इस दौरान पुलिस ने मृतक के परिजन को काफी समझा बुझाकर शांत कराया। इसके बाद मृतक के परिजन शव को ले जाने के लिए सहमत हुए। मृतक के भाई दयाराम यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सलईबनवा निवासी मृतक 32 वर्षीय रामवृक्ष यादव निवासी सलई बनवा, कोटा,चोपन बिल्ली खनन क्षेत्र में सीताराम अग्रवाल के क्रशर पर लोडर आपरेटर का काम करता था। सोमवार दोपहर करीब दो बजे वह क्रशर डग से पैदल ही क्रशर के आफिस की ओर जा रहा था। इस दौरान अज्ञात लोडर चालक लोडर चलाता हुआ आया और रामवृक्ष यादव को जोरदार धक्का मार दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। अस्पताल में मौजूद चिकित्सक के मुताबिक मृतक के शव को दोपहर करीब ढाई बजे ओबरा परियोजना अस्पताल पंहुचे। जिसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गयी। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। वही घटना की सूचना पर ओबरा क्षेत्राधिकारी डाङ्क चारु द्विवेदी ने मौके पर पहुंच बताया कि घटना की जांच कर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

विवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत, जलाकर मार डालने का लगाया आरोप

आजमगढ़। तहबरपुर थाना क्षेत्र के आतापुर गांव में सोमवार को विवाहिता की जलकर मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने प्रताड़ित कर जलाने का आरोप लगाते हुए डायल 112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया। मायके पक्ष की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर छानबीन में जुट गई। तहबरपुर थाना क्षेत्र के पश्चिम पट्टी गांव निवासी मधुबन अपनी पुत्री 30 वर्षीय वंदना की शादी वर्ष 2013 में आतापुर गांव निवासी कन्हैया लाल से की थी। उन्होंने ससुराल पक्ष पर आरोप लगाते बताया कि परिवार के लोग अक्सर रुपये और जेवरात के लिए प्रताड़ित करते थे। कुछ दिन बाद उसने पुस्तैनी घर से कुछ दूरी पर मकान बनवाई जिसमें ब्यूटी पार्लर और जनरल स्टोर चलाती थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कभी-कभी ससुराल के लोग उसे मारते-पीटते थे। इसके बाद सगे-संबधियों के माध्यम से सुलह-समझौता भी कराया गया।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में डेक्कन, ओसियन टेक्नोलॉजी कंपनी प्लेसमेंट के लिए आई

180 छात्रों में से 100 विद्यार्थी दूसरे राउंड में पहुंचे

केटी न्यूज/जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सेंट्रल एंड ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने डेक्कन हेल्थकेयर और ओसियन टेक्नोलॉजी के साथ प्लेसमेंट ड्राइव किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में चल रहे प्लेसमेंट की प्रक्रिया में बी.फार्मा. और इंजीनियरिंग विभाग के प्लेसमेंट के लिए डेक्कन हेल्थकेयर एवम ओसियन टेक्नोलॉजी कंपनी सोमवार को आई हुई है।

इस अवसर पर कुलपति प्रो वंदना सिंह ने कहा आगे इसी क्रम में छात्रों के हित के लिए आगे भी कंपनी आती रहेंगी और हमारे छात्रों को अवसर देती रहेंगी। उन्होंने छात्रों के हौसले को बढ़ावा दिया और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। ओसियन टेक्नोलॉजी द्वारा इस प्लेसमेंट की प्रक्रिया को चार भागों में बांटा गया। प्लेसमेंट प्रक्रिया को शुरू करने से पहले उन्होंने सभी छात्रों के साथ प्री प्लेसमेंट वार्ता की जिसमे उन्होंने बच्चो को अपनी कंपनी और वहा के कार्यो के बारे में बताया, फिर उन्होंने प्लेसमेंट प्रक्रिया की पहली राउंड एप्टीट्यूड टेस्ट का कराया। इसमे 180 छात्रों में से 100 छात्रों ने पास करके दूसरे राउंड के लिए आगे आए जिसमें सामूहिक चर्चा कराई गई। इसका परिणाम अगले दिन घोषित किया जायेगा। इस पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रो. बीबी तिवारी, प्रो प्रदीप कुमार, डॉ. अमरेंद्र सिंह, डॉ. दीपप्रकाश सिंह, डॉ. आलोक दास, डॉ. अनुराग सिंह उपस्थित रहे। संचालन और धन्यवाद ज्ञापन गरिमा पांडे और अनुष्का सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के श्याम त्रिपाठी, मुख्य सदस्य यतनदीप दुबे, विकास यादव, नवनीत मौर्य, सरिता सिंह, अनुषा वर्मा, प्रकृति गुप्ता, श्रेय मिश्र, रिचा यादव, आकाश कुमार, राहुल राज, शुभम कुमार आदि छात्र उपस्थित रहे।

सुभाषितम्

हमेशा मित्रता करते समय धीमे रहिए, पर जब एक बार मित्रता कर लें, तो उसे हमेशा मजबूती के साथ निभाइए। - चाणक्य

चुनावी बांड की जानकारी देने मे स्टेट बैंक की आनाकानी

सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बाद भी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया चुनावी बांड की जानकारी देने में लगातार आनाकानी कर रहा है। स्टेट बैंक द्वारा चुनाव आयोग को अभी तक यूनिक नंबर की जानकारी नहीं दी गई है। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को इस मामले में फिर से सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्टेट बैंक को कड़े शब्दों में कहा, चुनावी बांड से संबंधित सभी जानकारी सार्वजनिक करें।राजनीतिक दलों द्वारा भी चुनावी बांड से मिले चंदे की जानकारी पूरी तरह से नहीं दी जा रही है। द्रमुक, अन्नाद्रमक राकापा, जनता दल जैसी क्षेत्रीय पार्टियों ने जरूर बांड से मिले चंदे की जानकारी दी है। अन्य राजनीतिक दल जिसमें भारतीय जनता पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने कुछ जानकारी तो दी है। उन्हें चुनावी बांड से कितना चंदा मिला है। किसने कितना चंदा दिया है, इसकी जानकारी उजागर नहीं की है। अभी तक स्टेट बैंक द्वारा यूनिक कोड की जानकारी नहीं दिए जाने से चुनाव चंदा किस पार्टी को किससे मिला है। इसका मिलान नहीं किया जा सका है। कांग्रेस ने इस बारे में कहा है, कि स्टेट बैंक आफ इंडिया ही यह जानकारी देने में सक्षम है। जिन्होंने कांग्रेस को बांड से चंदा दिया है। उन्होंने अपना नाम उजागर नहीं किया है। भारतीय जनता पार्टी ने भी लोक प्रतिनिधित्व कानून 1951 और आयकर अधिनियम की धारा 1960 के तहत चुनावी चंदा मिला है। उनसे भी जानकारी देने से मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों को चुनावी बांड से मिली जानकारी को साझा करने के निर्देश जारी किए थे। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जो जानकारी चुनाव आयोग को उपलब्ध कराई गई है। वह टुकड़े-टुकड़े में होने, तथा आधी अधूरी होने से चुनावी बांड से संबंधित पूरी जानकारी निकलकर सामने नहीं आ पा रही है। स्टेट बैंक द्वारा जो जानकारी बंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट को दी गई थी। स्टेट बैंक ने अब उसे उजागर कर दिया है। उस जानकारी को चुनाव आयोग ने वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। भारत में 523 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल हैं। उसमें से एक दर्जन राजनीतिक दलों को ही चुनावी बांड से चंदा मिला है। गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों ने चुनाव चंदे की जानकारी चुनाव आयोग के साथ साझा की है। पंजीकृत राष्ट्रीय राजनीतिक दलों ने इस मामले में अभी भी आनाकानी की जा रही है। चुनाव आयोग द्वारा 17 मार्च रविवार को चुनावी बांड और उसके बारे में राजनीतिक दलों से किए गए पत्र व्यवहार का ब्यौरा सार्वजनिक कर दिया है। 2017 से लेकर अभी तक चुनावी चंदे को लेकर जो अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई थी। अब वह धीरे-धीरे साफ होती नजर आ रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर स्टेट बैंक द्वारा जब बांड के यूनिक नंबर की जानकारी उजागर कर दी जाएगी। उसके बाद सारी स्थितियां स्पष्ट हो सकेगी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी जिस तरह से स्टेट बैंक जानकारी देने में आनाकानी कर रहा है। यह आश्चर्यजनक है। सुप्रीम कोर्ट ने अभी तक अवमानना मामले में स्टेट बैंक के ऊपर कोई ठोस कार्रवाई नहीं करने के कारण, स्टेट बैंक जानकारी देने में तरह-तरह के खेल कर रहा है। इससे सुप्रीम कोर्ट की साख पर भी असर पड़ रहा है। लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। चुनावी चंदे का जो पिटारा खुला है। वह मतदाताओं पर क्या असर डालता है। राजनीतिक दलों पर इसका क्या असर पड़ेगा। अभी यह कहना मुश्किल है ।चुनावी चंदे ने मतदाताओं के सामने चुनावी बांड के चंदे के इस खेल को जरूर उजागर कर दिया है। यह इसी तरह का कृत्य है जैसे कृष्ण भगवान गोपियों की मटकी से मक्कन चोरी करके खाते थे। जब शिकायत होती थी, तब कृष्ण मैय्या से कहते थे, मां मैंने माखन नहीं खायो। गोपिकायें झूठ बोल रही हैं। यही भाजपा का हाल है। लगता है स्टेट बैंक सरकार के डर दबाव में काम कर रहा है। एक और सुप्रीम कोर्ट का दबाव है। दूसरी ओर सरकार का दबाव बना हुआ है। इस मामले में सबसे ज्यादा मुसीबत स्टेट बैंक की ही होने जा रही है। जल्द ही सुप्रीम कोर्ट का डंडा स्टेट बैंक पर चलना तय माना जा रहा है।

चिंतन-मनन

कैसे जानेंगे कि आप ताकतवर हैं या कमजोर

हमलोगों में एक बड़ी ही अजीब बात है अगर सामने वाला अपने से कमजोर दिखता है तो हम उसकी छोटी सी गलती पर भी भड़क उठते हैं और मार-पीट करने तक के लिए तैयार हो जाते हैं। इसके उलट अगर सामने वाला ताकतवर है तो उसकी बड़ी गलती पर भी खामोश रह जाते हैं। इसकी वजह है हमारी कमजोरी। हम अपनी कमजोरी को छुपाने के लिए ही कमजोर के सामने अपनी ताकत की नुमाईश करते हैं। तकतवर तो वह होता है जो अपनी शक्ति का प्रयोग कमजोर पर नहीं करता है। इस संदर्भ में एक कथा उल्लेखनीय है। गुरू गोविंद सिंह जी का एक शिष्य था। एक बार वह गुरू जी के पास आकार बोला कि, आज मार्ग में एक दुबले-पतले व्यक्ति ने मेरा अपमान किया। इस पर मैंने उसकी खूब पिटाई की। गुरू जी ने कहा, यह तो तुमने बहुत ही गलत किया। कुछ दिनों बाद वही शिष्य गुरू जी के पास आया और बोला आज एक व्यक्ति ने फिर मेरा अपमान किया, लेकिन मैंने उसे कुछ नहीं कहा। गुरू जी ने पूछा, वह व्यक्ति कैसा था। शिष्य ने जवाब दिया, काफी हट्ठा-कट्ठा और तंदुरूस्त था। गुरू गोविंद सिंह जी ने कहा कि, तुमने बहुत ही गलत किया जो उसे अपमान का उत्तर नहीं दिया। गुरू का उत्तर सुनकर शिष्य बड़ा हैरान हुआ और कहा कि, पिछली बार जब मैंने अपमान करने वाले की पिटाई की तब भी आपने मुझे गलत कहा था और इस बार जब मैंने अपमान का कोई उत्तर नहीं दिया तब भी आप मुझे गलत कह रहे हैं। आखिर मुझे करना क्या चाहिए? गुरू जी ने शिष्य को समझाया, पिछली बार तुमने एक कमजोर व्यक्ति की पिटाई की थी। इस बार तुम्हारा अपमान एक सबल व्यक्ति ने किया था। तकतवर व्यक्ति की पहचान यही है कि, वह कमजोर पर हाथ न उठाए और सबल व्यक्ति के द्वार किये गये अपमान को सहन न करे।

इधर टिकट कटी, उधर पोस्टर से फोटो हटी...

- चैतन्य भट्ट

मध्य प्रदेश के बालाघाट लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद ढाल सिंह बिसेन साहेब इन दोनों बहुत ज्यादा दुखी हैं और उनके दुखी होने के दो कारण है पहला कि पार्टी ने उनकी टिकिट काट दी और दूसरा ये कि उनकी जगह जिस महिला प्रत्याशी को टिकट मिला उसके सम्मान में शहर में जो पोस्टर और होर्डिंग लगाए गए थे उसमें से अपने बिसेन साहब की फोटो गायब थी जबकि पोस्टर में पार्षदों तक की फोटुए खिलखिला रही थी। अपनी इस उपेक्षा से बेहद दुखी मन से बिसेन साहब ने एक ट्वीट किया है कि मेरा फोटो हटा दिया गया । इतने बरस हो गए बिसेन जी को राजनीति करते-करते उन्हें इतनी सी बात समझ में नहीं आई कि ये तो राजनीति है जब तक आप पोस्ट पर हो तब तक आपकी जय जय कार है और जिस दिन पद से हटे उस दिन से आप आम आदमी बन जाते हो, लेकिन दिक्कत ये है कि जो नेता एक बार किसी पद पर पहुंच जाता है तो फिर उसे जय जय कार करवाने की, होर्डिंग्स और बैनर में फोटो छपवाने की लालसा जिंदगी भर के लिए बन जाती है फिर चाहे वह पद पर रहे ना रहे। ढाल सिंह बिसेन साहब तो फिर भी सांसद थे दूर क्यों जाते हो अपने मामा जी को ही देख लो सत्रह साल तक मध्य

प्रदेश में राज किया लेकिन जैसे ही मुख्यमंत्री बदले तमाम होर्डिंग्स और पोस्टरों से मामा जी की तस्वीर गायब हो गई और उन्हें कहना पड़ा कि मेरी फोटो ऐसी गायब हुई जैसे गधे के सर से सींगतो ये तो राजनीति का स्वभाव है इधर आपकी टिकट कटी उधर पोस्टर से आपकी फोटो हटी इसमें दुखी होने की क्या बात है? बहुत साल मजे कर लिए सत्ता में रहने के अब यदि टिकट नहीं मिल पाई तो इतना रंज किस बात का, ये तो दुनिया का उसूल है कि उगते सूरज को सब सलाम करते हैं और जब सूरज ढलता है तो लोग उस पर नजर भी नहीं डालते ढाल सिंह बिसेन जी आप भी ढलता सूरज हो इसलिए अब आपकी तरफ कोई नहीं देखेगा समझ लो जितने दिन किस्मत ने साथ दिया था इतने दिन सत्ता का सुख भोग लिया अब दूसरों को मौका भी तो मिलना चाहिए लेकिन दिक्कत ये है कि राजनीति का कीड़ा जिसके अंदर एक बार घुस जाता है फिर उसको निकालना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन हो जाता है वही कीड़ा आपके अंदर घुसा हुआ है जो आपको भीतर ही भीतर कचोट रहा है लेकिन अब हाथ में कुछ है नहीं, ज्यादा से ज्यादा दुखी हो सकते हो एकाध बयान दे सकते हो, ट्वीट कर सकते हो इसके अलावा और कुछ आपके बस में है नहीं। उमा भारती को देख लो जिनके दम पर मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को जबरदस्त जीत मिली थी उनके क्या हाल है बेचारी तरह-तरह के बयान दे कर अपने वजूद को बरकरार रखने की कोशिश करती है लेकिन कोई गंभीरता से लेता ही नहीं है, आप भी ये सोच लो कि आपका समय गया जितनी जल्दी ये समझ लोगे तो शायद दुखी नहीं होगे और फिर दुखी होने से ऐसा तो है नहीं कि फिर से होर्डिंग्स और पोस्टर में चमकने लगो अपनी तो एक ही सलाह है की साहेब जी अब पुराने दिन भूल जाओ और एक साधारण आदमी की तरह जिंदगी गुजारो उसी में आपका फायदा है।

बिश्नोई जी को गुस्सा क्यों आता है

कुछ बरस पहले नसीरुद्दीन शाह अभिनीत एक फिल्म आई थी जिसका नाम था अल्बर्ट पिंटो को गुस्सा क्यों आता है पिछले कुछ लंबे समय से अपने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय बिश्नोई अल्बर्ट पिंटो बन चुके हैं शिवराज सरकार में महाकौशल की उपेक्षा को लेकर उन्होंने कई बयान दिए थे मसलन महाकौशल फड़फड़ा सकता है उड़ नहीं सकता अब उनका एक बयान इन दिनों सोशल मीडिया पर जबरदस्त रूप से वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने चंडीगढ़ के एक अस्पताल में अपना इलाज करवाते वक्त जारी किया था जिसमें उन्होंने जबलपुर लोकसभा के लिए तय किए गए भाजपा के वर्तमान प्रत्याशी आशीष दुबे की उम्मीदवारी पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि पार्टी के निर्णय का स्वागत है हमें यह भूलना होगा कि हमारे चुनाव में आशीष जी ने पार्टी के विरोध में काम किया था यानी इशारे इशारे में उन्होंने आशीष दुबे की उम्मीदवारी पर अपना गुस्सा जाहिर कर दिया था भले ही आशीष दुबे उन्हें अपना वरिष्ठ मानते हुए उनके बयान से कन्नी काट रहे हो लेकिन पार्टी में इस बात को लेकर बड़ी चर्चा है। वैसे इस बात के लिए अजय भैया की हिम्मत की दाद तो देना ही पड़ेगा कि जिस भारतीय जनता पार्टी में कोई इतनी हिम्मत नहीं करता कि वो पार्टी के निर्णय के खिलाफ कोई बयान दें ऐसे में अजय भैया ने अपना गुस्सा निकाल कर दिखा दिया कि उन्हें जो सही लगता है वे बयां कर देते हैं पार्टी उनके साथ क्या करती है यह अलग बात है लेकिन पार्टी के भीतर इस बात को लेकर चर्चा जरूर है की अजय भैया इतने गुस्सैल आखिर कैसे हो गए हैं।

इसमें तो फर्स्ट आ गए

लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने जो तिथियां घोषित की हैं उसके हिसाब से पूरे जबलपुर लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं को चुनाव आयोग का बार-बार धन्यवाद अदा करना चाहिए कि कम से कम उसने मतदान में तो जबलपुर को नंबर वन पर रख दिया वरना जबलपुर तो हर चीज में पिछड़ा ही माना जाता है चाहे वह विकास का मुद्दा हो, उद्योगों की स्थापना की बात हो, सफाई का मसला हो, राजनेतिक प्रतिनिधित्व की बात हो ,हवाई उड़ानों का मामला हो हर जगह जबलपुर फिसड्डी रह जाता है लेकिन मतदान में जबलपुर को जो पहला नंबर मिला है उसको लेकर पूरी संस्कारधानी हर्षित है यहां के नागरिकों को लग रहा है कि कम से कम इस मामले में तो जबलपुर अव्वल आ गया ,ये बात अलग है कि इसमें ना तो लोगों का कोई हाथ है ना यहां के जनप्रतिनिधियों का। अपने को तो लगता है कि जबलपुर की उपेक्षा का मसला और उसके फिसड्डी होने की खबर जरूर चुनाव आयोग के पास पहुंची होगी और उनको लगा होगा कि चलो एक बार इसी बहाने जबलपुर को नंबर वन तो बना दें इसी में यहां के लोग खुश हो जाएंगे और सही बात भी है पहले चरण के चुनाव में जब से जबलपुर का नाम आया है तब से हर जबलपुर वासी की छाती 56 इंच की हो गई है और वह कहता फिर रहा है कि लोग कहते थे जबलपुर फिसड्डी है अब देखो वोट डालने में सबसे पहला नंबर जबलपुर का ही है अपनी तरफ से भी चुनाव आयोग और उनके आयुक्त को बार-बार धन्यवाद, आभार, शुक्रिया कि कहीं तो उन्होंने जबलपुर की लाज रख ली।

सुपर हिट ऑफ द वीक

.डॉक्टर ने कहा - इन्हें अच्छा खाना दो, हमेशा खुश रखो,घर की कोई परेशानी इनसे डिसकस मत करो, फालतू की फरमाइशें करके इनकी चिंता मत बढ़ाओ तो ये छह महीने में बिल्कुल ठीक हो जाएंगे...! रास्ते में श्रीमान जी ने श्रीमती जी से पूछा - क्या कहा डॉक्टर ने...?

-कुछ नहीं डॉक्टर ने भी जवाब दे दिया है श्रीमती जी ने उत्तर दिया।

तो चौकीदार नहीं हमारी ईवीएम चोर है...

-राकेश अचल

` तीन कम नब्बे के डॉ फारुख अब्दुल्ला यदि झूठ बोलें तो उन्हें कौआ काटे। फारुख साहब का कहना है कि दरअसल चोर तो हमारी ईवीएम है, इसलिए आम चुनाव में जब वोट डालें तो ईवीएम को ठोक -बजाकर देख जरूर लें।पर्चियों का मिलान कर लें ,अपने वोट की रक्षा कारण क्योंकि वोट है आपका । खानदानी नेता डॉ फारुख अब्दुल्ला तजुबेकार नेता भी हैं। रंगीन तबियत के हंसमुख नेता हैं। प्रगतिशील हैं, धर्मनिष्ठ और धर्मनिरपेक्ष नेता हैं। मुझे निजी तौर पर पसंद हैं। मोदी जी से ज्यादा, फारुख साहब पसंद हैं, अलवत्ता वे प्रधानमंत्री नहीं हैं। राष्ट्रपति नहीं है। अब होंगे भी नहीं। वैसे उन्होंने प्रधानमंत्री बनने का ख्वाब तो जरूर देखा होगा। भले ही वे प्रधानमंत्री नहीं बने लेकिन वे देश के किसी भी प्रधानमंत्री से ज्यादा चर्चित और लोकप्रिय नेता हैं। सलीकेदार हैं। किसी को अछूत नहीं मानते। ईवीएम को चोर कहना उतना ही बड़ा दुस्साहस है जितना कि किसी चौकीदार को चोर कहना है। हमारे यहां मिस्टर क्लीन की छवि के एक प्रधानमंत्री राजीव गांधी को भी इस देश में चोर कहा गया। हालांकि राजीव गांधी को चोर कहने वाले लोग इलेक्टोरल बांड के जरिए 60 अरब की चोरी करते रंगे हाथों पकड़े गए, लेकिन दुर्भाग्य न चोरी का पैसा राजसात किया गया और न किसी को इस असंवैधानिक और आपराधिक मामले में जेलों में भेजा गया। हमारे यहां किसी को जेल भेजना या तो बेहद आसान काम है या बेहद कठिन। देश में ईवीएम की विश्वसनीयता पहले दिन से संदिग्ध रही है। भाजपा के 10 साल के शासनकाल में ये अविश्वास कम होने के बजाय बढ़ा है।2019 के आमचुनाव भी उसी संदिग्ध ईवीएम से कराए गए थे जिससे कि 2024 के चुनाव कराए जा रहे हैं।आपको याद होगा की 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इसी ईवीएम मशीन के जरिये चुनाव लड़ते हुए विपक्ष का सूपड़ा साफ कर दिया था और ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे तमाम अजेय नेताओं को पराजित कर प्रचंड बहुमत हासिल किया था। अकेले भाजपा को 303 सीटें और 37 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। चुनावों में सूपड़ा साफ करना एक तकनीक नहीं है । इसके लिए या तो अंडर करेंट की जरूरत पड़ती है या किसी चमत्कार की। जिस लक्ष्य को भाजपा ने 2019 में पार किया था उसे कांग्रेस 1952 ,57 ,62 ,71 और ,80 में पहले ही पार कर चुकी है । भाजपा के 2024 के निर्धारित लक्ष्य 400 को भी कांग्रेस ने 1984 में बिना गठबंधन के अकेली दम पर 404 सीटें जीतकर हासिल कर दिखाया था। इसके लिए कांग्रेस को किसी अवतार की जरूरत नहीं पड़ी थी । तब ईवीएम नहीं बल्कि कागज की पर्चियां थीं। कांग्रेस की दुर्दशा तो 2009 के बाद से होना शुरू हुई है। इस दुर्दशा में कांग्रेस का नेतृत्व और ईवीएम दोनों बड़े कारण हैं। दुर्भाग्य ये है कि ईवीएम को सरे आम चोर कहने वाले लोग अभी तक ईवीएम के खिलाफ खड़े नहीं हो पाए हैं। ईवीएम को लेकर सभी विपक्षी दलों का व्यवहार अस्पष्ट है।विपक्ष गुड़ भी खाना चाहता है और गुलगुलों से परहेज भी करना चाहता है।

मुझे ये लिखने में कोई संकोच नहीं है कि विपक्षी दल उन तमाम मुद्दों को लेकर देश में सरकार के विरुद्ध कोई आंदोलन अब तक खड़ा नहीं कर पाया। यानि ईवीएम चोर कही जाती है किन्तु कोई भी विपक्षी दल ईवीएम के बहिष्कार की बात नहीं कर रहा।विपक्ष न ईवीएम को मुद्दा बना पाया न इलेक्टोरल बांड को। विपक्ष अभी तक कोई निर्णायक और अपीली करने वाला मुद्दा बना ही नहीं बना सका।विपक्ष की यही कमजोर नस है। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के मुम्बई में समापन के मौके पर डॉ फारुख अब्दुल्ला ने एक बार फिर से ईवीएम का राग अलापकर कांग्रेस ही नहीं बल्कि बाकी के राजनीतिक दलों की दुखती रग पर हाथ रख दिया है। डॉ अब्दुल्ला ने कहा है कि जिस दिन इंडिया गठबंधन सत्ता में आएगा उसी दिन से ईवीएम का भी अंत हो जाएगा। फिलहाल तो डॉ अब्दुल्ला का दावा हवा -हवाई है । न नौ मन तेल होगा और न राधा नाचेगी । इंडिया गठबंधन जिस तरीके से लोकसभा चुनाव लड़ रहा है उसे देखकर नहीं लगता की डॉ फारुख अब्दुल्ला का सपना 2029 में पूरा हो पायेगा । देश से ईवीएम को विदा करना है तो पहले ईवीएम के सहारे एक दशक से जादू कर रखी भाजपा को सत्ता से हटाना होगा। ये असम्भव नहीं किन्तु कठिन काम जरूर है क्योंकि इस समय देश में किसी भी दल के पास भाजपा जैसा संगठनात्मक ढांचा, मजबूत अर्थशास्त्र और भव्य,दिव्य तथा अवतारी नेता नहीं है। भाजपा का नेतृत्व इस समय जो चाहे सो रूप धर सकता है।इस समय भाजपा कामरूप है। उसके पास धनबल,बाहुबल और छलबल इफरात में है। इस मामले में कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष कंगाल है ,फटेहाल है। आपको बता दूँ कि तमाम अविश्वास के बावजूद भारत में मतदाताओं की मौजूदा चुनाव प्रक्रिया में दिलचस्पी बरकरार है । देश के पहले चुनाव में जहाँ 45 फीसदी मतदाताओं ने चुनाव में हिस्सा लिया था वहीं पिछले आम चुनाव में ये भागीदारी 68 फीसदी तक पहुँच गयी था । इस बार ये प्रतिशत यदि बढ़ता है तो समझा जाएगा कि आम जनता को ईवीएम से कोई शिकायत नहीं है ,शिकायत केवल राजनीतिक दलों को है। और यदि ये भागीदारी कम होती है तो समझा जाएगा कि ईवीएम का विरोध जायज है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन समारोह में डॉ फारुख अब्दुल्ला ही नहीं जम्मू-कश्मीर से पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ़्ती भी थीं और बिहार से तेजस्वी यादव भी ,तमिलनाडु से स्टालिन भी। सबके स्वर एक जैसे थे ,लेकिन ईवीएम के विरोध को लेकर केवल और केवल डॉ फारुख अब्दुल्ला बोले। लोकसभा चुनाव में लड़ाई मुद्दों से हटकर चेहरों पर सिमट गयी है । चुनाव में एक ही मुद्दा है और वो है भाई नरेंद्र मोदी जी। मोदी जी हर तरह से भाई है । उनका भाईचारा पूरे देश ने देखा है ,देख रहा है। मोदी जी का मुकाबला राहुल गांधी के भाईचारे से नहीं है ,क्योंकि विपक्ष ने अब तक अबकी बार राहुल गांधी की सरकार का नारा नहीं दिया है। नारा अबकी बार इंडिया गठबंधन की सरकार का भी ढंग से नहीं गूंजा है । विपक्ष को एक स्पष्ट नारा ,एक स्पष्ट चेहरा भी मोदी जी के मुकाबले रखना चाहिए था । खैर अब देर हो चुकी है । विपक्ष को सत्तापक्ष से कैसे लड़ना है ये विपक्ष जाने । हमारा काम हम कर रहे हैं। मतदाताओं को अपना काम करना चाहि।

भारत में फिर एकबार, चुनौती विहीन राजनीति...

-ओमप्रकाश मेहता

इतिहास हर जगह अपने आपको दोहराता है, फिर चाहे राजनीति ही क्यों न हो? आज से अर्द्धशतक वर्ष पहले अपनी ह्यदादागिरीह्न के बलबूते पर जहां कांग्रेस नैत्री इंदिरा जी ने देश में आपातकाल लगाकर उन्नीस महीनें तक तानाशाहीपूर्ण शासन चलाया था और प्रतिपक्षी संयुक्त संगठनों को जेल में डाल दिया था, अब थोड़े कुछ बदलाव के साथ पुनः देश में वही हालात बनाने की तैयारी की जा रही है, इंदिरा जी के समय जनसंघ सहित अन्य दलों के नेताओं ने एकजुट होकर जनता पार्टी का गठन कर प्रतिरोध की कौशिश की थी, आज भी कांग्रेस सहित प्रतिपक्षी दल ह्यइंडियाह्न नामक संयुक्त गठबंधन तैयार कर मोदी सरकार के प्रतिरोध की तैयारी में जुटे है और अगले माह शुरू होने वाले राजनीतिक चुनावी माहसमर की तैयारी कर रहे है, लेकिन वास्तविकता यही है कि न तो कोई मोदी और न ही भारतीय जनता पार्टी के सामने कोई सक्षम विरोधी दल है, जहां तक कथित रूप से मुख्य प्रतिपक्षी दल कांग्रेस का सवाल है, वह तो वैसे ही ह्यमृत्युशैय्याह्न पर अपनी अंतिम सांस का इंतजार कर रही है, कांग्रेस को इस स्थिति तक पहुंचाने में भाजपा का कोई योगदान नही है, वह स्वयं ही इस स्थिति की जिम्मेदार है, ऐसा कहा जाता है न कि जो पैदा करता है, वहीं उसे खत्म करने का अधिकारी होता है, तो कांग्रेस के साथ भी ऐसा ही है, नेहरू खानदान के मोतीलाल नेहरू इस दल के जन्मदाताओं में से एक थे और अब उनकी पांचवीं पीढ़ी ही आज इस दल का अस्तित्व खत्म करने में जुटी है और इसमें कोई शक नही कि उनके ऐसे ही प्रयास चलते रहे तो देश का यह सबसे बुजुर्ग राजनीतिक दल भारत की धरती से विदाई ले लेगा। अभी तो आसार ऐसे ही नजर आ रहे है और इन्ही आसारों के आधार पर मोदीजी यह कह रहे है कि उनकी (आजादी के शताब्दी वर्ष) पर है, इस कथन पर मोदी जी को इसलिए दाद देनी पड़ेगी, क्योंकि वे 2047 अर्थात अपनी 96 साल की उम्र के लिए भी आसमानी हौसले रखते है। क्या उनका यह कथन कि ह्यवे हेड लाईन नहीं, बल्कि डेड लाईन पर काम करते हैह्नह्न, उनकी इसी ह्यशुभैच्छाह्न का संकेत तो वे नहीं दे रहे है? देश, राजनीति और परिस्थितियों की जो भी स्थिति हो, किंतु हालात तो यही बन रहे है कि अब भारतीय राजनीति का भविष्य एकमेव रूप से मोदी जी और भाजपा के ही हाथों में आ गया है और अब उनके सामने आज और निकट भविष्य में कोई चुनौती भी नहीं है। वे जब तक चाहें राज करें, 2024 क्या, मौजूदा हालात को देखते हुए 2047 में भी मोदी के सामने कोई चुनौती की संभावना नही है। हमारे देश की आजादी के बाद पंडित जवाहर लाल नेहरू तथा उनकी बेटी इंदिरा जी ने करीब सत्रह-सत्रह साल प्रधानमंत्री के बतौर राज किया और इस लिहाज से मोदी जी के प्रधानमंत्रित्व काल के तो अभी दस साल याने एक दशक ही गुजरा है, अभी नेहरू-इंदिरा की शासन अवधि की चुनौती के लिए उनके सामने सात-आठ साल का समय है, इसलिए यदि मोदी जी 2047 तक के लिए अपना सुनहरा भविष्य देख रहे है, तो क्या गलत है? और चूंकि देश में भाजपा के बाद एकमात्र कांग्रेस ही राष्ट्रीय दल है और उसकी स्थिति किसी से भी छुपी नही है, इसलिए मोदी जी के कथन को ह्यगर्वोक्तिह्न की श्रेणी में न लेकर उसे वास्तविकता से जोड़कर देखा जाना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष दिन शानदार होगा। आपको आज धन के लेनदेन में थोड़ा सा सावधान रहने की जरूरत है।	**तुला** आज सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी।
वृषभ आज का दिन सुख शांति का है और आपको हर कार्य में किस्मत का साथ मिलेगा।	**वृश्चिक** परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। आज आपको धन समृद्धि के मामले में लाभ होगा।
मिथुन समस्या वाला रहेगा और आज किसी वस्तु के खोने या फिर चोरी होने की आशंका है।	**धनु** आर्थिक मामलों में लाभ होगा और आपको प्रशंसा प्राप्त होगी। शासन सत्ता पक्ष से लाभ मिलेगा।
कर्क आपकी उत्तम संपत्ति में वृद्धि होगी। आपकी आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।	**मकर** आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगा। क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे।
सिंह आज ग्रहों की दशा आपके लिए शुभ है। आज आपके लिए आमदनी के नए स्रोत बनेंगे।	**कुंभ** भाग्य में वृद्धि के योग बन रहे हैं। आज साथ के लोगों के किसी प्रकार का विवाद हो सकता है।
कन्या सफलता प्राप्त होगी। व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी।	**मीन** संतान की चिंता में आज दिन बीतेगा। जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा।

विशेष

चुनावी बांड की जानकारी चुनाव आयोग की साइट पर

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भारतीय स्टेट बैंक ने चुनाव बांड से संबंधित खरीदने वालों और जिन पार्टियों को बॉंड की राशि मिली है। उसकी जानकारी वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। इस जानकारी को देखने के बाद यह पता लगा पाना बड़ा मुश्किल है। किसने बांड खरीदे, और किस पार्टी को दिए हैं। फिर भी इतना तो स्पष्ट हो गया है, कि सबसे ज्यादा चंदा भारतीय जनता पार्टी को मिला है। एक करोड़ चंदा देने वालों की सूची में दानदाताओं की पहली पसंद भारतीय जनता पार्टी रही है। चंदा देने वालों में प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों और कई ऐसे नाम है। जिनके बारे में आसानी के साथ कोई लिंक जोड़ पाना मुश्किल है।

सीएए कानून में राज्यों की कोई भूमिका नहीं

नागरिक संहिता कानून (सीएए) केंद्र सरकार का कानून है। इस कानून में राज्यों की कोई भूमिका नहीं है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में कानून लागू नहीं करने की बात कही है। नागरिकता देना केंद्र सरकार के अधिकार में है। केंद्र सरकार ने इसके लिए एक पोर्टल लांच कर दिया है। जिसमें लोग आवेदन करेंगे। फैसला केंद्र सरकार को करना है। इसमें राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1944: आजाद हिंद फौज ने पूर्वोत्तर भारत में राष्ट्रीय ध्वज फहराया. 1972: भारत और बांगलादेश में 25 वर्षीय शांति और मैत्री संधि हुई. 1563: फ्रांस में प्रथम धर्मयुद्ध समाप्त, 1777: रूस ने तुर्की के खिलाफ जंग का ऐलान किया था. 1799: नेपोलियन बोनापार्ट ने एक्रे इसरायल की नाकेबंदी की. 1880: स्पेन नरेश चार्ल्स ने गद्दी छोड़ी. 1812: स्पेन में नया कानून पारित हुआ. 1933: इटली के तानाशाह बेनिटो मुसोलिनी ने ब्रिटेन,फ्रांस और जर्मनी से समझौते का प्रस्ताव किया. 1962: फ्रांस और अल्जीरिया के राष्ट्रवादियों के बीच समझौते के बाद संघर्ष काफी हद तक समाप्त हो गया. 1971: साओ बाव्लो,ब्राजील में 60 व्यक्ति भूस्खलन में मारे गए. 1977: कांगो के राष्ट्रपति मारिएन एन्गोआबी की हत्या हुई थी. 1813: इंग्लैंड के खोजी मिशनरी डेविड लिविंग्स्टन का जन्म.

दैनिक पंचांग

19 मार्च 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2024 वर्ष का 79 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 00.22 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 20.10 बजे को समाप्त।
योग शोभन 16.37 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 11.32 बजे तदनन्तर गर 00.22 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 8.6 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 00° 27'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871923
जूलियन दिन 2460388.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना रमजान
तारीख 08

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	05.51 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मेष	07.25 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	09.05 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.03 बजे से
गुरु	मेष में	कर्क	13.17 बजे से
शुक्र	कुंभ में	सिंह	15.33 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	17.45 बजे से
राहु	मीन में	तुला	19.55 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.10 ब.से
राहुकाल		धनु	00.26 बजे से
3.00 से 4.30		मकर	02.31 बजे से
बजे तक		कुंभ	04.18 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

घर पर आसानी से उगाया जा सकता है हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से।

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं। मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें। बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

अपने बच्चे को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए करें प्रोत्साहित

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि समर वेकेशन की इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है। सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें ।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकून के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं। पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय रखें ध्यान

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डे बल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ.आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

संक्षिप्त समाचार

चीन की अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत, रियल एस्टेट क्षेत्र में अभी भी तनाव

हांगकांग, एजेंसी। चीन के विनिर्माण और निवेश में 2024 के पहले दो महीनों में सुधार हुआ है, जबकि रियल एस्टेट क्षेत्र अभी भी कमजोर बना हुआ है। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने सोमवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया कि जनवरी-फरवरी में औद्योगिक उत्पादन सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा विश्लेषकों के अनुमान से बेहतर है। इस दौरान कारखानों और उपकरणों पर खर्च 4.2 प्रतिशत बढ़ गया। दूसरी ओर जनवरी-फरवरी में रियल एस्टेट क्षेत्र सुस्त रहा और इसमें पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले नौ प्रतिशत की गिरावट हुई। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के प्रवक्ता लियू एहुआ ने कहा कि संपत्ति बाजार अभी भी समायोजन और बदलाव के दौर से गुजर रहा है लेकिन इस महीने की शुरुआत में चीन के वार्षिक विधायी सत्र में घोषित नीतियों से स्थिर और स्वस्थ वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। इन नीतियों में डेवलपर्स के लिए वित्तपोषण बढ़ाने और अधिक किफायती आवास बनाने की बात शामिल है।

जोमैटो को मिला 8.57 करोड़ का जीएसटी नोटिस

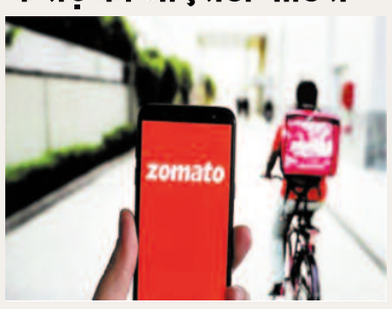

नईदिल्ली एजेंसी। फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो को 8.57 करोड़ रुपए से ज्यादा का जीएसटी ऑर्डर मिला है। गुजरात स्टेट टैक्स के डेप्युटी कमिश्नर ने फाइनेंशियल ईयर 2018-19 के संबंध में कंपनी को यह ऑर्डर जारी किया है। जोमैटो ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि ऑर्डर में कंपनी से 4,11,68,604 रुपए के जीएसटी का पेमेंट करने को कहा गया है। इसके साथ 4,04,42,232 रुपए का ब्याज और 41,66,860 रुपए का जुर्माना भरने को भी कहा गया है। टोटल यह अमाउंट 8,57,77,696 रुपए होता है। यह आदेश जीएसटी रिटर्न्स और अकाउंट्स के ऑडिट के बाद आया है। जोमैटो ने कहा कि जीएसटी ऑर्डर सीजीएसटी एक्ट 2017 के सेक्शन 73 और सीजीएसटी एक्ट 2017 के तहत जारी हुआ है। आदेश में कहा गया कि ऑडिट में पाया गया कि कंपनी ने एडिशनल इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ लिया और जीएसटी का कम भुगतान किया। इसके चलते यह जीएसटी ऑर्डर जारी हुआ है। जोमैटो का कहना है कि उसने कारण बताओ नोटिस के जवाब में सभी मसलों पर संबंधित दस्तावेजों, सर्कुलर्स आदि के साथ चीजें साफ कर दी थीं लेकिन ऐसा लगता है कि अधिकारियों ने ऑर्डर पास करते हुए उन पर पूरी तरह से विचार नहीं किया। जोमैटो ने आगे कहा कि वह उचित अधिकारियों के समक्ष इस आदेश को चुनौती देगी। जोमैटो का शेयर शुक्रवार (15 मार्च) को 4.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 159.90 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी का मार्केट कैप 1.39 लाख करोड़ रुपए है। शेयर ने पिछले एक साल में अपने निवेशकों को 191.26 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

20 महीने के टॉप पर पहुंचा एक्सपोर्ट

अमेरिका, यूएई और सिंगापुर को निर्यात में शानदार तेजी

अमेरिका को पॉलिश्ड डायमंड से ज्यादा स्मार्टफोन का निर्यात

नईदिल्ली एजेंसी। एक्सपोर्ट के मोर्चे पर अच्छी खबर है। फरवरी में देश का निर्यात 20 महीने के टॉप पर पहुंच गया है। इस दौरान अमेरिका, यूएई, सिंगापुर और दक्षिण अफ्रीका को निर्यात में उछाल के कारण एक्सपोर्ट में डबल डिजिट ग्रोथ देखने को मिली है। लगातार तीसरे महीने भारत से एक्सपोर्ट में तेजी आई है। फरवरी में अमेरिका को एक्सपोर्ट 22 फीसदी तेजी के साथ 7.2 अरब डॉलर पहुंच गया। इसी तरह यूएई को एक्सपोर्ट में 23.1 फीसदी तेजी आई है जबकि सिंगापुर को निर्यात में 51.6 फीसदी की तेजी आई है। साउथ अफ्रीका के लिए एक्सपोर्ट फरवरी में 100 फीसदी बढ़ गया। हालांकि इस दौरान हॉन्ग कॉन्ग को एक्सपोर्ट में 27.9 फीसदी की गिरावट आई है।

बिजनस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत से अमेरिका एक्सपोर्ट होने वाले आइटम्स की लिस्ट में स्मार्टफोन सबसे ऊपर हैं। जनवरी में भारत से 53 करोड़ डॉलर के स्मार्टफोन अमेरिका एक्सपोर्ट किए गए। पिछले साल के मुकाबले इसमें 79 फीसदी तेजी आई है। इसके साथ ही भारत से अमेरिका को एक्सपोर्ट होने वाले आइडटम्स की लिस्ट में पॉलिश्ड डायमंड दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। इस दौरान भारत से अमेरिका को 38 करोड़ डॉलर के पॉलिश्ड डायमंड एक्सपोर्ट किए गए। फाइनेंशियल ईयर 2024 के अप्रैल से जनवरी के आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका को 4.1 अरब डॉलर के स्मार्टफोन एक्सपोर्ट किए गए जबकि यूएई को 2.2 अरब डॉलर का शिपमेंट भेजा गया। फरवरी में इलेक्ट्रॉनिक गुड्स के निर्यात में 54.8 फीसदी की तेजी आई।

भारत से क्या हो रहा एक्सपोर्ट

फरवरी में यूएई को एक्सपोर्ट 23.1 फीसदी बढ़कर 3.5 अरब डॉलर पहुंच गया। अमेरिका के बाद यूएई भारत का दूसरा बड़ा एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन है। यूएई को 31.7 करोड़ डॉलर का गोल्ड, 23.7 करोड़ डॉलर के स्मार्टफोन और 24.3 करोड़ डॉलर का मोटर गैसोलीन एक्सपोर्ट किया गया। इसी तरह सिंगापुर को एक्सपोर्ट फरवरी में 51.6 परसेंट बढ़ गया। इस देश को पेट्रोलियम प्रॉडक्ट्स के एक्सपोर्ट में 280 फीसदी तेजी आई है। इसी तरह दक्षिण अफ्रीका को एक्सपोर्ट दोगुना होकर 1.16 अरब डॉलर हो गया। अप्रैल-जनवरी के आंकड़े देखें तो भारत के एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन में यह देश 16वें से उछलकर 10वें नंबर पर आ गया है। दक्षिण अफ्रीका को एक्सपोर्ट होने वाले आइटम्स में पेट्रोलियम प्रॉडक्ट्स सबसे आगे है। अप्रैल से सितंबर तक देश से पेट्रोलियम प्रॉडक्ट्स के एक्सपोर्ट में गिरावट आई थी। लेकिन अक्टूबर से इसमें लगातार तेजी दिख रही है। जनवरी में भारत से दक्षिण अफ्रीका के लिए पेट्रोलियम प्रॉडक्ट्स के एक्सपोर्ट में 89 फीसदी तेजी आई और यह 21.9 करोड़ डॉलर पहुंच गया। फरवरी में भारत से सऊदी अरब को एक्सपोर्ट में 50 फीसदी तेजी आई। इसी तरह नीदरलैंड को एक्सपोर्ट 26.7 फीसदी, यूके को 31.9 फीसदी, बांग्लादेश को 18.1 फीसदी और चीन को 13.3 फीसदी बढ़ गया। हालांकि हॉन्ग कॉन्ग को एक्सपोर्ट में 27.9 फीसदी की गिरावट आई।

फोन पे अलग होने से फ्लिपकार्ट के मूल्यांकन पर पड़ा प्रभाव, घटकर पहुंचा 41 हजार करोड़

नई दिल्ली एजेंसी। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट का मूल्यांकन दो साल में 41,000 करोड़ रुपये घट गया है। 31 जनवरी, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष में इसका मूल्यांकन 40 अरब डॉलर था, जो 31 जनवरी, 2024 को घटकर 35 अरब डॉलर रह गया। फ्लिपकार्ट के मूल्यांकन में गिरावट की वजह फोनपे को अलग कंपनी के रूप में विभाजित करने से हुआ है। सूत्रों का दावा है कि फ्लिपकार्ट का मौजूदा मूल्यांकन 38-40 अरब डॉलर के बीच है। इसकी मूल कंपनी वॉलमार्ट ने वित्त वर्ष 2021-22 में फ्लिपकार्ट में आठ प्रतिशत हिस्सेदारी को 3.2 अरब डॉलर में बेचा था। इस हिसाब से ई-कॉमर्स कंपनी का मूल्यांकन 40 अरब डॉलर बैठता है। 2023-24 में फ्लिपकार्ट ने 3.5 अरब डॉलर का भुगतान कर कंपनी में अपनी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत बढ़ाकर 85 प्रतिशत कर दी।

प्रॉपर्टी टैक्स में बढ़ोतरी के लिए 5-5 कैंप लगाने का आदेश, शनिवार-रविवार को भी होगा काम

नईदिल्ली एजेंसी। प्रॉपर्टी टैक्स विभाग ने हर जोन में तैनात इंस्पेक्टर्स को पांच-पांच कैंप लगाने का आदेश दिया है जिससे कि कैंप में आकर ज्यादा से ज्यादा लोग अपने प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान कर सके। कैंप लगाने में किसी तरह के फर्जीवाड़े की संभावना को देखते हुए हेड क्वॉर्टर ने कैंप की वीडियो भेजने का आदेश भी दिया है। अधिकारियों का कहना है कि 3,500 करोड़ के टारगेट को पूरा करना भले ही असंभव लग रहा है, लेकिन उनकी कोशिश रहेगी कि 31 मार्च तक पिछले साल के टारगेट (2400 करोड़) तक पहुंचें।

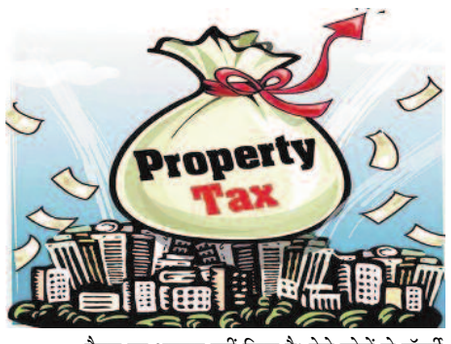

प्रॉपर्टी टैक्स विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अभी तक 11.62 लाख प्रॉपर्टी मालिक अपने प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान कर चुके हैं। एमसीडी को प्रॉपर्टी टैक्स के रूप में 1,887 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। इस हिसाब से देखा जाए तो 2,400 करोड़ का टारगेट पूरा होने में 513 करोड़ की कमी है। पिछले साल 13.29 लाख लोगों ने प्रॉपर्टी टैक्स जमा कराया था। इन आंकड़ों के हिसाब से देखा जाए तो अभी तक लगभग 1.67 लाख लोगों ने अपने प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान नहीं किया है। ऐसे लोगों से प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली करने के लिए प्रॉपर्टी टैक्स विभाग ने अब अपने इंस्पेक्टरों को एक्टिव करने की योजना बनाई है। एक इंस्पेक्टर को अपने इलाके में कम से कम पांच कैंप लगाने के लिए कहा है। अधिकारी ने बताया कि 12 जोन में प्रॉपर्टी टैक्स विभाग के 150 से अधिक इंस्पेक्टर तैनात हैं। इस तरह आने वाले 15 दिन के भीतर लगभग 600 कैंप लगाए जा सकते हैं। अधिकारियों का कहना है कि इलाके की आरडब्ल्यूए, मार्केट असोसिएशन और ग्रुप हाउसिंग सोसायटीज के सहयोग से लगाए जाने वाले कैंपों के माध्यम से इतनी धनराशि अवश्य आ जाएगी जिससे पिछले साल के टारगेट तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा।

टोरेंट पावर को मिला बड़ा सोलर प्रोजेक्ट का ऑर्डर

नईदिल्ली एजेंसी। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को पावर सेक्टर से जुड़ी कंपनी- टोरेंट पावर के शेयर को खरीदने की लूट मच गई। दरअसल, कंपनी को 300 मेगावाट की विंड सोलर हाइब्रिड परियोजनाएं स्थापित करने के लिए लेटर ऑफ अवॉर्ड मिला है। टोरेंट पावर ने स्टॉक एक्सचेंज को इस ऑर्डर के बारे में जानकारी दी है।

शेयर का हाल

टोरेंट पावर के शेयर बीएसई पर 1185.40 के भाव पर खुले और 7 प्रतिशत की तेजी के साथ इंट्राडे में 1249.25 के उच्चतम स्तर और 1184 प्रति शेयर के न्यूनतम स्तर को छू गए। 11 मार्च 2024 को यह शेयर 1,288.45 रुपये के भाव तक गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। टोरेंट पावर के 300 मेगावाट की विंड सोलर हाइब्रिड परियोजना की कीमत 3650 करोड़ रुपये है। परियोजना का टैरिफ 3.65 रुपये प्रति किलोवाट होगा, जिसकी कॉन्ट्रैक्ट अवधि 25 वर्ष होगी। यह परियोजना टोरेंट पावर की वितरण इकाई द्वारा प्रोवाइड की गई थी। यह परियोजना बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के 24 महीने के भीतर चालू हो जाएगी। बता दें कि पिछले हफ्ते कंपनी को 1,540 करोड़ रुपये का सोलर प्रोजेक्ट मिला था।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

जपासिया के एक्सपर्ट रुचित जैन के अनुसार-टोरेंट पावर शेयर की प्रवृत्ति सकारात्मक बनी हुई है। वहीं, एंजेल वन के राजेश भोसले ने कहा- बाजार में मौजूदा मंदी के बावजूद यह शेयर लगभग 6 प्रतिशत बढ़ गया है। यह उछाल मजबूत ट्रेडिंग वॉल्यूम के साथ है, जो आगे और तेजी की संभावना का संकेत देता है। यह अनुमान लगाया जा सकता है कि निकट भविष्य में शेयर 1350 रुपये तक जा सकता है। वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही यानी अक्टूबर से दिसंबर के बीच टोरेंट पावर का प्रॉफिट 47.4 प्रतिशत घटकर 359.83 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही की तुलना में वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में बिक्री 1.2 प्रतिशत घटकर 6,366.09 करोड़ रुपये हो गई।

वाहन कंपनियों की नजर शहरों के मुकाबले गांव-देहात पर, एफवाय 25 में 5 प्रतिशत तक बढ़ सकती है बिक्री

नईदिल्ली एजेंसी। पिछले कुछ वर्षों में गांव-देहात में शहरों के मुकाबले ज्यादा यात्री वाहन बिक रहे हैं। यह देखकर यात्री वाहन कंपनियां छोटे शहरों एवं नए बाजारों में कारोबार फैलाने में जुट गई हैं। वाहन उद्योग का अनुमान है कि वर्ष 2024-25 में यात्री वाहनों की बिक्री औसतन 3-5 प्रतिशत बढ़ सकती है। इस उद्योग के प्रतिनिधियों के अनुसार गांव-देहात में यात्री वाहनों की बिक्री परवान चढ़ते देख वहां कारोबारी तंत्र का विस्तार करना जरूरी हो गया है। वर्ष 2023-24 में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 42 लाख रहने का अनुमान है। मारुति सूजुकी इंडिया में वरिष्ठ कार्याधिकारी (प्रचार एवं बिक्री) शशांक श्रीवास्तव कहते हैं, 'पिछले कुछ वर्षों के दौरान ग्रामीण इलाकों में शहरी क्षेत्र की तुलना में यात्री वाहनों की बिक्री अधिक रही है। कोविड महामारी के दौरान जब शहरी इलाकों में बिक्री की रफ्तार पर ब्रेक लग गया था तब

गांव-देहात में ऐसे वाहनों की बिक्री फर्राटा भर रही थी। यात्री वाहनों की कुल बिक्री की बात करें तो इसका लगभग 32-33 प्रतिशत हिस्सा गांव-देहात झटक लेते हैं। मतलब साफ है कि हमें देश के ग्रामीण इलाकों में अपना कारोबार फैलाने पर अब औरअधिक ध्यान देना होगा।' इस समय मारुति की 45 प्रतिशत कारें गांव-देहात में ही बिकती हैं। श्रीवास्तव ने कहा कि वर्ष 2018-19 में आंकड़ा लगभग 38 प्रतिशत रहा था।

श्रीवास्तव ने कहा, 'देश के ग्रामीण इलाकों में ग्राहकों की पसंद-नापसंद समझनी पड़ती है और उनकी भावनाओं को भी समझना पड़ता है। डीलरों को नए ग्राहक बनाने के लिए लोगों से व्यक्तिगत स्तर पर जुड़ना पड़ता है। सरपंच या मुखिया अपने क्षेत्रों में खासा प्रभाव रखते हैं। वाहन कंपनियां ग्रामीण क्षेत्रों में कई बड़े कार्यक्रम आयोजित करती हैं और स्थानीय स्तर पर प्रभावशाली लोगों के साथ जुड़ने को कोशिश कर रही हैं।' देश में 6.50 लाख गांव हैं और इनमें 4.10 लाख गांवों में कम से कम एक मारुति कार है। श्रीवास्तव ने कहा कि मारुति के पास अब भी 2.50 लाख गांवों में पहुंचने की गुंजाइश बची हुई है। श्रीवास्तव के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में यात्री वाहनों की बिक्री में 3 से 5 प्रतिशत दर से इजाफा हो सकता है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने बताया, 'वित्त वर्ष 2024 में टाटा मोटर्स की कारों की बिक्री वित्त वर्ष 2020 की तुलना में 5 गुना अधिक रही है। इनमें गांव-देहात में बिक्री 40 प्रतिशत तक रही है।

एक हफ्ते में हाथ लगा तीसरा बड़ा ऑर्डर, 3 दिन में 20 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए स्मॉलकैप कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन के शेयर

नईदिल्ली एजेंसी। स्मॉलकैप कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन के शेयर शुक्रवार को 8 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 378 रुपये पर पहुंच गए हैं। रेलटेल को वीकेंड पर एक और ऑर्डर मिला है। पिछले 7 दिन में कंपनी को 3 बड़े ऑर्डर मिल गए हैं। वहीं, पिछले 3 दिन में रेलटेल के शेयरों में 20 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 13 मार्च 2024 को 308.40 रुपये पर थे। रेलटेल के शेयर 18 मार्च को 378 रुपये पर पहुंच गए हैं। रेलटेल के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 491.15 रुपये है। रेलटेल ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि उसे म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन ऑफ ग्रेटर मुंबई से एक वर्क ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर बीएमसी के हेल्थ डिपार्टमेंट के लिए है। इस ऑर्डर में कंपनी को ॥स्ड्ढस् की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग, कमीशनिंग, ऑपरेशंस एंड मेंटीनेंस का काम करना है। इस ऑर्डर की टोटल वैल्यू 351.95 करोड़ रुपये की है। वहीं, शनिवार को रेलटेल को 130 करोड़ रुपये का एक ऑर्डर और मिला है। यह ऑर्डर बिहार एजुकेशन प्रोजेक्ट काउंसिल के स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर से मिला है। इससे पहले, कंपनी को उड़ीसा में 14 मार्च और 4 मार्च को दो ऑर्डर मिले हैं। इन ऑर्डर्स की वैल्यू क्रमश- 114 करोड़ रुपये और 87 करोड़ रुपये की है। मार्च महीने में कंपनी को मिला यह चौथा ऑर्डर है। रेलटेल कॉरपोरेशन के शेयरों में पिछले एक साल में 260 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। कंपनी के शेयर 20 मार्च 2023 को 102.20 रुपये पर थे। रेलटेल के शेयर 18 मार्च 2024 को 378 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों में 70 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। रेलटेल के शेयर 18 सितंबर 2023 को 216.35 रुपये पर थे, जो कि 18 मार्च 2024 को 378 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

20 साल की उम्र में बेचे मसाले, डूबी कंपनी तो प्रॉपर्टी बेच शुरू किया नया बिजनेस, आज करोड़ों में है नेटवर्थ

नईदिल्ली एजेंसी। दुनिया में सफल होना सब चाहते हैं लेकिन ज्यादातर लोग असफलता मिलने पर निराश हो जाते हैं। ऐसे लोग बहुत ही कम हैं जो अपनी असफलताओं से सीखते हैं और हार न मानकर सफलता पाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है मालाबार गोल्ड कंपनी के फाउंडर एमपी अहमद ने। एक समय ऐसा था जब एमपी अहमद मसाले बेचा करते थे। लेकिन इसमें उन्हें सफलता नहीं मिली। 20 साल तक पहुंचते-पहुंचते एमपी अहमद ने 1979 में मसालों का कारोबार शुरू किया था। केरल के कोझीकोड में उन्होंने काली मिर्च, धनिया और नारियल का बिजनेस शुरू किया था। कुछ दिन तो इस बिजनेस को चलाया, लेकिन जल्द ही उन्हें अहसास हो गया कि यह कारोबार चलने वाला नहीं है। इसके बाद उन्होंने इस बिजनेस को बंद कर दिया और मार्केट रिसर्च करना शुरू किया। आज

एमपी अहमद 27 हजार करोड़ रुपये की कंपनी के मालिक हैं। हालांकि ये सफर इतना आसान नहीं था। इसमें उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा था।

जब मसालों का बिजनेस नहीं चला तो एमपी अहमद ने बाजार में रिसर्च शुरू की। रिसर्च करने के दौरान अपने जन्मस्थान मालाबार में उन्होंने देखा कि लोग निवेश और उत्सव दोनों ही मौकों के लिए गोल्ड पर सबसे ज्यादा भरोसा करते हैं। यहीं से एमपी अहमद को ज्वैलरी बिजनेस का आईडिया आया। लेकिन इसे शुरू करने के लिए उनके पास पूंजी नहीं थी। पैसा जुटाने के लिए उन्होंने अपनी प्रॉपर्टी बेच दी और 50 लाख रुपये जुटाकर बिजनेस की शुरुआत की। एमपी अहमद ने साल 1993 में 400 वर्गफुट की पहली शॉप कोझिकोड में खोली थी। यहीं से मालाबार गोल्ड और डायमंड की शुरुआत हुई।

ऐसे मिली सफलता

एमपी अहमद का मुख्य उद्देश्य लोगों को सही कीमत पर क्वालिटी प्रोडक्ट्स उपलब्ध कराना था। इसका उन्हें फायदा मिला। एमपी अहमद का बिजनेस चल निकला। वे सोने की ईंट यानी गोल्ड बार खरीदते और खुद ज्वैलरी बनाकर बेचते थे। अहमद ने अपने कारीगरों के जरिये खुद ज्वैलरी बनाने का फैसला किया था। डिजाइन और कलेक्शन ने ग्राहकों को लुभाया और स्टोर चल पड़ा। इसके बाद उन्होंने तिरूर और थेलिचेरी में दो और स्टोर खोले। कोझिकोड में भी उन्होंने पुराना स्टोर बंद करके साल 2015 में 4 हजार वर्गफुट में नया स्टोर खोल दिया। क्वालिटी को बनाए रखने के लिए उन्होंने 1999 में बीआईएस हॉलमार्क वाली ज्वैलरी बेचनी शुरू की। इससे लोगों का भरोसा बढ़ा और उनका बिजनेस लगातार सफलता की सीढ़ियां चढ़ने लगे।

मिड और स्मॉलकैप में एसआईपी बेहतर तरीका, सस्ते भाव में मिल सकते हैं म्यूचुअल फंड यूनिट

नईदिल्ली एजेंसी। विश्लेषकों का कहना है कि मिड और स्मॉलकैप शेयरों का मूल्यांकन अभी बहुत ज्यादा है। पिछले कुछ वर्षों में इन दोनों में जमकर निवेश आया है। हालांकि, इन्होंने रिटर्न भी बहुत ज्यादा दिया है। ऐसे में पिछले रिटर्न को देखकर अगर कोई निवेश करता है तो यह जोखिम हो सकता है। निवेशकों को जोखिम से बचाने के लिए ही सेबी ने हाल में फैसला लिया है। जानकारों का कहना है कि अगर मिड और स्मॉलकैप में निवेश करना है तो आप एकमुश्त निवेश बिलकुल मत करिये। लंबे समय के लिए आप एसआईपी कर सकते हैं। इस समय मूल्यांकन गिरा है, ऐसे में सस्ते भाव में आपको म्यूचुअल फंड यूनिट मिल जाएंगे। ध्यान रखें, निवेश कम से कम पांच साल के लिए हो।

सेबी दरअसल निवेशकों की सुरक्षा करना चाहता है। इसलिए उसने 27 फरवरी को फंड हाउसों को पत्र लिखा। इसमें मिड कैप और स्मॉल कैप पर चिंता जताया। इसने कहा, निवेशकों के हितों की सुरक्षा के लिए फंड हाउस नीति तैयार करें। फंड हाउसों को भी यह बात पता थी कि मूल्यांकन ज्यादा है। सेबी ने स्ट्रेस टेस्ट का परिणाम 15 मार्च तक वेबसाइट पर डालने को कहा। हालांकि, पहले भी फंड

हाउस अपने स्तर पर यह काम करते थे, पर यह कभी सार्वजनिक नहीं हुआ। इस बार फंड हाउसों को जब इसे सार्वजनिक करना पड़ा तो बाजार में हाहाकार मच गया।

स्ट्रेस टेस्ट का मतलब है कि अगर कभी अचानक मिड और स्मॉलकैप में भारी निकासी आ जाए तो उससे कैसे निपटा जा सकता है। ज्यादा निकासी पर कितने दिन में इसे पूरा किया जा सकता है। स्टॉक में तरलता कितने दिनों की है। दरअसल, जो भारी निवेश इन दोनों सेगमेंट में आया है और रिटर्न चौंकाने वाला है, उसे देखकर नए निवेशक आ रहे हैं। जबकि इन दोनों सेगमेंट में बहुत ज्यादा तरलता नहीं होती है। ऐसे में फंड हाउस निवेशकों की ओर से आ रहे पैसों को कहां लगाएंगे, यह भी सुनिश्चित करना होगा।

फरवरी में फंड हाउसों ने बेचे स्मॉलकैप

ज्यादातर फंड हाउसों ने फरवरी में स्मॉलकैप शेयर बेचे हैं।कुछ ने मिडकैप में खरीदी की है। फंड हाउसों ने हाल में ज्यादातर निवेश इन्हीं दोनों सेगमेंट में किया है। ज्यादा खरीदारी से इन शेयरों ने 70-80 फीसदी तक रिटर्न दिया है। इसी रिटर्न को देखकर खुदरा निवेशक लगातार पैसे लगा रहे थे। ऐसे में इन शेयरों में कभी भी भारी निकासी होने की आशंका है। बाजार विशेषज्ञ अनुराग शाह के मुताबिक मिड व स्मॉलकैप शेयरों में उठापटक को देखते हुए संभलकर निवेश करें। अभी मूल्यांकन काफी ऊंचा है, जब तक इनमें गिरावट न आए, लंबे समय के लिए एसआईपी निवेश का रास्ता अपना सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ड्रेसिंग रूम में क्या है सबसे अलग, रॉबिन उथप्पा ने उठाया राज से पर्दा

नईदिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के कुल 14 सीजन खेले हैं, जिसमें से पांच बार सीएसके ने आईपीएल ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में ये टीम आईपीएल इतिहास की सबसे सफल टीम बनी है। सीएसके की टीम को सफल बनाने के पीछे एक नहीं कई सारे कारण हैं, जिसमें से धोनी की कप्तानी भी एक है। सीएसके की ओर से खेल चुके रॉबिन उथप्पा ने

बताया है कि कौन सी बातें हैं, जो सीएसके को सबसे अलग बनाती हैं। सीएसके की सफलता में ड्रेसिंग रूम के माहौल और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का रोल कितना बड़ा है, इस पर जियो सिनेमा पर चर्चा हुई। रॉबिन उथप्पा ने जियो सिनेमा पर कहा, यह काफी सारी चीजों का मिश्रण है। जिस तरह से खिलाड़ियों को ट्रीट किया जाता है, सभी टीम में सुरक्षित महसूस करते हैं और अच्छा प्रदर्शन करते हैं और इस तरह से सभी दमदार प्रदर्शन करते हैं। सुरेश रैना जैसे खिलाड़ी आए और उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। इसके बाद आपके पास मैथ्यू हेडेन, माइकल हस्सी, शेन वॉटसन और फैफ डुप्लेसी जैसे खिलाड़ी आए और उन्होंने सफलता हासिल की। टीम में मुरली विजय आए और अपनी क्षमता के हिसाब से प्रदर्शन किया, हम सब जानते थे कि वह इस लेवल पर खेल सकते थे, अश्विन भी। आप देख सकते हैं कि बड़े खिलाड़ी आए और उनकी सोच थी कि कुछ तो इस टीम में बात है कि यह सफलता लेकर आती है। जब भी कोई युवा खिलाड़ी टीम में आता है, तो उसके अंदर एक अलग की उत्सुकता होती है। सीएसके हर खिलाड़ी को ऐसा माहौल देता है, जिससे उसके सफल होने के मौके बढ़ जाते हैं। तो सालों से कई चीजें मिलकर सीएसके को सबसे सफल टीम बनाती हैं।

विश्व कप और ओलंपिक चयन ट्रॉयल में शीर्ष पर रहीं तीरंदाज दीपिका

सोनीपत, एजेंसी। दुनिया की पूर्व नंबर एक तीरंदाज दीपिका कुमारी ने रविवार को यहां आगामी विश्वकप और पेरिस ओलंपिक के लिए हुए चयन ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल किया। तीन बार की ओलंपियन दीपिका ने फरवरी में बगदाद एशिया कप में दो स्वर्ण पदक जीतकर वापसी की। वह दिसंबर 2022 में मां बनने के बाद पिछले साल पूरे सत्र में खेल से बाहर रही थीं। दीपिका ने भजन कौर

अंकिता भक्त और कोमालिका बारी के साथ चार सदस्यीय टीम में जगह बनाई। विश्व यूथ की पूर्व चैंपियन बारी सिमरनजीत की जगह शामिल हुईं। भारत को अभी महिला वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करना है। अंताल्या में 18 से 23 जून तक होने वाला विश्वकप ओलंपिक के लिए अंतिम क्वालिफाइंग स्पर्धा है। भारत के लिए अब तक एकमात्र पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले धीरज बोम्मदेवरा पुरुष रिकर्व वर्ग में शीर्ष पर रहे। तरुणदीप राय, प्रवीण जाधव और मृणाल चौहान पुरुष रिकर्व टीम के अन्य सदस्य हैं।

चुनाव आयोग की आइकन बनीं पैरा तीरंदाज शीतल

प्रदर्शनी क्रिकेट मैच भी हुआ आयोजित

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की शीतल ने सोशल मीडिया पर कहा कि उनकी उम्र अभी 17 साल है। वह अगली बार वोटर कार्ड बनवाकर चुनाव के पर्व में हिस्सा लेंगी। भारतीय चुनाव आयोग ने भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के बीच प्रदर्शनी क्रिकेट मैच आयोजित कराया। यह मैच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सहयोग से कराया गया। इस दौरान अर्जुन पुरस्कार विजेता पैरा तीरंदाज शीतल देवी को चुनाव आयोग का पीपल विद डिसएबिलिटी (पीडब्ल्यूडी) श्रेणी का आइकन घोषित किया गया। जम्मू-कश्मीर की शीतल ने सोशल मीडिया पर कहा कि उनकी उम्र अभी 17 साल है। वह अगली बार वोटर कार्ड बनवाकर चुनाव के पर्व में हिस्सा लेंगी। उन्होंने पीडब्ल्यूडी आइकन बनाए जाने पर चुनाव आयोग का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू उपस्थित थे जिन्होंने विजेता टीम को सम्मानित किया।

आर अश्विन क्यों नहीं कर पाए भारत की कप्तानी

स्पिनर ने खुद बताया कारण

नईदिल्ली, एजेंसी। रविचंद्रन अश्विन की गिनती उन भारतीय खिलाड़ियों में होती जो काफी दिमाग लगाते हैं और काफी चालाक हैं। हालांकि, दिग्गज स्पिनर का मानना है कि 'ओवरथिंकिंग' के टैग ने उन्हें नुकसान पहुंचाया है। इस वजह से उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी नहीं मिली। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज में अश्विन ने 100 टेस्ट खेलने की उपलब्धि हासिल की। उन्होंने इस दौरान टेस्ट क्रिकेट में 500 विकेट भी पूरे किए। हालांकि, गेंदबाज के तौर पर बेहतरीन उपलब्धियों और विरोधियों को मानसिक रूप से मात देने की क्षमता के बावजूद अश्विन ने अपने करियर में टीमों का नेतृत्व का मौका काफी कम मिला है। हाल ही में आइडिया एक्सचेंज में यह पूछे गया कि क्या 'ओवरथिंकर' का ठप्पा उनके खिलाफ काम किया है? अश्विन ने कहा, हर किसी के पास अलग-अलग तरीके होते हैं। जो तरीका मेरे लिए काम करता है, वह रविंद्र जडेजा के लिए काम नहीं करेगा। क्रिकेट समुदाय इसे वास्तव में सरल रखना पसंद करता है। जब तक बहुत जरूरत न हो, वे इसे सुधारने का प्रयास नहीं करता।

मुझे केवल दो मौके मिलेंगे

अश्विन ने आगे कहा, मेरा ऐसा विचार है कि उस स्थिति तक पहुंचा ही न जाए, पहले ही इसे ठीक कर लिया जाए। ऐसा क्यों हो रहा है? यह ऐसा प्रश्न है, जिसे लोग नहीं जान पाते। इससे पहले

WPL में दो बार 4-विकेट लेने वाली श्रेयांका पाटिल इकलौती प्लेयर

RCB पहली बार ष्छष्ट से WPL मैच जीता, पेरी ने सबसे ज्यादा रन बनाए; रिकॉर्ड्स

नईदिल्ली। रविवार को पहली बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने विमेंस प्रीमियर लीग में अपना पहला टाइटल जीता। सीजन-2 के खिताबी मुकाबले में टीम ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया। बेंगलुरु ने फाइनल जीतने के साथ ही WPL इतिहास में दिल्ली कैपिटल्स को पहली बार हराया। इससे पहले पिछली चार भिड़ंत में RCB चारों बार हारा था। वहीं, मैच में 4 विकेट लेने वाले श्रेयांका पाटिल WPL में 2 बार 4 विकेट हॉल लेने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। जबकि, RCB की ही एलिस पेरी ने सबसे ज्यादा रन बनाए।

- **पहली बार एक WPL मैच में बॉलर्स ने 9 विकेट लिए-** फाइनल में RCB के स्पिनर्स ने कुल 9 विकेट लिए। ये WPL के एक मैच में में किसी टीम के स्पिनरों द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा विकेट हैं, इससे पहले यह रिकॉर्ड RCB के खिलाफ ही बना था। पिछले सीजन मुंबई के ब्रेबॉर्न स्टेडियम में यूपी वॉरियर्स ने टीम के खिलाफ एक मैच में कुल आठ विकेट लिए थे।
- **WPL में 4 विकेट हॉल लेने वाली पहली खिलाड़ी बनी श्रेयांका-** श्रेयांका पाटिल ने WPL में दो बार चार विकेट लिए हैं, दोनों ही कैपिटल्स के खिलाफ आए। उन्होंने पिछले रविवार को टीम के खिलाफ 26 रन देकर 4 विकेट लिए और अब फाइनल में 12 रन देकर 4 विकेट लेकर दूसरी बार 4-विकेट हॉल पूरा किया। पाटिल WPL में एक से ज्यादा बार चार या उससे ज्यादा विकेट हासिल करने वाली पहली गेंदबाज हैं।
- **कैपिटल्स ने 49 रन बनाने में 10 विकेट खोए-** दिल्ली कैपिटल्स ने सात ओवर में बिना किसी नुकसान के 64 रन के आंकड़े पर पहुंचने के बाद अगले 11.3 ओवर में 10 विकेट पर 49 रन ही बनाए।
- **एलिस पेरी ने सबसे ज्यादा रन बनाए, 141 रन पिछले 3 मैचों में आए-** पिछले तीन मैचों में ऑरेंज कैप होल्डर एलिस पेरी ने पिछले 3 मैचों में 141 रन बनाए। उन्होंने ये रन 112.80 की स्ट्राइक रेट से बनाए और इस दौरान केवल एक बार आउट हुईं। इन तीन मैचों में गेंद के साथ, उन्होंने 8.28 की औसत से सात विकेट लिए, जिसमें टूर्नामेंट का पहला छह विकेट हॉल भी शामिल था। पेरी ने रविवार को नाबाद

35 रनों की पारी के बाद 347 रनों के साथ अपना सीजन खत्म किया। इस एडिशन में मेग लेनिंग के 347 रन बनाकर पिछले सीजन में उनके कुल 345 रन के टारगेट को पीछे छोड़ दिया।

RCB के स्पिनर्स ने घर से ज्यादा दिल्ली के मैदान पर विकेट लिए

दिल्ली के मैदान पर RCB के स्पिनर्स ने 24 विकेट लिए। इस WPL के दिल्ली चरण यानी दिल्ली में हुए पांच मैचों में ऋष्टक्कके स्पिनरों ने कुल 24 विकेट लिए। उन्होंने हर 15.6 गेंदों पर एक विकेट लिया है। वहीं, 6.81 की इकोनॉमी से रन दिए। उनके स्पिनरों ने बेंगलुरु में पांच मैचों में 20 विकेट लिए थे, लेकिन 8.46 की इकोनॉमी से गेंदबाजी की।

WPL में मंधाना सबसे ज्यादा बार ऑफ स्पिनर्स का शिकार बनीं

स्मृति मंधाना WPL में ऑफस्पिनर्स के खिलाफ 9 बार आउट हुईं, जो किसी भी बैटर के लिए सबसे ज्यादा है। उन्होंने ऑफस्पिनर्स के खिलाफ 122 गेंदों का सामना करते हुए 12.88 की औसत से 116 रन बनाए।मंधाना ने 2023 में उनके खिलाफ 6.20 की औसत से पांच बार आउट किया था और इस साल 21.25 की औसत से चार बार आउट हुईं।

WPL 2024 : महिला टीम ने खत्म किया RCB का 16 का इंतजार

विराट कोहली का दिल भी हुआ बाग-बाग

नईदिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की महिला टीम ने रविवार को वह कारनाम कर दिखाया जो कि पुरुष टीम 16 साल से नहीं कर सकी। स्मृति मंधाना की कप्तानी में आरसीबी ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल में हराया और ट्रॉफी जीती। आरसीबी की इस ऐतिहासिक जीत पर विराट कोहली का दिल भी गार्डन गार्डन हो गया। उन्होंने टीम की जीत के लिए इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की।

विराट कोहली ने किया वीडियो कॉल- विराट कोहली ने महिला टीम की जीत पर इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की। उन्होंने महिला टीम की तस्वीर

शेयर की और 'स्क्क्ष्ऋड्ढह्रस्थ्ह' लिखा। इसके साथ ही उन्होंने दिल, ट्रॉफी और तालियों की इमोजी की शेयर की। विराट कोहली की खुशी उनकी पोस्ट से साफ जाहिर थी। उन्होंने मैच के तुरंत बाद वीडियो कॉल पर कप्तान स्मृति मंधाना से बात की और जीत की बधाई दी। विराट कोहली और स्मृति मंधाना दोनों ही 18 नंबर की जर्सी पहनते हैं। विराट ने भी लंबे समय तक आरसीबी की कप्तानी की है। उन्होंने सभी सीजन केवल आरसीबी के लिए ही खेले हैं। उन्होंने कई बार यह कहा है कि भले ही उनकी टीम ट्रॉफी न जीते लेकिन वह इस टीम का साथ कभी नहीं छोड़ेंगे।

पुरुष टीम जैसा ही था महिला टीम का सफर

पुरुषों की आरसीबी टीम ने अब तक एक भी बार आईपीएल ट्रॉफी नहीं जीती है। पहले सीजन में वह 8 टीमों में सातवें स्थान पर रही थी। इसके बाद अगले सीजन में वह फाइनल में पहुंची। यहां उसका सामना डीसी यानी डेक्कन चार्जर्स से था। आरसीबी यह फाइनल मैच हार गई थी। महिला टीम का भी कुछ ऐसा ही हाल था। पांच टीमों में वह पिछले सीजन में चौथे स्थान पर थी। दूसरे सीजन में वह फाइनल में पहुंची। यहां उसका भी सामना डीसी यानी दिल्ली कैपिटल्स से था। महिला टीम ने डीसी को हराकर दूसरे ही सीजन में अपनी टीम को चैंपियन बना दिया।

अफगानिस्तान-आयरलैंड- अफगानिस्तान के सामने आयरलैंड हुआ बेहाल, दूसरे टी- 20 में 10 रन से जीते अफगानी शेर

शारजाह , एजेंसी। अफगानिस्तान और आयरलैंड के बीच खेली जा रही 3 मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला बीते 17 मार्च को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में मेजबान टीम अफगानिस्तान ने शानदार कमबैक किया और आयरिश टीम को चित कर दिया। दोनों टीमों के बीच एक हाई वोल्टेज मैच देखने को मिला, जिसमें अंत में जीत 10 रन से अफगानिस्तान की हुई। अब सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई है। आइये जानते हैं कि आखिर मैच में क्या-क्या हुआ।

अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर चुनी बल्लेबाजी- अफगानिस्तान टीम के कप्तान राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। ऐसे में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 152 रन बोर्ड पर लगाए। अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नाबी ने टीम के लिए तूफानी अर्धशतक ठोकते हुए 59 रन की पारी खेली।

पूरे सीजन में मेरे कंधे पर होगा रोहित का हाथ

कप्तान बनने पर फैंस की नाराजगी झेलने पर भी हार्दिक ने कही दिल की बात

नईदिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के नए कप्तान हार्दिक पंड्या ने आईपीएल के नए सीजन के शुरू होने से पहले हेड कोच मार्क बाउचर के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने अपने और रोहित के रिश्तों को लेकर बात की। कप्तान बनने के बाद हार्दिक पंड्या को काफी ट्रोल किया गया था। पूर्व ऑलराउंडर ने उसे लेकर भी दिल की बात बयां की।

हार्दिक पंड्या को यकीन रोहित का मिलेगा साथ- हार्दिक पंड्या ने बताया कि उन्हें नहीं लगता की कप्ताने बनन के बाद रोहित शर्मा के साथ रिश्तों की किसी तरह की असहजता नहीं हुई। हार्दिक ने कहा, 'कुछ अलग नहीं होगा।

मुझे जब भी मदद की जरूरत होगी वह साथ होंगे। मैंने पहले भी कहा है कि वह भारतीय कप्तान हैं। मैंने अपना लगभग पूरा करियर उनकी कप्तानी में बिताया है। मुझे नहीं लगता किसी तरह की असहजता होगा। टीम ने उनकी कप्तानी में जो हासिल किया मैं उसी को आगे बढ़ाना चाहता हूं।'

इंटरव्यू

मुझे करियर की शुरुआत में काफी हीनता का सामना करना पड़ा था : जैमी लीवर

बॉलीवुड एक्टर जॉनी लीवर की बेटी और मशहूर कॉमेडियन जैमी लीवर ने कहा कि महिलाओं को कॉमेडियन के तौर पर एहमियत नहीं दी जाती है। उन्हें हाल ही में फिल्म क्रैक में देखा गया था। अब वह जल्द ही तेलुगू मूवीज में भी नजर आएंगी। जैमी लीवर ने इंटरव्यू में कई मुद्दों पर खुलकर बात की।

- एक्टर जॉनी लीवर की बेटी जैमी लीवर ने कॉमेडियन हैं और कई शोज कर चुकी हैं
- स्टैंडअप कॉमेडियन जैमी लीवर ने बताया कि वह साफ सुथरी कॉमेडी कैसे करती हैं
- जैमी लीवर ने बताया कि उन्होंने कभी पिता के नाम का सराहा लिया और न जॉनी ने सिफारिश की

स्टैंड अप कमीडियन के क्षेत्र में लड़की होने के नाते अपना नाम बनाना जैमी लीवर के लिए आसान नहीं था। हालांकि वे जाने-माने कमीडियन जॉनी लीवर की बेटी हैं, मगर उन्हें पिता के नाम का सहारा लेना गवारा नहीं था। हाल ही में क्रैक में दिखी जैमी जल्द ही तेलुगू फिल्म में भी दिखेंगीं। अपने स्टैंड अप कॉमिडी और विडियोज से पहचान बनाने वाली जैमी से कॉमिडी, महिलाओं को लेकर की जाने वाले हास्य, उनके करियर, पिता जॉनी लीवर, लड़की होने के नाते गर्व और हीनता के पल जैसे मुद्दों पर खास बातचीत।

कॉमिडी में आम तौर पर योन तो हालात का भी मजाक उड़ाया जाता है, मगर देखा गया है कि महिलाओं का खासा मजाक बनाया जाता है, उनकी बॉडी या आईक्यू पर या फिर उनकी ड्राइविंग पर, निशाना वही बनती हैं, इसे आप कैसे देखते हैं?

●देखिए मैं दो घंटे का कॉमिडी शो करती हूं और उसमें मेरी कोशिश यही रहती है कि इंडस्ट्री हो या दूसरे क्षेत्र की महिलाएं, हम अपनी कमजोरियों पर हंसे भी और चूंकि हमारे जीवन में हजार चीजें चल रही होती हैं, तो नॉर्मल लाइफ में कॉमिडी हो ही जाती है। मैं इन बातों को बहुत ही प्यारे तरीके से प्रेजेंट करती हूं, ताकि औरतों को बुरा भी न लगे और साथ ही हम वूमनहुड को सेलिब्रेट भी कर पाएं कि हम कितनी सशक्त हैं और किस कदर मल्टी टास्किंग हैं। मेरा मकसद यही रहता है कि हम औरों के बारे में बात करें और उनके औरतपन का जश्न मनाएं। हां, मुझे बुरा लगता है, जब औरतों को नीचे दिखाया जाता है। कई बार हमारे टेलिविजन पर भी बहुत सारे जोक्स होते हैं औरतों पर, अब क्या ही करें, क्योंकि एक तरह की ऑडियंस है, जो इस तरह के कॉन्टेंट को इंजॉय करती है। कई बार जब पुरुष महिला पात्रों में आते हैं, तो लोग खूब हंसते हैं। मगर मैं या मेरे जैसी फीमेल स्टैंड अप कमीडियन्स गर्व से खुद पर हंसते हैं। और अपने वूमनहुड को सेलिब्रेट करते हैं।

आप कॉमिडी के दर्जे को साफ-सुथरा कैसे बनाए रखती हैं?

●मैंने हमेशा इस बात का खयाल रखा है कि मैं जॉनी लीवर की बेटी हूं और मुझे उनकी साफ-सुथरी कॉमिडी की परंपरा को आगे बढ़ाना है। मेरे डैड की फैन फॉलोविंग जबरदस्त है और ऐसे में लोगों की जिज्ञासा होती है कि बेटी क्या करेगी? किस तरह की कॉमिडी के साथ पेश होगी? मैं बहुत सतर्क थी कि ऐसी कोई कॉमिडी न करूं, जो लोगों को ओछी लगे और लोग निराश हों। साथ ही मैं ये भी चाह रही थी कि मैं इस तरह की कॉमिडी करू, जिससे मेरे माता-पिता को गर्व हो। मैं ऐसी कॉमिडी करूं, जिसे मेरे माता, पिता, दादी और छोटे कजन्स एक साथ बैठ कर देख पाएं। हम लोग स्पिरिचुअल लोग भी हैं, तो उस नाते से भी मैं कॉमिडी में कहीं गलत नहीं जाना चाहती। कई बार लोग मिमिक्री को किसी को नीचे दिखाना समझते हैं, मगर किसी की नकल करना किसी का मजाक उड़ाना नहीं होता, ये एक आर्ट फॉर्म है। अब जैसे मैं श्रीदेवी जी की मिमिक्री करती हूं, तो मुझे गर्व होता है, क्योंकि आज वे दुनिया में नहीं हैं, मगर मैं उनकी आवाज बनकर लोगों को उनकी याद दिलाती रहती हूं। वैसे भी बिलो द बेल्ट कॉमिडी ज्यादा लोग पसंद करते भी नहीं हैं। हम भारतीय बहुत ही संवेदनशील होते हैं और ये मेरे पिता ने मुझे बहुत अच्छे तरीके से समझाया है कि किसी की भावनाओं को आहत करना कॉमिडी नहीं है।

आपके लिए सबसे ज्यादा प्राउड मोमेंट कौन-सा था?

●मेरे लिए प्राउड मोमेंट बेटी के रूप में आया है कि आज मेरी पहचान जॉनी लीवर की बेटी के रूप में नहीं बल्कि मेरे अपने नाम से है। मैंने बीते दस सालों में अपनी जगह बनाई है। ऐसा नहीं है कि मुझ पर मेरे पैरंट्स का साया नहीं है, मगर आज मुझे काम मिल रहा है या सम्मानित किया जाता है, तो वो मेरे काम के कारण। लड़की होने के नाते मुझे इस बात का गर्व है कि हमारे देश में गिनी-चुनी फीमेल कमीडियन्स हैं और उनमें से मैं एक हूं। मुझे दस साल लगे अपनी जगह बनाने में, लड़कियों को समय लग ही जाता है।

आपको जॉनी लीवर के नाम का कितना फायदा मिला?

●देखिए, मैंने शुरू से ही उनकी कोई मदद नहीं ली और न उन्होंने मेरे लिए कभी कोई सिफारिश की और अब इस बात का गर्व हमें दस साल बाद होता है। हाल ही में वे मेरे शो में आए थे और मैंने अनाउंस किया था कि वे एक सीनियर या सेलिब्रिटी की हैसियत से नहीं आए बल्कि एक पिता के रूप में आए थे। जब मैंने उन्हें मंच पर दो शब्द कहने के लिए बुलाया, तो उन्होंने यही कहा कि इस लड़की ने मेरी कोई मदद नहीं ली। कॉमिडी सर्कस में भी मैं ऑडिशन के बलबूते पर ही पहुंची। उसके बाद भी मुझे काम से काम मिलता गया। मैं अपने विडियोज और शो करती रही। मुझे क्रैक मिली, उससे पहले भूत पुलिस मिली। तो मैं ऑडिशन के सहारे यहां तक पहुंची हूं .यही वजह है कि मुझे समय लगा यहां तक का सफर तय करने में।

आपको किन बातों से हीनता का अहसास होता है?

●मुझे करियर की शुरुआत में काफी हीनता का सामना करना पड़ा था। कुछ छोटे शहरों में लोग इतने खुले विचारों के नहीं हैं। कई बार जो लोग मेरे विडियोज देखते हैं और मेरे काम को पसंद करते हैं, वे जब मुझसे मिलते हैं, तो पूछते हैं, ये कॉमिडी-वॉमिडी तो ठीक है, मगर आप काम क्या करती हैं? आप शादी कब कर रही हो? उस वक्त मुझे बहुत ह्युमिलिएशन फील होता है कि ये तो मेरा फुल टाइम प्रोफेशन है और इसमें मैंने पूरी मेहनत लगा दी है, तो आप उसे कैसे डिसमिस कर सकते हो कि ये तो महज हंसी-मजाक है। हीन महसूस होता है जब लगता है कि एक लड़की द्वारा की गई कॉमिडी आपकी नजर में कुछ है ही नहीं।

हाल ही में आप क्रैक जैसी फिल्म में नजर आई थीं और जल्द ही आप अपनी मातृ भाषा की तेलुगू फिल्म में दिखेंगी?

●हर अदाकार चाहता है कि वो बड़े पर्दे पर दिखे और मैंने भी तीन-चार फिल्मों में काम किया है, मगर अब अपनी मातृभाषा में काम करने का मौका मिला है। जहां तक क्रैक की बात है, तो इसमें मेरा रोल एक लड़के के लिए लिखा गया था। मगर निर्देशक आदित्य दत्त चाहते थे कि मैं ये रोल करूं, तो उन्होंने जुनैद के उस किरदार को जुनैदा में तब्दील किया, जो मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। विद्युत् भाई (विद्युत जांभवाल) जैसे हीरो ने भी सेट पर मुझे नया या जूनियर महसूस नहीं होने दिया। वे मेरे वीडियोज देख चुके थे और उनके साथ काम करके काफी मजा आया। जहां तक तेलुगू फिल्म की बात है, तो करियर के शुरुआत से ही मैं चाहती थी कि मैं अपनी मदर टंग में एक फिल्म जरूर करूं, इसके लिए मैंने काफी कोशिश और दुआएं भी कीं। मगर बात नहीं बनी। फिर सालों बाद इस फिल्म के हीरो ने पॉपकॉर्न सीरीज में मेरा काम देखा था और मुझे अप्रोच की गई। तब तक उन्हें पता नहीं था कि मैं जॉनी लीवर की बेटी हूं। जब उन्हें पता चला कि मुझे तेलुगू आती है, तो उन्हें बहुत खुशी हुई। तेलुगू फिल्म मैं अपनी को समर्पित करना चाहूंगी, क्योंकि मेरी दादी हिंदी उतना समझ-बोल नहीं पाती, तो इस फिल्म को वे जरूर इंजॉय करेंगी

डिज्नी की टाइगर को प्रियंका देंगी अपनी आवाज

बॉलीवुड से निकलकर हॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने वाली देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा अब एक नए अवतार में नजर आने वाली हैं। ग्लोबल आइकन प्रियंका डिज्नीनेचर की आगामी फिल्म टाइगर के लिए अपनी आवाज देंगी। यह फिल्म बाघों के ऊपर आधारित हैं, जिसमें एक युवा बाघिन अंबर की कहानी को दिखाया गया है। फिल्म को लेकर प्रियंका ने कहा, हर मां इस कहानी से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करेगी। गौरतलब है कि फिल्म में युवा बाघिन अंबर भारत के घने जंगलों में अपने शावकों की देखभाल करती है। फिल्म से जुड़ने को लेकर प्रियंका ने कहा, यह मेरे लिए काफी स्पेशल है। मेरे देश की इस शानदार कहानी को पर्दे पर बताना मेरे लिए बेहद खास है, मैं खुद को सम्मानित महसूस कर रही हूं। फिल्म के बारे में बात करते हुए प्रियंका ने कहा, मुझे हमेशा बाघों से प्यार रहा है और मैं बाघिनों से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हूं। क्योंकि मैं उनकी तरह ही अपने परिवार के सुरक्षा करती हूं। मुझे लगता है कि फिल्म में अंबर का सफर कुछ ऐसा ही है, जिससे हर मां खुद को खुद को जोड़ सकेगी। गौरतलब है कि यह फिल्म पृथ्वी दिवस के मौके पर यानी 22 अप्रैल, 2024 को रिलीज किया होगी। फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। टाइगर को मार्क लिनफील्ड ने निर्देशित किया है। वहीं, वैनेसा बर्लोविट्ज और रॉब सुलिवन इस फिल्म के सह निर्देशक है।

मधुबाला के लुक को पर्दे पर दोबारा जीवंत करेंगी शहनाज

बॉलीवुड एक्ट्रेस शहनाज गिल ने बताया कि वह क्यों बीते जमाने की मशहूर एक्ट्रेस मधुबाला के लुक को एक बार फिर पर्दे पर जीवंत करना चाहती हैं। एफडीसीआई के साथ भागीदारी में लैक्मे फैशन वीक के मौके पर शहनाज ने बताया कि मुझे बीते जमाने की एक्ट्रेसेस बहुत पसंद हैं। वह बहुत आकर्षक थीं और उनकी सुंदरता बेहद नैसर्गिक थी।

मधुबाला को दोबारा पर्दे पर जीवंत करना बेस्ट है। शहनाज ने रियल लाइफ में फैशन को लेकर भी बात की। असल जिंदगी में आउटफिट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मैं घर पर बहुत कैजुअल रहती हूं। आप आमतौर पर मुझे शॉर्ट्स और मेरे भाई की टी-शर्ट में पाएंगे। मैं घर पर एक आम लड़की हूं। शहनाज ने कहा कि हर दिन एक नया एक्सपीरियंस है। मैं लाइफ में सब कुछ आजमाना और सब कुछ एक्सपीरियंस करना चाहती हूं। मैं ऐसी नहीं हूं कि मुझे कोई खास लुक चाहिए। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि मैं हॉट दिखना चाहती हूं और मैं एक्सपेरिमेंटल हूं। मुझे कुछ भी पहनाओ और मैं इसे बहुत अच्छे से कैरी करूंगीं।

ऐश्वर्या शर्मा ने जारी किया हेल्थ अपडेट

डांस की प्रैक्टिस करते वक्त स्टेज पर बेहोश हो गई थीं एक्ट्रेस

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा ने अपना हेल्थ अपडेट दिया है। दरअसल, होली स्पेशल एपिसोड की शूटिंग चल रही थी। बिग बॉस 17 की फेमस जोड़ी ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट डांस की प्रैक्टिस कर रहे थे। प्रैक्टिस के दौरान एक्ट्रेस को चक्कर आया और वह बेहोश होकर गिर गईं। ऐश्वर्या के यूं अचानक गिर जाने की वजह से शूटिंग लोकेशन पर भगदड़ मच गई। वहीं जब ये खबर बाहर आई तब उनके फैंस घबरा गए। ऐसे में ऐश्वर्या ने अब अपने फैंस के लिए अपडेट जारी किया है। ऐश्वर्या ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपना हेल्थ अपडेट देते हुए लिखा, सभी को नमस्कार, सबसे पहले परफॉर्मेंस के दौरान जो कुछ भी हुआ उसके बाद मेरे लिए चिंता करने और मेरा साथ देने के लिए आप सभी का धन्यवाद।

मैं आप सभी को बताना चाहता हूं कि मैं अब ठीक हूं। आपका समर्थन और प्यार मुझे आगे बढ़ाता है। आशा है कि आपको मेरा परफॉर्मेंस पसंद आएगा। इसे मिस नहीं कीजिएगा। ऐश्वर्या ने खुद अपने बेहोश होने का कारण तो नहीं बताया है, लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो डांस प्रैक्टिस के दौरान ऐश्वर्या का ब्लड प्रेशर लो हो गया था इसलिए वह अचानक मंच पर बेहोश हो गई थीं। होली स्पेशल एपिसोड में बिग बॉस 17 के सभी कंटेस्टेंट्स शामिल होंगे। रंगों से सजने वाली इस खूबसूरत शाम को टीवी की मोस्ट पॉपुलर जोड़ी ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट होस्ट करते नजर आएंगे। अभी इस एपिसोड का शूट चल रहा है। ये शूट पांच दिनों तक चलेगा।

पुलकित के साथ नाचते हुए कृति ने किया गृह प्रवेश

बॉलीवुड के क्यूट कपल कृति खरबंदा और पुलकित सम्राट शुक्रवार 15 मार्च को हरियाणा के आईटीसी भारत में शादी के बंधन में बंध गए। शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं।

फैंस लंबे समय से शादी का इंतजार कर रहे थे। अब शादी के बाद कृति का ससुराल में कैसे गृहप्रवेश हुआ उससे जुड़े वीडियो सामने आए हैं। इनमें कृति खुशी से झूमती हुई नजर आईं। एक वीडियो में पुलकित अपनी पत्नी को गृह प्रवेश के लिए लेकर आते हैं। पुलकित व्हाइट कलर की शेरवानी में काफी हैंडसम लगते हैं। नई नवेली दुल्हन कृति भी साड़ी पहने कहर ढाती दिखीं। कृति रेड कलर की फ्लोरल साड़ी के साथ हाथों में चूड़ा और मांग में सिंदूर फ्लांट करते हुए बेहद गॉर्जियस लग रही हैं। पुलकित गाड़ी का दरवाजा खोलकर कृति को घर लेकर आते हैं। दूसरे वीडियो में पुलकित और कृति जमकर ढोल पर नाचते हुए नजर आ रहे हैं। ससुराल में जिस तरह से कृति का स्वागत हुआ उसे देख हर कोई खुश हो गया। उन दोनों के चेहरे पर भी खुशी साफ झलक रही है।

रवि किशन को जान से मारना चाहते थे पिता

17 साल की उम्र में छोड़ दिया था घर

रवि किशान भोजपुरी से लेकर बॉलीवुड तक में अपनी एक्टिंग का दम दिखा चुके हैं। वह हाल ही में किरण राव की फिल्म लापता लडीजमें नजर आए। इस फिल्म में उन्होंने एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभाई। इस किरदार के लिए रवि को खूब सराहना मिल रही है। इसी बीच रवि किशन ने अपने पिता के साथ अपने परेशानी भरे रिश्ते के बारे में बात की। रवि किशन ने बताया कि पिता उनके एक्टर बनने के खिलाफ थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके पिता उन्हें मारना चाहते थे। एक इंटरव्यू के दौरान रवि किशन ने कहा, जब उन्होंने पड़ोस की रामलीला में परफॉर्म करना शुरू किया तो उनके पिता हैरान रह गए थे। वह अक्सर इसके लिए उन्हें सजा देते थे। यह कलह इस हद तक बढ़ गई कि रवि को अपने पिता के गुस्से और शारीरिक शोषण के कारण 17 साल की उम्र में घर छोड़ना पड़ा था। रवि किशन ने कहा, मेरे पिता मुझे बहुत बुरी तरह से पीट रहे थे और वह मुझे हथौड़े से मार रहे थे। वह मुझे मारना चाहते थे और मेरी मां को पता था कि उनके पति मुझे मार सकते हैं और वह इसमें जरा भी संकोच नहीं करेंगे क्योंकि पुजारियों की भावनाएं ना के बराबर होती है। इसलिए उन्होंने कहा भाग जाओ। उन्होंने कहा, वह एक पुजारी थे और ब्राह्मण होने के नाते वह हमेशा चाहते थष कि मैं खेती करूं या पुजारी बनूं या कोई सरकारी नौकरी करूं। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनके परिवार में कोई कलाकार पैदा हो सकता है। इसलिए रामलीला में डांस करना या सीता का किरदार निभाना उनके लिए थोड़ा चौंकाने वाला था। रवि ने बताया कि वह अपनी जेब में केवल 500 रुपये लेकर भाग गए और मुंबई के लिए ट्रेन में चढ़ गए थे। रवि किशन ने यह भी बताया कि समय के साथ उनका परिवार उनसे बहुत खुश था, क्योंकि अभिनय में उनके करियर ने उन्हें बहुत पैसा दिया।

प्री-वेडिंग शूट में मरते-मरते बचीं देवों के देव फेम आर्या

-22 डिग्री में दिखा रही थीं अदाएं

देवों के देव महादेव की एक्ट्रेस आर्या वोरा ने हाल ही में अपने प्री-वेडिंग शूट का वीडियो पोस्ट किया। इसमें उन्होंने स्पीति वैली में - 22 डिग्री पर शूट किया और हाइपोथर्मिया के कारण मरते-मरते बचीं। उनके ऐसा करने पर खूब लताड़ पड़ रही है, वहीं कुछ लोग साहस दिखाने के लिए तारीफ भी कर रहे हैं। टीवी एक्ट्रेस आर्या वोरा 2013 में अपने पहले सीरियल देवों के देव...महादेव से प्रसिद्ध हुईं। जल्द ही वो फैंस की चहीती बन गईं और वह सोशल मीडिया पर अपने कॉन्टेंट के लिए भी बहुत फेमस हैं। 26 फरवरी को वह अपने बॉयफ्रेंड रंजीत से शादी के बंधन में बंध गईं। हालांकि, यह उनका प्री-वेडिंग शूट है जो सुर्खियां बटोर रही है, क्योंकि स्पीति घाटी में - 22 डिग्री पर हाइपोथर्मिया से उनकी हालत मरने जैसी हो गई थी। हाल ही में, अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर स्पीति वैली में अपने प्री-वेडिंग शूट का एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में हम देख सकते हैं कि आर्या बहुत ठंड के कारण बेहोश हो रही हैं लेकिन फिर भी वो स्ट्रैपलेस काले रंग का गाउन पहनकर कम तापमान में शूटिंग कर रही हैं। इसके साथ ही आर्या ने खुलासा किया कि वह हाइपोथर्मिया से मरते-मरते बची थीं।

मरते-मरते बचीं आर्या

इस बीच, आर्या को अपना ड्रीम शॉट मिला, जिसकी वह लगभग एक साल से प्लानिंग कर रही थीं। कई नेटिज़न्स ने बहुत ठंड में शूटिंग करने के डिसीजन पर काफी कुछ कहा। एक यूजर ने लिखा, इसलिए शिक्षा और सामान्य ज्ञान की जरूरत है। एक ने कहा, यह देखना फनी और दुखद है कि तस्वीरें कितनी जरूरी हो गई हैं! कोई एक शॉट के लिए अपने जीवन का सौदा करने के लिए तैयार है? हे भगवान.. एक नेटीजन ने यह कहा, क्या यह सिर्फ प्री-वेडिंग के लिए कर रही।

लोगों ने सपने सच करने के लिए सराहना भी की

हालांकि, कुछ लोगों ने अपने सपने को जीने के लिए आर्या के साहसिक कदम की सराहना की। एक यूजर ने लिखा, लोग हमेशा बात करेंगे, लेकिन अगर आपने यह सपना देखा है, तो इसे पूरा करना आपका अधिकार और आपकी पसंद है। अगर आपको लगता है कि यह जोखिम उठाने लायक है तो यह पूरी तरह से आपकी पसंद है। दूसरे क्या कहते हैं, इसकी चिंता न करें। आपके दिन वापस नहीं आएंगे, इसलिए उन्हें वैसे ही जिएं जैसे आप चाहते हैं।